



देशबन्धु

विश्व गुरु शांति प्रयास...
भारत में महिला श्रम...

04 ■ इजरायल ने गाजा के पास तैनात किए...
नासा का मार्स हेलिकॉप्टर मंगल पर नई...

09 ■ लगातार तीसरे दिन शेयर बाजार बेदम...
सोने के दाम चार महीने की ऊंचाई पर

11 ■ न्यूजीलैंड के विवाह नहीं...
विवाह के शतक के लिए...

10



आज के मैच
नीदरलैंड विरुद्ध श्रीलंका
समय - 10.30 सुबह
इंग्लैंड विरुद्ध साउथ अफ्रीका
समय - 2.00 दोपहर

सार संक्षेप

वर्ष का अंतिम चंद्रग्रहण 28 अक्टूबर को

नई दिल्ली। वर्ष 2023 का अंतिम चंद्रग्रहण 28-29 अक्टूबर को रात को शरद पूर्णिमा को लगेगा और यह भारत में आंशिक रूप से दिखाई देगा। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने शुक्रवार को यहां बताया कि 28 अक्टूबर की आधी रात को चंद्रमा उपग्रह में प्रवेश करेगा और ग्रहण की अवधि 29 अक्टूबर के शुरुआती घंटे होगी। ग्रहण मध्यरात्रि के आसपास भारत के सभी भागों में दिखाई देगा। इसके साथ चंद्रग्रहण पश्चिमी प्रशांत महासागर, ऑस्ट्रेलिया, एशिया, यूरोप, अफ्रीका, पूर्वी दक्षिण अमेरिका, उत्तर-पूर्वी अमेरिका, अटलांटिक महासागर, हिंद महासागर तथा दक्षिण प्रशांत महासागर के क्षेत्रों से दिखाई देगा। उल्लेखनीय है कि भारत में दिखाई देने वाला आला चंद्र ग्रहण सात सितंबर 2025 को होगा और यह पूर्ण चंद्र ग्रहण होगा।

संजय सिंह की याचिका खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने 20 अक्टूबर को आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह की याचिका खारिज कर दी। संजय को इंडी ने दिल्ली शराब नीति थोडाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था। इसके बाद उन्हें ट्रायल कोर्ट में भेजा गया था, कोर्ट ने उन्हें इंडी की रिमांड में भेज दिया गया था।

सूचना

सुधि पाठकों के लिए देशबन्धु अखबार का ई-पेपर
epaper.deshbandhump.com
वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।



चूना-सुनती हो- कनाडा ने भारत के कई शहरों में वीजा सेवाएं बंद कर दी हैं।
चुहिया- हां पिरो-कथित खालिस्तानियों को ठंका-मुंदा समर्थन देने वाले की नकेल कसे जाने की उल्टापट्टा है।

प्रधानमंत्री उज्वला योजना में 75 लाख नए कनेक्शन देने सरकार ने लिया फैसला

अब जिला समिति तय करेगी नए लाभार्थी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री उज्वला योजना के तहत लाभार्थियों की जांच अब जिलास्तरीय समिति करेगी। इसके लिए केंद्र सरकार ने जिला उज्वला समिति के गठन का निर्देश दिया है। इसकी अध्यक्षता जिलाधिकारी करेंगे। इस योजना के तहत 75 लाख नए कनेक्शन देने के प्रस्ताव पर पिछले माह केंद्रीय कैबिनेट ने मुहर लगाई थी।

तेल कंपनियों करती थीं चयन-इसके अलावा तीन गैर आधिकारिक सदस्य जिलों में पीएम विश्वकर्मा योजना के लिए बनी राष्ट्रीय कार्यान्वयन समिति द्वारा चयनित किए जाएंगे। स्वच्छ ईंधन, बेहतर जीवन के नारे के साथ केंद्र सरकार ने कई

ये होंगे समिति के सदस्य

पेट्रोलियम मंत्रालय की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि- प्रधानमंत्री उज्वला योजना (पीएमयूवाई) के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए जिला स्तरीय समितियां सुनिश्चित करेंगी कि पात्र परिवारों को ही लाभ मिले। इसके लिए समिति नियमित बैठक करेगी। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बने वाली इस समिति में नोडल अधिकारी समेत तेल कंपनियों से तीन सदस्य होंगे। इसमें एक सदस्य जिला खाद्य एवं आपूर्ति विभाग से अधिकारी होगा।

2016 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री उज्वला योजना की शुरुआत की थी। इससे पहले सरकार की ओर से तय मानकों के अनुसार तेल कंपनियां ही लाभार्थियों का चयन करती थीं।

सीवर सफाई के दौरान होने वाली मौतों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, कहा-

मजदूर को देना होगा 30 लाख मुआवजा

-स्थाई रूप से दिव्यांग होने पर 20 लाख देना होगा

-शीर्ष अदालत ने सरकारी अफसरों को दिए आवश्यक निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसियां)। देश में सीवर सफाई के दौरान होने वाली मौत की घटनाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि सरकारी अधिकारियों को मरने वालों के परिजन को 30 लाख रुपए मुआवजा देना होगा। सीवर की सफाई के दौरान कोई सफाईकर्मी स्थायी दिव्यांगता का



शिकार होता है तो न्यूनतम मुआवजे के रूप में उसे 20 लाख रुपए दिया जाएगा। वहीं, अन्य दिव्यांगता पर अफसर उसे 10 लाख रुपए तक का भुगतान करेंगे। जस्टिस एस रवींद्र भट और जस्टिस अरविंद कुमार की बेंच ने सीवर सफाई के दौरान होने वाली मौतों को लेकर दायर एक जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने कई निर्देश जारी किए, जिन्हें पढ़ा नहीं गया। पीठ ने निर्देश दिया कि सरकारी



देश को पहली रैपिड रेल को प्रधानमंत्री ने दिखाई हरी झंडी, बच्चों संग की यात्रा

गाजियाबाद। देश को पहली रैपिड रेल रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम की सौगात मिल गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहले चरण के तहत साहिबाबाद से दुहाई डिपो तक चलने वाली ट्रेन को हरी झंडी दिखा दी है। ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के बाद श्री मोदी ने उसमें सफर भी किया। इस दौरान प्रधानमंत्री स्कूली बच्चों से बातचीत करते हुए नजर आए। वहीं, कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि- जिसका शिलान्यास हम करते हैं, उसका उद्घाटन भी हम ही करते हैं। आज पूरे देश के लिए ऐतिहासिक क्षण है। आज भारत की पहली रैपिड रेल सेवा 'नमो भारत' ट्रेन राष्ट्र को समर्पित हुई है। इस दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल भी मौजूद रहें। कल से आम नागरिक इस ट्रेन से यात्रा कर सकेंगे। इस रूट पर चलने वाली ट्रेनों को 'नमो भारत' का नाम दिया गया है। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कल इसका नाम बदलने की घोषणा की थी।

एक राष्ट्र, एक चुनाव : कोविंद समिति के साथ रोडमैप साझा करेगा विधि आयोग

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। विधि आयोग एक साथ चुनाव कराने के अपने रोडमैप को अगले सप्ताह पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति के साथ साझा करेगा।

समिति ने विधि आयोग को 25 अक्टूबर को आमंत्रित किया है, ताकि वह इस बारे में उसकी राय जान सके कि देश में एक साथ चुनाव कैसे कराए जा सकते हैं। उच्च स्तरीय समिति ने हाल ही में अपनी पहली बैठक में राजनीतिक दलों की राय जानने का फैसला किया था और अब उन्होंने देश में एक साथ चुनाव कराने पर उनकी राय जानने के लिए उन्हें पत्र लिखा है। सूत्रों ने पत्र का हवाला

देते हुए कहा कि राजनीतिक दलों को भेजे पत्र में उसने परस्पर सहमति वाली तारीख पर उनके साथ बातचीत की मांग की है। न्यायमूर्ति रितु राज अवस्थी की अध्यक्षता

सुनिश्चित करने के लिए एक तंत्र तैयार कर रहा है ताकि लागत और मानवशक्ति (मैनपावर) के इस्तेमाल को कम किया जा सके। 2029 से राज्य और लोकसभा दोनों के

राजनीतिक दलों को लिखा पत्र

वाला विधि आयोग कार्यकाल बढ़ाकर या घटाकर सभी विधानसभा चुनावों को समन्वित करने के फार्मूले पर काम कर रहा है, ताकि ये चुनाव 2029 के लोकसभा चुनाव के साथ कराए जा सकें। विधि आयोग के साथ कराए जा सकें। विधि आयोग निकायों के लिए एक समान मतदाता सूची

तेलंगाना में राहुल ने कहा-

जो देश में 5 प्रतिशत है, वह बजट कंट्रोल करते हैं

राजनीतिक दलों से मांगा गया है समय

समिति द्वारा पार्टियों को भेजे गए पत्र का हवाला देते हुए बताया गया है कि पार्टियों से 'परस्पर सहमत लिथि' मांगी गई है, ताकि उनके साथ इस पर विचार-विमर्श की जा सके। समिति ने पार्टियों को अगले 3 महीनों में अपने विचार लिखित रूप में भेजने का विकल्प दिया है।

बाद मतदाता दोनों चुनावों के लिए अपना वोट डालने के लिए केवल एक बार मतदान केंद्र पर जाएं।

कनाडा ने भारत के कई शहरों में रोकी वीजा सेवाएं

नई दिल्ली। कनाडा ने भारत के कई शहरों में वीजा सेवाओं पर लॉक लगा दिया है। ये फैसला अपने 41 राजनयिकों को बुलाने के बाद लिया गया है। रत से 41 राजनयिकों को वापस बुलाने के साथ ही कनाडा ने अब चंडीगढ़, मुंबई और बंगलुरु वाणिज्य दूतावासों में अपनी वीजा और कांसुल सेवाएं भी रोक दी हैं। सेवाएं केवल दिल्ली स्थित कनाडाई उच्चायोग में

उपलब्ध होंगी। खालिस्तानी आतंकवादी हरीदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर भारत के साथ जारी राजनयिक विवाद के बीच कनाडा ने ये फैसला लिया है। इससे पहले कनाडा ने कहा था कि भारतीयों को उसके देश का वीजा मिलने में देरी हो सकती है। इसके पीछे कनाडा ने भारत के एक फैसले को वजह बताया है।

चुनाव एक साथ कराने के लिए विभिन्न विधानसभा चुनावों को समन्वित करने के लिए आयोग विधानसभाओं के कार्यकाल को कम करने या बढ़ाने का सुझाव दे सकता है। यह सुनिश्चित करने के लिए एक तंत्र तैयार किया जा रहा है कि एक बार लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ होने के

के 90 अफसरों में सिर्फ 3 अफसर ओबीसी वर्ग के हैं, जो देश का केवल 5 प्रतिशत बजट कंट्रोल करते हैं। क्या देश में ओबीसी की अबादी सिर्फ 5 फीसदी है। मोदी आपको ये सच्चाई नहीं बताना चाहते हैं, क्योंकि वह आपकी जेब से पैसा निकालकर अडानी जैसे लोगों की जेब में डालते हैं।

अब फेमटो सेकेण्ड लेजर - विट्स से मोतियाबिंद ऑपरेशन नया युग

आधुनिक नेत्र चिकित्सा ब्लेड फ्री, दर्द रहित, बिना इंजेक्शन, बिना पट्टी, बिना भर्ती, कुछ ही मिनटों में उपचार वापस अपने काम पर

डॉ. पवन स्थापक-सीधा संपर्क/ जांच एवं ऑपरेशन मोबाईल-9754601010, 9516244894

जनज्योति सुपर स्पेशलिटी आई हॉस्पिटल, गोलबाजार, जबलपुर

A.P.N. C.B.S.E. SENIOR SECONDARY SCHOOL
Affiliation No.: 1031302
School No.: 51319
An English Medium Co-educational School

ADMISSIONS OPEN
Class: Nursery 12th
(Science, Commerce & Humanities)

Call us: 0761-2676370, 9826587200
Sadar, Jabalpur Cantt, Web: www.apncbseschool.com
E-mail: apncbseschool@gmail.com

मिशन अंतरिक्ष में एक और कीर्तिमान की तैयारी गगनयान मिशन का पहला परीक्षण आज

श्रीहरिकोटा। अंतरिक्ष के क्षेत्र में एक से एक कीर्तिमान रचने के बाद भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) एक और करिश्मा करने जा रहा है। इसरो गगनयान मिशन के जरिए अंतरिक्ष में इंसानों को भेजने वाला है। इसके लिए इसरो गगनयान मिशन की टेस्टिंग करने जा रहा है। गगनयान के जरिए 3 सदस्यीय दल को एक मिशन पर 400 किलोमीटर की कक्षा में भेजा जाएगा। यह मिशन तीन दिनों तक चलेगा और फिर क्रू मेंबर को सुरक्षित रूप से वापस लाया जाएगा। इस मिशन की लैंडिंग समुद्र के पानी में की जाएगी। गगनयान मिशन से पहले टेस्ट किए जाने की प्रक्रिया की जा रही है, जिसकी 12.5 घंटे की उलटी गिनती शुक्रवार शाम 7.30 बजे आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित शार क्षेत्र में शुरू होगी। इसरो के सूत्रों ने कहा कि छोटी अवधि के मिशन का प्रक्षेपण शनिवार सुबह आठ बजे प्रथम लॉन्च पैड से होगा और पूरा मिशन 531 सेकंड (लगभग नौ मिनट) तक चलेगा। यह उड़ान परीक्षण समग्र गगनयान कार्यक्रम में एक प्रमुख मील का पत्थर साबित होगा।

कहां देख पाएंगे यह ट्रायल-इस टेस्टिंग का टेलीकास्ट आधिकारिक वेबसाइट, यूट्यूब चैनल और फेसबुक पेज पर लाइव स्ट्रीम किया जाएगा। राष्ट्रीय प्रसारक दूरदर्शन भी इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण करेगा। इसरो के मुताबिक, लॉन्च वाले दिन लाइव प्रसारण सुबह 7.30 बजे शुरू होगा।

कैसे की जाएगी टेस्टिंग-इसरो ने कहा पहले लॉन्च पैड से उड़ान भरने से लेकर श्रीहरिकोटा से लगभग 10 किलोमीटर दूर समुद्र में पैराशूट की तैनाती के साथ क्रू मांड्यूल के उतरने तक का पूरा उड़ान क्रम 531 सेकंड तक चलेगा। इसरो के मुताबिक, उड़ान भरने के लगभग 60 सेकंड बाद परीक्षण वाहन- क्यू एस्क्रेप सिस्टम के साथ 11.7 किमी की ऊंचाई पर वाहन से अलग हो जाएगा और अगले 30 सेकंड बाद सीएम-सीईएस 148.7 मीटर/सेकंड के वेग से 16.7 किमी की ऊंचाई पर अलग हो जाएगा। जब प्रक्रिया लगभग 9 मिनट में पूरी होगी।

देश-विदेश



इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी अपने पार्टनर से हुई अलग

नई दिल्ली। इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी अपने साथी एंड्रिया जियाम्ब्रोने से अलग हो गई हैं। जियोर्जिया मेलोनी ने शुक्रवार को कहा कि वह अपने पत्रकार साथी एंड्रिया जियाम्ब्रोने से अलग हो गई हैं। मेलोनी ने एक्स पर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किया कि एंड्रिया के साथ मेरा रिश्ता यहीं खत्म हो गया। मेलोनी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किया कि एंड्रिया जियाम्ब्रोने के साथ मेरा रिश्ता यहीं खत्म हो गया। हम लगभग 10 साल तक साथ रहे। 46 साल की इतालवी प्रधानमंत्री ने कहा कि - कुछ समय से हमारे रिश्ते अलग हो गए हैं। ऐसे में अब इसे स्वीकार करने का समय आ गया है। मेलोनी ने लिखा, मैं एक साथ बिताए शानदार वर्षों के लिए, जिन कठिनाइयों से हम गुजरे और मुझे मेरे जीवन की सबसे महत्वपूर्ण चीज, जो कि हमारी बेटी जिनेवरा है, देने के लिए मैं उन्हें धन्यवाद देती हूँ।

भारत-कनाडा राजनयिक विवाद पर बोले बागची

समानता के लिए हमने सही कदम उठाए

नई दिल्ली (एजेंसियां)। भारत और कनाडा के बीच विवाद थम नहीं रहा है। खालिस्तानी आतंकवादी निम्नज की हत्या में भारतीय खुफिया एजेंसियों के शामिल होने के आरोप के बाद से ही भारत-कनाडा के बीच राजनयिक रिश्तों में दारा पड़ गई है। आरोप-प्रत्यारोप के बीच भारत ने कनाडा के आरोपों को बेबुनियाद बताया। साथ ही भारत ने कनाडा पर कई कठोर प्रतिबंध लगा दिए। भारत ने तय मानकों से ज्यादा देश में कनाडाई राजनयिक उपस्थिति पर सवाल खड़े करते हुए उन्हें संख्या घटाने की चेतावनी दी थी। जिसके बाद से ही दोनों देशों में दरार ज्यादा बढ़ गई। शुक्रवार को विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर मामले पर बयान जारी किया। विदेश

मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि हमने भारत में कनाडाई राजनयिक उपस्थिति के संबंध में कनाडा सरकार का गुरुवार को दिए गए बयान के देखा। भारत में कनाडाई राजनयिकों की बहुत अधिक संख्या है, यहां तक कि हमारे देश के आंतरिक मामलों में हमेशा से उनका हस्तक्षेप रहा है। नई दिल्ली और ओटावा में आपसी राजनयिक उपस्थिति में समानता की गारंटी है। इसे लागू करने के लिए हम लगातार कनाडा के साथ जुड़े रहे। हमारे द्वारा समानता को लागू करने के लिए उठाए गए सभी

कदम सही हैं। **विनया कन्वेंशन का अनुच्छेद 11.1 का किया जिक्र**-विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान में विनया कन्वेंशन का अनुच्छेद 11.1 का भी जिक्र किया गया। अनुच्छेद का जिक्र करते हुए कहा कि मिशन के आकार के बारे में विशिष्ट समझौते की अनुपस्थिति में प्राप्तकर्ता राज्य को यह आवश्यकता हो सकती है कि राजनयिकों का आकार उसके द्वारा मानी जाने वाली सीमा के भीतर रखा जाए। प्राप्तकर्ता राज्य की परिस्थितियों शर्तों तथा विशेष मिशन की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उचित और सामान्य है। वहीं विदेश मंत्रालय ने सख्त लहजे में कहा कि हम पूरी तरह से कनाडा द्वारा लगाए गए आरोपों को अस्वीकार करते हैं।

-भारत ने कनाडा के आरोपों को बताया बेबुनियाद

मानहानि मामले से हटे महुआ मोइत्रा के वकील

नई दिल्ली, देशबन्धु। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा द्वारा भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और सुप्रीम कोर्ट के वकील जय अनंत देहादराई के खिलाफ दायर किए गए मानहानि मामले पर शुक्रवार को दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान वकील जय अनंत देहादराई ने आरोप लगाया कि महुआ मोइत्रा के वकील गोपाल शंकर नारायणन ने गुरुवार को उनसे संपर्क कर मोइत्रा के खिलाफ दर्ज शिकायत को वापस लेने को कहा था। देहादराई ने दावा किया कि उनके पास उनके और शंकर नारायणन के बीच हुई बातचीत की रिकॉर्डिंग भी है। देहादराई ने हितों के टकराव का आरोप लगाकर वकील शंकर नारायणन को सुनवाई से हटाने की अपील की। पैसा लेकर संसद में सवाल पूछने के आरोपों से घिरी और कारोबारी दर्शन हीरानंदानी के सरकारी गवाह बनने व लोकसभा की आचार समिति को हलफनामा देने के बाद टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा का भी जवाब सामने आया है। आरोपों को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि वे सीबीआई व लोकसभा की आचार समिति के सामने सवालों का जवाब देने के लिए तैयार है। महुआ की सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर यह टिप्पणी हीरानंदानी समूह के सीईओ दर्शन हीरानंदानी के द्वारा लोकसभा की

दर्शन हीरानंदानी ने आचार समिति को सौंपा हलफनामा
पैसा लेकर सवाल पूछने के मामले में टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ उद्योगपति दर्शन हीरानंदानी का हलफनामा सामने आ जाने के बाद राजनीतिक सर्गमी बढ़ गई है। उपर लोकसभा की आचार समिति ने इस मामले में सुनवाई तोज कर दी है। मामले में मोइत्रा की परेशानी बढ़ सकती है। समिति ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा है कि उसे हीरानंदानी का शपथपत्र मिल गया है। जिसमें स्वीकार किया गया है कि सदन में सवाल पूछने के बदले महुआ को मंथो उपहार व नकद दिए गए। आचार समिति के प्रमुख विनोद सोनकर ने बताया कि उन्हें दर्शन हीरानंदानी का हलफनामा मिला है। समिति अब इस मामले की सुनवाई 26 अक्टूबर को करेगी।

आचार समिति को दिए एक हलफनामों दावा किए जाने के एक दिन बाद आई है, जिसमें स्वीकार किया है कि उन्होंने अपना संसद लॉगिन और पासवर्ड दिया था, ताकि वह उनकी ओर से सीधे प्रश्न पोस्ट कर सकें। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि इस मामले में सीबीआई और आचार समिति जिसमें भाजपा सदस्यों का बहुमत है, को सवालों के जवाब देने के का स्वागत करती हैं, अगर वे उन्हें बुलाते हैं।

पाकिस्तान से 24 साल पहले भारत आया शख्स जासूसी केस में गिरफ्तार

अहमदाबाद। गुजरात एटीएस ने तारापुर से एक पाकिस्तानी जासूसी एजेंट को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार के बाद राज उलवावने के लिए उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस के मुताबिक आरोपी लासिकर माहेश्री मूल रूप से पाकिस्तानी हिंदू हैं। जो फर्टिलिटी इलाज के लिए

अपनी पत्नी के साथ 1999 में भारत आया था। शुरूआत में वह तारापुर में अपने समुलाल में रहा। उसने वहां कई दुकानें खोलीं और उसका अच्छा खासा कारोबार हो गया। भारत में लासिकर 2006 में नागरिकता मिल गई। इसके बाद वह 2022 की शुरुआत में अपने माता-पिता से मिलने पाकिस्तान गया। कश्चित तौर पर वहां वीजा प्रक्रिया और अपने माता-पिता के घर पर डेढ़ महीने रहने के दौरान उसका ब्रेनवाश किया गया। तभी से वह पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी



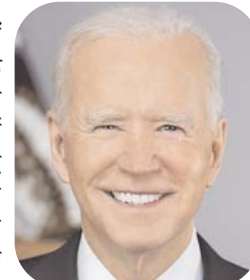
मिल चुकी थी भारतीय नागरिकता
मुताबिक एक व्हाट्सएप नंबर के जरिए सुरक्षा बलों के जवानों के एंड्रॉइड मोबाइल हैंडसेट में 15 आगस्ट के पहले हर चरित्रा अभियान के नाम पर एपीके एंड्रॉइड एप्लिकेशन डाउनलोड करने का मैसेज आया था। इसके अलावा उन नंबरों पर आर्मी स्कूलों के अफसर बनकर ये भी मैसेज किया गया कि अभी लोग अपने

बच्चे के साथ राष्ट्रीय ध्वज की तस्वीर अपलोड करें। लांच में पता चला की आरोपी लाभसकर महेश्री ने ये भारतीय नंबर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी को उपलब्ध कराया गया था। आरोपी के मोबाइल की फॉरेंसिक जांच से पता चला की इस वॉट्सएप नंबर का इस्तेमाल पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के लोग कर रहे थे और सुरक्षा में तैनात जवानों के मोबाइल से खुफिया जानकारी हासिल करने के लिए उनके मोबाइल को हैक कर रहे थे। ये भी

शक है कि पाकिस्तानी एजेंसी आर्मी पब्लिक स्कूल (एपीएस) की वेबसाइट या एंड्रॉइड एप्लिकेशन डिजीकेप्स जिसका उपयोग फीस जमा करने के लिए किया जाता है। उसके जरिए एपीएस के छात्रों और उनसे अभिभावकों से जुड़ी जानकारी हासिल करने में कामयाब रही है। एपीएस वे स्कूल हैं, जो भारतीय सेना के सहयोग से एक निजी संस्था आर्मी वेलफेयर एजुकेशन सोसाइटी के अंतर्गत आते हैं।

हमास-पुतिन पर बाइडन का बड़ा हमला, बोले- दोनों ही लोकतंत्र के दुश्मन

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने ओवल ऑफिस से राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा कि हमास और रूस दोनों लोकतंत्र को नष्ट करने पर तुले हैं। साथ ही उन्होंने यूक्रेन और इस्राइल को अमेरिका के हितों के लिए महत्वपूर्ण बताया और दोनों देशों को सहायता देने पर बात की। बाइडन ने कहा, हमास और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अलग-अलग खतरों का प्रतिनिधित्व करते हैं, लेकिन उनकी मंशा एक जैसी है- दोनों अपने पड़ोसी लोकतंत्र को पूरी तरह से नष्ट करना चाहते हैं।



टेलीविजन पर अपने संबोधन में बाइडन ने कहा कि अमेरिका एक महान राष्ट्र के रूप में अपनी जिम्मेदारी के तौर पर इस तर्फ के पक्षपातपूर्ण हितों को नहीं देखेगा। हम हमास जैसे आतंकवादियों और पुतिन जैसे तानाशाहों को जीतने नहीं दे सकते और न ही ऐसा होने देंगे।

इस्राइल-हमास युद्ध को लेकर बाइडन ने कहा कि राष्ट्रपति के रूप में उनके लिए आतंकियों द्वारा बंधक बनाए गए अमेरिकियों की सुरक्षा से बढ़कर कोई प्राथमिकता नहीं है। इस्राइल में उन्होंने ऐसे लोगों को देखा, जो सदमे और गहरे दर्द के साथ-साथ गुस्से में भी हैं। उन्होंने कहा, मैं फलस्तीनी प्राधिकरण के राष्ट्रपति अब्बास से भी बात की और दोहराया कि अमेरिका फलस्तीनी लोगों के सम्मान और आत्मनिर्णय के अधिकार के लिए प्रतिबद्ध है। राष्ट्रपति बाइडन ने कहा कि अन्य लोगों की तरह वह फलस्तीनी नागरिकों की मौत से दुखी हैं। खासकर गाजा के अस्पताल में विस्फोट से हुई दुखद मौतों से, जिसमें इस्राइल का हाथ नहीं है। हमें हर निर्दोष की मौत पर दुख होता है।

मध्य पूर्व के लिए बेहतर भविष्य बनाने के लिए काम कर रहे-अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि ईरान यूक्रेन में रूस का समर्थन कर रहा है। साथ ही मध्य पूर्व क्षेत्र में हमास और अन्य आतंकवादी समूहों को ईरान का समर्थन हासिल है। इसलिए उसे जवाबदेह ठहराना जरूरी है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और क्षेत्र में हमारे साझेदार देश मध्य पूर्व के लिए बेहतर भविष्य बनाने के लिए काम कर रहे हैं।

प्रथम पृष्ठ का ग्रेष

मजदूर को देना....

करने से न रोका जाए। यह फैसला एक शीर्ष अधिकारी ने अपने एक बेहद अहम आदेश में कहा कि सरकारी अर्थारिती को यह तय करना होगा कि इस तरह की घटना न हो और इस तरह के मामले की निगरानी से हाई कोर्ट को नहीं रोका जा सकता है। 13 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा था कि वह देश भर के राज्यों के सेक्रेटरी के साथ मॉटिंग करे और हाथों से मैले की सफाई रोकने को लेकर तमाम पहलुओं पर बातचीत करे। मैनुअल स्कर्वेजर्स (हाथ से मैले की सफाई) को रोकने के लिए कोर्ट ने जल्द से जल्द कदम उठाने को कहा था। सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर हाथ से मैले की सफाई रोकने के लिए अर्जी दाखिल कर हाथ से मैले की सफाई रोकने के लिए अर्जी दाखिल कर हाथ से मैले की सफाई रोकने से कड़ा था कि वह बताए कि इस मामले में बने 2013 के कानून को लागू करने के लिए क्या कदम उठाए हैं। कोर्ट ने कहा था कि केंद्र बताए कि 2014 के सुप्रीम कोर्ट के जजमेंट के तहत जारी गाइडलाइन्स को लागू करने के लिए क्या कदम उठाए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 2014 में एक ऐतिहासिक फैसले में हाथ से मैले की सफाई रोकने के लिए तमाम निर्देश जारी किए थे। साथ ही कहा था कि सीवर की खतरनाक सफाई के लिए किसी मजदूर को न लगाया जाए। बिना सेप्टी के सीवर लाइन में मजदूर को न उतारा जाए। कानून का उल्लंघन करने वालों को सख्त सजा का भी प्रावधान किया गया था।

पश्चिम मध्य रेल

ई-निविदा सूचना, विद्युत विभाग (कॉर्प-वितरण) जबलपुर, एन.आई.टी. नं. टीआरबी-जबल-2x25kV-2023-T-01 दिनांक: 19.10.2023

वॉरि मंडल विद्युत इंजीनियर / कॉर्प - वितरण / पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर भारत संघ के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य करने के लिए अनुभवी ठेकेदारों से मुहुरबन्द निविदाओं आमंत्रित करने हैं। ठेकेदारों के पास राज्य सरकार द्वारा जारी विद्युत लायसेंस (फर्म के नाम से या फर्म के किसी पार्टनर के नाम से या स्वयं के नाम में यदि सोल प्रोपराइट्टर हो) आई ई.नि.यम 1956 के अनुसार होना चाहिए। कार्य का नाम: 1x25 कवी से 2x25 कवी ट्रेक्शन सिस्टम के अपग्रेडेशन कार्य के डिजाइन/संशोधन, आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण और कमीशनिंग, जिसमें अप और डाउन ट्रेक के साथ एल्यूमीनियम फीडर तार और मुख्य अप और डाउन ट्रेक के साथ एड्स और बोर्ड्स भी शामिल है। 3000 मीट्रिक टन लोडिंग लथ्व को पूरा करने के लिए जबलपुर डिवीजन पश्चिम मध्य रेलवे के कटनी - सिंगरौली सेक्शन के बीच न्यू कटनी जंक्शन पीटीएफ.ए. (सहित) (किमी. 1089 / 17, 18 से 1162 / 37, 38) तक। कार्य स्थल: जबलपुर मण्डल, (कॉर्ड की अवधि: 18 माह, कार्य की कीमत (हैडर वेल्थ): रुपये 49,29,86,265. 02/-) (रुपये उन्नास करोड़ उन्तीस लाख छियासी हजार दो सौ पैंस और दो पैसे मात्र), बयाना राशि: रुपये 26,14,90,00 /- , निविदा जमा करने / खुलने की अंतिम तिथि एवं समय: 24.11.2023, 15:00 बजे / 24.11.2023, 15:30 बजे, निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी देखें वेबसाइट: <https://www.ireps.gov.in> निविदाकर्ता अपनी निविदाएं आई आर ई पी ए की माध्यम से <https://www.ireps.gov.in> पर ऑन लाइन निविदा करें। निविदाकर्ताओं से अनुरोध है कि वे समय समय पर बदलाव वाले फाइल पत्रों हेतु IRMSY की वेबसाइट <https://www.ireps.gov.in> देखें एवं न्यूनतम पारदा मान डेड एंडरस फार्म के अनुसार और ज्वॉइंट वेनर व साझेदारी इस निविदा के लिए लागू होगा।

वॉरि में हि.इंजी./कटि. पश्चिम मध्य रेलवे/जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

पश्चिम मध्य रेल

खुली निविदा, यॉंत्रिक शाखा सिंगल पैकेट सिस्टम, टेण्डर नोटिस संख्या : जबल-यॉ-टेण्डर-25-2023, दिनांक: 18.10.2023

निम्नलिखित कार्य के लिये ई-निविदा भारत संघ के राष्ट्रपति के पक्ष में वरिष्ठ मंडल यॉंत्रिक इंजीनियर (यॉंत्रिक), मंडल रेल प्रबंधक (यॉंत्रिक), पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर के द्वारा आमंत्रित की जाती है। निविदा सूचना क्रमांक: JBP-M-Tender-25-2023, dated: 18.10.2023, कार्य का नाम लोकेशन सहित: 24 माह की वारंटी के सहित पाँच हॉट एक्सल बॉक्स हॉट व्हील डिटेक्टर (HAHW) की आपूर्ति, स्थापना और कमीशनिंग जबलपुर मंडल के खंड BNU-KYX (UP Main Line), GW-LDA (UP Main Line), BOQ-RITHI (DN Main Line), PWK-SLHA (DN Main Line), एवं JOBA-MWJ (DN Main Line) पर ठेका कार्य हेतु। कार्य का अनुमानित मूल्य रुपये में: Rs. 26921700.00, बयाना राशि रुपये में: Rs. 2846600.00, टेण्डर फॉर्म कीमत रुपये में: Rs. 00.00, समापन अवधि: 6 माह, निविदा करने की अंतिम तिथि एवं समय: 14.11.2023 Upto 15.00 Hrs., निविदा खुलने की तिथि एवं समय: 14.11.2023 at 15.30 Hrs., उपरोक्त ई-निविदा की संपूर्ण जानकारी वेब साईट <https://ireps.gov.in> पर उपलब्ध है एवं किसी पूर्ण जानकारी मंडल रेल प्रबंधक (यॉंत्रिक) कार्यालय, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर चस्पा की गई है। ई-निविदा के अलावा उपरोक्त कार्य के लिये कोई भी निविदा स्वीकृत की जायेगी। मंडल रेल प्रबंधक (यॉंत्रिक) पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

न्यायालय, पंजीक, लोक न्याय एवं अनुविभाग-गोरखपुर, जबलपुर

र.प्र.क्र./...-113(2)/2023-24
प्रतिभाषणीय, जबलपुर
द्वारा- ब्रम्हचारीजी नीज जीन पिता श्री नरेंद्र कुमार जो काला निवासी- ज्ञानोदर विद्यापीठ, तिलवारागढ़, जबलपुर।
.....आवेदक
म.प्र. शासनअनुवेदक

- इशतहार एवं आम सूचना -

प्रतिभाषणीय डेट्ट, जबलपुर द्वारा ब्रम्हचारीजी नीज जीन पिता श्री नरेंद्र कुमार जो काला, निवासी-ज्ञानोदर विद्यापीठ, तिलवारागढ़ जबलपुर, द्वारा म.प्र. लोक न्याय अधिनियम 1951 को निवासी धारा-25 के अधिन इस आदेश का आवेदन पर पत्र किया है कि प्रतिभाषणीय डेट्ट, कानून एक रजिस्टर्ड न्याय है जिसका प्रारम्भ 20/08/2022 को किया गया। इससे पूर्व 09/10/2024-2025 तक प्रतिभाषणीय डेट्ट की शर्तों में 16/08/2022 दिनांक 18/08/2022 व दिनांक 20/08/2022 में प्रतिभाषणीय के अनुसार कनका- (1), ब्रम्हचारीजी सुभाष जीन, पिता श्री मूलनाथ जी जीन (2), ब्रम्हचारीजी उदय शर्मा, पिता श्री नरेश शांतिलाल जी जीन (3), ब्रम्हचारीजी रमणी जीन पिता श्री निर्मलचंद जी जीन (4), ब्रम्हचारीजी राजेश जीन पिता श्री निर्मलचंद जी जीन की प्रतिभाषणीय डेट्ट में नवीन न्यासी के रूप में नामित किया गया है। उक्त नवीन न्यासी का नाम न्याय पंजी में दर्ज कराने के आदेश से एक आवेदन प्रस्तुत किया गया है। अतः उपरोक्त से संबंधित हितवन् व्यक्तियों एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि उक्त आवेदन पर सामान्यतः न्यायिक प्रक्रिया में प्रतीति 22 नवम्बर 2023 को विचार के लिए निर्यात है कोई भी व्यक्ति / संस्था उक्त न्याय व संघर्ष में हित रखता हो और उसके बारे में कोई आपत्ति प्रस्तुत करने या सुझाव देने का विचार रखता हो उसे इस सूचना के प्रकाशन दिनांक से एक माह के भीतर दो प्रतियों में लिखित करण / दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है, अथवा उक्त निरत दिनांक को न्यायालय में भेरे सम्बन्ध न्याय व अपने अधिभाषक व अधिकारियों के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत करे। उपरोक्त अधिभाषक की समति के परचम प्राप्त आशुनिता / वॉरि / सुझाव पर कोई विचार के लिए ज्ञात नहीं किया जायेगा।

आपत्ति दिनांक को भेरे हस्तक्षर एवं न्यायालय को पहुंचावे से सारी।
आपत्ति दिनांक: 18/10/2023/
पेशी दिनांक - 22/11/2023
(श्री पंकेज मिश्रा)
पंजीक लोक न्याय एवं अनुविभागीय अधिकारी, अनुविभाग गोरखपुर जबलपुर
र.नं. 1454

अस्पताल के बाद चर्च पर हमले से दहला गाजा

नई दिल्ली। इसराइल और हमास के बीच पिछले 14 दिनों से जारी जंग लगातार तेज होती दिखाई दे रही है। इस वजह से गाजा के लाखों लोगों का जीवन संकट में पड़ गया है। यहां अस्पताल के बाद एक चर्च को गुरुवार को निशाना बनाया गया। मीडिया खबरों के अनुसार, जिस चर्च पर हमला हुआ है वो गाजा के अल-जायदीन इलाके में स्थित है और इसका नाम सेंट पॉर्फिरियस है। यह दुनिया का तीसरा सबसे पुराना चर्च है। दावा किया जा रहा है हमले के वक्त चर्च में ईसाई और मुस्लिम समुदाय के लोगों ने शरण ले रखी थी।



न्यायालय नाबू तहसीलदार गोरखपुर जबलपुर रा.प्र.क्र./...-089/36/2023-24 // इशतहार //
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/ बर्साव्यक्ति के एम.सी. रॉय पति स्व. श्री चन्द्रशेखर राय, निवासी-8, मोदी कॉलोनी, टैंगर नगर, खरौली, जबलपुर म.प्र. के द्वारा मोदी की-ऑपरटिव हाउसिंग सोसायटी का प्लॉट नं. 8 रकबा 4800 वर्गफुट तथा मौजा कटगा-रामपुर नं. 01 प.ह.नं. 28, नव.6, र.नि.मं. जबलपुर-1 गह. व फलित जबलपुर स्थित ले-आउट प्लॉट नं. 10 एवं नं. 13 रकबा 3895 वर्गफुट इस तरह कुल प्लॉट रकबा 6195 वर्गफुट जिसका डाकबयान प्लॉट नं. 131 एवं 2 तथा डाकबयान सीट नं. 249/1 एवं 251/3 का भाग सिस्का नामांतरण उपरत परचारी वनं. 29/2/च के भाग पर निर्मित एस. स्वभाकर आर्यवंशी नं. 28 मंजिल पर स्थित इकाई नं. 08 जिसका क्लियर रकबा 180 वर्गफुट है जिसका अधिभाषण रकबा 36 वर्गफुट भूमि की बर्साव्यक्ति प्रिनक 14/12/2021 में माध्यम से बर्साव्यक्ति श्री चंद्रशेखर राय पति श्री के. सुधावत्य, निवासी 8, मोदी कॉलोनी, टैंगर नगर, न्यायवाट रोड, जबलपुर से बर्साव्यक्ति/ बर्साव्यक्ति/ हस्तारोपण पर/ पौबी/ हकनामा पर/ दान पर एवं नक्शा बटवां की छायाप्राप्ति संलग्न कर आवेदन पर प्रस्तुत किया है। अतः उपरोक्त नामांतरण स्वीकृत किया जाने में यदि किसी व्यक्ति/ संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी लिखित आपत्ति पेशी दिनांक 26/10/2023 तक स्वयं अथवा अपने विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर पेश कर सकते हैं। सम्भावित पश्चात् प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। न्यायालय की सुनवाई एवं भेरे हस्तक्षर से आशु दिनांक 06/10/2023 को जारी।

आम सूचना

में AARNA SADANI W/O BHARAT SADANI एवं युक्ति करता हूँ कि मेरे पासपोर्ट नंबर M4885366 जारी दिनांक 13/01/2015 वैधता दिनांक 12/01/2025 में भंग नाम AASHTRA RAMANI D/O VIJAY RAMANI लिखा हुआ है, जिसे विवाह के बाद बदलकर मैंने अपना नाम AARNA SADANI W/O BHARAT SADANI रख लिया है, जो कि मेरे आधार कार्ड, पैन कार्ड, एवं बैंक पासबुक आदि में लिखा हुआ है।
अतः मेरे नाम के AARNA SADANI ही पढ़ा लिखा एवं समझा जावे।
विवाह पूर्व नाम - AASHTRA RAMANI
वर्तमान नाम - AARNA SADANI
पता - HIG-10, JDA COLONY, KATANGA, NEAR BHARAM KUMARI ASHRAM, JABALPUR (M.P.) PIN - 482001
र.नं. 1453

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, भेड़ाघाट रोड, धनवती नगर, जबलपुर (म.प्र.) पिन-482003

भारत लीज हस्तारोपण/नामांतरण हेतु सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ट्रांसपोर्टनगर महाराजपुर जबलपुर में मकान भूखण्ड के. एस. एच. 07 श्री राशिद हक पति श्री मोहम्मद करमरु हक के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 05.05.2011 को आवंटनी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्री राशिद हक ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 26.05.2022 के माध्यम से श्री शेख मोनुद्दीन पिता श्री शेख यासीन को विक्रय किया है श्री शेख मोनुद्दीन एवं उक्त भवन के भूखण्ड के. एस.एस. 07 उनके नाम लीज हस्तारोपण हेतु दस्तावेज / आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति/ संस्था को उपरोक्त लीज हस्तारोपण/ नामांतरण बाबत आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैध आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निष्पादित अधिभू / नामांतरण के कार्यावाही कर दी जायेगी। जिस पर किसी को कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
समय अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर
र.नं. 1457

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, भेड़ाघाट रोड, धनवती नगर, जबलपुर (म.प्र.) पिन-482003

भारत लीज हस्तारोपण/नामांतरण हेतु सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ट्रांसपोर्टनगर महाराजपुर कालोनी जबलपुर में स्थित बर्साव्यक्ति भूखण्ड क्रमांक जी- 47 श्रीमति अफसर बेगम पति श्री गो. इकबाल शेरक के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 17.07.2009 को आवंटनी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्री कृष्णा कुमार शर्मा ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 17.08.2023 के माध्यम से श्री शिव कुमार जंजोला पिता श्री लालामन जंजोला को विक्रय किया है श्री शिव कुमार जंजोला एवं उक्त भवन क्र. एम.आ.जी. 170 उनके नाम लीज हस्तारोपण हेतु दस्तावेज / आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति/ संस्था को उपरोक्त लीज हस्तारोपण बाबत आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैध आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निष्पादित अधिभू / नामांतरण के कार्यावाही की जायेगी एवं अधिभू में किसी भी प्रकार को कोई आपत्ति / दावा मान्य नहीं होगी।
समय अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर
र.नं. 1457

कार्यालय संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, जबलपुर

भवन नामांतरण हेतु सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल द्वारा निर्मित कौचकर कालोनी जबलपुर स्थित भवन क्रमांक B-23 श्री बाल कृष्ण पिछे की श्री भास्कर पिछे को आवंटित है। आवंटनी श्री बाल कृष्ण पिछे पिता श्री भास्कर पिछे के प्राच आवेदन एवं निर्धारित दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन श्री सदीप परेठिया पिता श्री लक्ष्मी शंकर परेठिया के नाम नामांतरण किया जायेगा। आवंटनी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्री कृष्णा कुमार शर्मा ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 17.08.2023 के माध्यम से श्री शिव कुमार जंजोला पिता श्री लालामन जंजोला को विक्रय किया है श्री शिव कुमार जंजोला एवं उक्त भवन क्र. एम.आ.जी. 170 उनके नाम लीज हस्तारोपण हेतु दस्तावेज / आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति/ संस्था को उपरोक्त लीज हस्तारोपण बाबत आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैध आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निष्पादित अधिभू / नामांतरण के कार्यावाही की जायेगी एवं अधिभू में किसी भी प्रकार को कोई आपत्ति / दावा मान्य नहीं होगी।
समय अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर
र.नं. 1457

आम सूचना

मं अपने पक्षकार श्री आनंद कुमार शुक्ला पिता स्व. नारायण प्रसाद शुक्ला निवासी- म.नं. 870 शांति नगर, जबलपुर को निदेशानुसार सर्वसाधारण को सूचित करता हूँ कि मेरे पक्षकार के बड़े पुत्र वि. हिमाशु शुक्ला का फैमिली कोर्ट केस चल रहा है। मेरे पक्षकार एक युद्ध 72 वर्षीय वरिष्ठ नागरिक हैं उनका एवं उनके परिवार से पुत्र हिमाशु से कथब 3-4 वर्षों से किसी भी तरह का संपर्क, संबंध नहीं है और न कोई अन्य जानकारी है। चूंकि मेरे पक्षकार द्वारा एवं उनके परिवार द्वारा चल अचल संपत्ति, एवं शरीर से बेदखल कर नेटोरी प्रचन द्वारा सूचित किया गया है। अतः उन्हें अदालत एवं निर्धारित दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन श्री सदीप परेठिया पिता श्री लक्ष्मी शंकर परेठिया पिता श्री लक्ष्मी शंकर परेठिया के नाम हस्तारोपण कार्यावाही को जायेगी एवं अधिभू में किसी भी प्रकार को कोई आपत्ति / दावा मान्य नहीं होगी।
समय अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर
र.नं. 1457

शनिवार को कैरो में शांति शिखर बैठक है। इस बैठक में फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास, बहरीन के किंग हमद बिन ईसा अल खलीफा, कुवैत के क्राउन प्रिंस शेख मिसाल अल-अहमद, ग्रीस के प्रधानमंत्री किरियाकोस मिस्तोटाकिस और इतालवी प्रधानमंत्री जिओर्जिया मेलोनी भी भाग लेंगे। फ्रांसीसी विदेश मंत्री कैथरीन कोलोना, यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल ने भी अपनी उपस्थिति की पुष्टि की है। मगर, सवाल है कि ऐसी बैठक में पीएम मोदी की उपस्थिति क्यों नहीं है?

अभिमत

विश्व गुरू शांति प्रयास में पीछे क्यों रह गये?



पुष्परंजन

घृष्टत जो बाइडेन कम्प्यूड हैं। हमस के हमले के समय बयान देते रहे कि हम नेतन्याहू के साथ हैं। अब बोले कि जिस तरह का हमला गाजा में हुआ, उसकी पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए। भारत की तरह अमेरिका में भी 2024 में चुनाव है। फ्रक इतना भर है कि जिस तरह भारत में इस समय पांच राज्यों में चुनाव है, अमेरिका उस तरह से दो-चार नहीं है। वहां एक राउंड में ही फाइनेल चुनाव है। भारत में फाइनेल से पहले कई सेमीफाइनल हैं। पीएम मोदी इस समय पांच राज्यों में आहुत सेमीफाइनल की व्यूह रचना में खुद इतना उलझ गये कि सांस लेने तक की फुर्सत नहीं है। संभवतः यही विश्वास है कि पीएम मोदी मध्यपूर्व में शांति के लिए लौट नहीं ले रहे हैं।

लेकिन जो बाइडेन की घरेलू राजनीति में इस समय इज़राइल चर्चा है। उन्हें साबित करना है कि वो एक सक्षम नेता हैं। मगर, बाइडेन शांति स्थाना से अधिक आग लगाने में माहिर दीखने लगे। अपने घर की समस्याओं को अड़स करने में विफल जो बाइडेन एक युद्धकालीन नेता की तरह अचानक से सक्रिय हुए हैं। बावजूद इसके, प्रतिद्वंद्वी रिपब्लिकंस ने 80 साल के जो बाइडेन को एक कमजोर, शिथिल और ढीले-ढाले नेता के रूप में उनकी छवि गढ़ने में सफलता प्राप्त की है।

ठीक से देखा जाए तो हर आम चुनाव से कुछ महीने या साल पहले किसी दूसरे ज़मीन पर युद्ध की स्थिति बनती है, और अमेरिका में सत्ता और विपक्ष अपने हिसाब से नैरेटिव गढ़ता है। सन दो हजार से पहले के कालखंड की चर्चा कभी बाद में करते हैं। मार्च 2003 में इराक युद्ध से ही इन्हें समझने का प्रयास करते हैं। तब अमेरिका में उसके अगले साल आम चुनाव था। उसके बाद, 2003 से 2011 तक इराक में युद्ध का सिलसिला चलता रहा, उन नौ वर्षों में अमेरिकी मतदाताओं और टेक्स पेयर्स की आंखों में अमेरिकी नेता धूल झंकाते रहे। 2016 में अमेरिकी आम चुनाव वाले समय सीरिया डिस्टर्ब कर दिया गया। सीरिया 2020 तक गुरुयुद्ध में उलझा रहा, इस बीच अफगानिस्तान भी एक बड़ा मोर्चा था। अमेरिकी नेता अपनी घरेलू राजनीति को युद्ध के बहाने मजबूत करते रहे।

इस बार भी विशेषज्ञों का मानना है कि 2024 के राष्ट्रपति चुनाव से पहले जो बाइडेन रिपब्लिकन की आलोचना से बचने की कोशिश कर रहे हैं। युद्धविराम के लिए दुनिया भर में बढ़ती मांग के बावजूद जो बाइडेन ने गाजा के खिलाफ जवायली सैन्य अभियान को अपना समर्थन देने के लिए इस सप्ताह इज़रायल का दौरा किया। लेकिन

जिस पैमाने पर गाजा में नरसंहार हुआ, उसे देखते हुए जो बाइडेन भी चतुर्भूत दबाव में आ गये लगता है। गुरुवार को उन्हें कहना पड़ा कि ऐसी गुलती न दोहराई जाए। ऐसे बयान का मतलब यही होता है कि मानवता के विरुद्ध इज़राइल ने अपराध किया है। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय में बेजामिन नेतन्याहू पुतिन के बाद इस कालखंड के दूसरे नेता शायद हो जाएं, जिन्हें युद्ध अपराधी घोषित कर गिरफ्तारी का वारंट जारी कर दिया जाए।

इस समय दो तीन बड़े सवाल हैं। सबसे पहला कि गाजा में फंसे बंधकों को बाहर कैसे निकाला जाए, साथ में जो स्थानीय नागरिक हैं, उन्हें आबोदाना और सुरक्षित आशियाना कैसे मुहैया कराया जाए? दो, जो कुछ फिलिस्तीन-इज़राइल के बीच हुआ, उसका डैमेज कंट्रोल कैसे हो? और तीसरा, अब्राहम अकाई का क्या होगा?

अब्राहम अकाई की चर्चा से पहले हमें इज़राइल फिलिस्तीन विवाद की टाइम लाइन को संक्षेप में समझ लेना चाहिए। वर्ष 1917 में प्रथम विश्व युद्ध के बाद ब्रिटेन ने ऑटोमन साम्राज्य से फिलिस्तीन के बड़े भूभाग को अपने कब्जे में लिया और 2 नवंबर, 1917 की बेल्फोर घोषणा के तहत यहूदियों को बसने के लिए जगह देने का अहद किया गया। नवंबर 1947 में संयुक्त राष्ट्र प्रस्ताव-181 के तहत फिलिस्तीन के इस भूभाग को यहूदी और अरब राज्य में विभाजित कर दिया गया तथा जेरूसलम को अंतरराष्ट्रीय नियंत्रण में रखा गया। इस तरह के विभाजन से पूर्वी जेरूसलम सहित वेस्ट बैंक का हिस्सा जॉर्डन के पास और गाजा पट्टी का क्षेत्र मिश्र के पास चला गया। फलस्वरूप लगभग-लगभग साठे सात लाख फिलिस्तीनी शरणार्थियों ने वेस्ट बैंक, गाजा पट्टी और दूसरे अरब देशों में जाकर शरण ली।

14 मई, 1948 को इज़राइल की स्थापना हुई, जो अरबों के लिए अस्वीकार था। 18 महीनों तक इज़राइल और अरब देशों में युद्ध चला। मध्य-पूर्व के इतिहास में 1967 का 'सिक्स डे वॉर' दर्ज है, जिसमें इज़राइल ने जॉर्डन, सीरिया और मिश्र को पराजित कर पूर्वी यरूशलेम, वेस्ट बैंक, गाजा पट्टी और गोलन पहाड़ी पर कब्जा कर लिया। उसी साल अरब देशों ने खार्तूम बैठक में तीन का प्रस्ताव पेश किया, जिसके अंतर्गत 'इज़राइल के साथ कोई शांति नहीं, इज़राइल के साथ कोई वार्ता नहीं और इज़राइल को किसी प्रकार की मान्यता नहीं' का संकल्प किया गया। यही बुनियादी कारण था कि भविष्य में युद्ध से ही सब कुछ तय करने के रास्ते खुल गये।

15 साल बाद खार्तूम प्रस्ताव को नकारते हुए 1979 में कैप डेविड समझौते के आधार पर मिश्र ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर कर इज़राइल को मान्यता दी। उसके प्रकारांतर जॉर्डन ने वर्ष 1994 में इज़राइल के साथ सुलह कर लिया। इस बीच इज़राइल और फिलिस्तीन ने 1993 और 1995 में ओस्लो समझौते पर हस्ताक्षर किए। लेकिन 2000 के दशक की शुरुआत में जब इज़रायल में विद्रोह की एक श्रृंखला शुरू हुई, तो समझौते टूट गए। 13 अगस्त 2020 को इज़राइल-यूएई के बीच शांति समझौते की घोषणा हुई, और उसके प्रकारांतर 11 सितंबर को बहरीन-इज़राइल समझौते पर हस्ताक्षर हुए। इन समझौतों में अमेरिका और सऊदी अरब को अहम भूमिका को हम नकार नहीं सकते। मिडिल-इस्ट के ये दो देश हैं, जो अमेरिका के रहमों करम पर चलते रहे हैं।

मिडिल-इस्ट मामलों के जानकारों के अनुसार, सऊदी अरब की सहमति के बगैर बहरीन इस समझौते के लिये आगे नहीं बढ़ सकता था। इसी ध्यान में रखना चाहिए कि वर्ष 2011 में बहरीन में उठे जन-विद्रोह को नियंत्रित करने के लिये सऊदी अरब ने कुवैत और यूएई के साथ अपनी सेना भेजी थी। 2018 में सऊदी अरब ने बहरीन को 10 बिलियन डॉलर की आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई थी। 15 सितंबर 2020 को अब्राहम अकाई पर हस्ताक्षर हुआ था, जिसमें हस्ताक्षर करने वालों में इज़राइल, संयुक्त अरब अमीरात और बहरीन थे। यहूदी धर्म और इस्लाम के बीच विश्वास मजबूत करने के लिए इस समझौते को अब्राहम के नाम पर रखा गया है, क्योंकि दोनों ही एकेश्वरवाद के समर्थक हैं।

इस तरह के समझौते का ही नतीजा है कि दो दिन पहले यूएई के अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि युद्ध के बावजूद अमीरात और इज़रायलियों के बीच आर्थिक संबंध जारी रहेंगे। अमीरात के विदेश व्यापार मंत्री थानी बिन अहमद अल जायदी ने कहा कि कूटनीति और कारोबार का हम मिश्रण नहीं करते। बहरीन और मिश्र भी लगभग इसी लाइन पर दौड़ रहे हैं। लेकिन इसका साइड इफेक्ट बाहर से यही समझ में आता है कि मुसलमान देश इज़राइल-फिलिस्तीन संघर्ष के सवाल पर ईरान की तरह आर या पार नहीं हैं।

2017 में प्रधानमंत्री मोदी इज़राइल गये थे, तब उनका ग्रीटिंग स्वागत हुआ था। मोदी और बीबी की दोस्ती परवान चढ़ती गई। यहां तक कि मोदी की सुरक्षा के वास्ते इज़राइल का श्वान दस्ता दिल्ली आया। भारत ने 1950 में इज़राइल को

मान्यता दी थी, और 1992 में दोनों देशों के बीच कूटनीतिक संबंध स्थापित हुए थे। 2022 में अदानी समूह और एक इज़राइली भागीदार ने हाइफा पोर्ट के लिए 1.2 बिलियन डॉलर का टेंडर जीता। कुछ महीनों से भारत-इज़राइल मुक्त व्यापार समझौते के लिए भी बातचीत चल रही है। बेशक, भारत के फिलिस्तीन व इज़राइल से संबंध जटिल हैं। भारत फिलिस्तीनियों के समर्थन में कभी-कभार अपनी पुरानी लाइन पर वापिस लौट आता है। भारत के साथ ईरान के भी मैत्रीपूर्ण संबंध हैं, लेकिन इस समय ईरान जिस इज़राइल को लालकार रहा है, उस तेवर से भारत का इत्तेफाक रखना भी सहज नहीं है।

मिश्र की भी मोदी से निकटता बढ़ी है, जहां वो जून 2023 में काहिरा गये थे। अमीरात और सऊदी अरब 1 अरब 40 करोड़ आबादी वाले भारतीय बाजार की उपेक्षा नहीं कर सकते थे। यूएई-भारत के बीच तेल से अलग कम्पिटिशन से संबंधित व्यापार 45 अरब डॉलर तक पहुंच गया था। मोदी ने पश्चिम की ओर देखी नीति की धार देनी चाही, उसी का नतीजा था कि वो सऊदी अरब और यूएई जैसे दिग्गज देशों के करीब अपनी नीति को ले आये।

मगर, जो कुछ फिलिस्तीन-इज़राइल में हुआ, उसे शांत करने की पहल में पीएम मोदी पीछे रह गये, इस बात को स्वीकार कर लेना चाहिए। पहले पीएम मोदी ने नेतन्याहू को फोन किया, विदेश मंत्रालय ने इज़राइल के समर्थन में बयान दिया। बाद में फिलिस्तीन के समर्थन की बारी आई, महमूद अब्बास से भी पीएम मोदी ने बात की। यानी, प्रथम ग्रासे दक्षिणपंथी की नीति पर प्रथान सेवक अग्रसर हैं। मगर, हमारी सबसे बड़ी चिंता गाजा वाले हिस्से में फंसे भारतीय हैं, जिन्हें निकाल लाने में विदेश मंत्रालय ने विवशता जाहिर कर दी।

विश्व हम कूटनीतिक मोर्चे पर क्यों हो गये? शनिवार को कैरो में शांति शिखर बैठक है। इस बैठक में फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास, बहरीन के किंग हमद बिन ईसा अल खलीफा, कुवैत के क्राउन प्रिंस शेख मिसाल अल-अहमद अल-जबर अल-सबा, ग्रीस के प्रधानमंत्री किरियाकोस मिस्तोटाकिस और इतालवी प्रधानमंत्री जिओर्जिया मेलोनी भी भाग लेंगे। फ्रांसीसी विदेश मंत्री कैथरीन कोलोना, यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल ने भी अपनी उपस्थिति की पुष्टि की है। मगर, सवाल है कि ऐसी बैठक में पीएम मोदी की उपस्थिति क्यों नहीं है?

pushpr1@rediffmail.com

बीता सप्ताह

- 14 अक्टूबर**
- भारत 2023 ग्लोबल हंगल इंडेक्स (जीएचआई) में 125 देशों में से 111वें स्थान पर रहा।
 - महाराष्ट्र स्पीकर को विधायकों का अयोग मामले में कोर्ट ने कहा कि कोर्ट के आदेशों की अनदेखी नहीं कर सकते।
 - जम्मू कश्मीर के पूंछ जिले में सेना ने एक पाकिस्तानी नागरिक को पकड़ा।
 - अफगानिस्तान में आए भूकंप से 17 हजार लोग परभावित हुए।
- 15 अक्टूबर**
- इजरायल के युद्धग्रस्त इलाके से 235 भारतीयों को लेकर आई दूसरी उड़ान।
 - विश्वकप क्रिकेट मैच में भारत ने पाकिस्तान को सात विकेट से हराकर 8वें बार शिकस्त दी।
 - केंद्र सरकार ने एलान किया कि हर साल 23 अगस्त को मनया जाएगा राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस।
 - दक्षिण कोरिया की राजधानी सोल में सेजोंग हाइड्रोजन फाइंडेशन ने संस्कृति, खेल व पर्यटन मंत्रालय के सहयोग से सेजोंग हाइड्रोजन आउटस्टैंडिंग लॉन से इवेंटिंगल ट्रेनिंग प्रोग्राम 2023 में भारतीय छात्रा श्रोजी विजेता बन गईं।
- 16 अक्टूबर**
- छग कांग्रेस पार्टी ने विधानसभा के प्रत्याशियों की सूची नवरात्रि के पहले जारी की। छत्तीसगढ़ के 30 उम्मीदवारों की सूची जारी की।
 - युद्धग्रस्त इजरायल से ऑपरेशन अजय के तहत दो उड़ानों के जरिए भारतीय दिल्ली पहुंचे।
 - मुंबई-नागपुर लम्बूटि एक्सप्रेस दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से 15 यात्रियों की मौत हो गई।
 - 16 अक्टूबर से सेना के शीर्ष कमांडर्स की पांच दिवसीय सम्मेलन शुरू हुआ।
- 17 अक्टूबर**
- बहुचर्चित निठारी हत्याकांड के दोषी सुरेन्द्र कोली और मनिंदर सिंह पेंडेर को इलाहाबाद के उच्च न्यायलय ने बरी कर दिया।
 - सुप्रीम कोर्ट ने एक विवाहित महिला को 26 सप्ताह से अधिक समय के गर्भ को समाप्त करने की याचिका खारिज कर दी।
- 18 अक्टूबर**
- राजनीतिक दलों के चुनाव फंडिंग मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि- चुनावी बांड से जुड़ी याचिका पर संविधान पीठ सुनवाई करेगी।
 - विजयन हस्ती डेनियल नोबोआ इस्वाडोर के नए राष्ट्रपति चुने गए।
 - विधायकों की अयोग्यता मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि- आरक्षित समय सीमा तय नहीं करते तो कोर्ट तय करेगा।
 - सुप्रीम कोर्ट ने समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने से इंकार कर दिया।
 - राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा बालीवुड की प्रसिद्ध अभिनेत्री वहीदा रहमान को दादा साहेब फाल्के पुरस्कार प्रदान किया गया।
 - तमिलनाडु के दो फटाका फैक्ट्री में विस्फोट होने से दस लोगों की मौत हो गई।
- 19 अक्टूबर**
- मोदी सरकार पर राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि अडानी समूह ने 32000 करोड़ का घोटाला किया।
 - केंद्र सरकार ने रबी फसलों का समर्थन मूल्य बढ़ाया।
 - भाजपा सांसद निश्चिंत ने टीएमसी सांसद महोआ मोइना पर संसद में पैसे लेकर सवाल पूछने का आरोप लगाया।
 - फर्जी ड्रम प्रमाण पत्र मामले में समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान को रामपुर की अदालत ने सात साल की सजा सुनाई।
- 20 अक्टूबर**
- छत्तीसगढ़ रायपुर में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि वस्त्र के नारनार इस्पात संयंत्र का निजीकरण नहीं किया जाएगा।
 - दो हजार करोड़ शराब घोटाला कांड के आरोपी अनवर डेबर को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिली।
 - एडीआर (सीएसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफॉर्मस) के विश्लेषण रिपोर्ट के अनुसार मध्यप्रदेश में 186 बाजपा विधायक करोड़पति हैं।
 - विजयवाड़ा एसीबी कोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को न्यायिक हिंसकता की अवधि 1 नवंबर 23 तक बढ़ा दी।

मैंगलोर से इंदौर तक स्त्रियों को बांधने की कोशिश

मध्यप्रदेश की व्यावसायिक राजधानी इंदौर में पिछले दिनों एक अजीब वाक्या हुआ। यहां एक बुजुर्ग को ने एक कैफे को आगे के हवाले कर दिया। कैफे संचालक की शिकायत गिरफ्तार किये गये इस शख्स ने पुलिस को जो कारण बताया, वह बड़ा ही हास्यास्पद है। उसने कहा कि वह कई दिनों से देख रहा था कि कैफे में लड़कियां आती हैं, सिगरेट खरीदती हैं और वहीं खड़े होकर धुआं उड़ाती हैं। यूं खुलेआम लड़कियों के सिगरेट पीने से उसे सख्त ऐतराज था और इसी बात के चलते उसने सोचा कि न नौ मन तेल होगा, न राधा नाचेगी। बस फिर उसने कैफे में आग लगा दी। इस मामले ने कोई डेढ़ दशक पहले मैंगलोर में हुई इस घटना की याद दिला दी जिसमें हिंदूवादी संगठन श्रीराम सेने के 40 से भी अधिक कार्यकर्ताओं ने एक पब में जबरदस्ती धुसकर वहां मौजूद लड़कियों के साथ

कहना भला कैसे रास आयेगा। कुल मिलाकर परिवार या खानदान की इज्जत लड़की को ही बचाना है और संस्कृति की रक्षा का दायरामदार भी उसी पर है। उसके सिगरेट-शराब पीने से ये सब चीजें खतरे में आ जाती हैं और अगर उसने ये सबके सामने कर लिया तो शायद प्रलय ही आ जायेगी। खुलेपन के सारे मजे लड़के लौटें लेकिन लड़कियों को उनका हिस्सा न मिले - श्रीराम सेने जैसे संगठन से लेकर एक अकेले बुजुर्ग तक ये सुनिश्चित करने के लिये तैयार बैठे हैं। दोपहिया वाहन बनाने वाली एक कंपनी ने लड़कियों को लक्ष्य करते हुए नारा दिया था - 'व्हाई शुड बॉयज हैव ऑल द फन यानी लड़के ही सारा मजा क्यों लें। इंदौर के



पलाश सुरजन

मौजूदा वक्त में धर्म और संस्कृति को लेकर दुराग्रह देश में बढ़ता जा रहा है, उससे लगता है कि देर-सबेर स्त्रियों पर बंधन बढ़ेंगे ही नहीं, वे पहले से ज्यादा मजबूत भी होंगे और टैन केन प्रकारेण उन्हें जापज भी ठहरा दिया जाएगा। लेकिन यह विश्वास किया जा सकता है कि स्त्रियों ने पितृसत्ता की बाधाओं को पार कर थोड़ी-बहुत जो जगह अपने लिये बनाई है, वे उसे यूं ही नहीं जाने देंगी।

बुजुर्ग ने जो किया वह महज एक सनक नहीं है, बल्कि एक मानसिकता है जो कहती है - व्हाई शुड गर्ल्स हैव फन एट ऑल ! स्त्रियों पर जैसी बर्दशो अफगानिस्तान में तालिबानी हुकूमत ने लगाई हैं या ईरान में जिस तरह अपनी आजादी के लिये महसा अमीनी जैसी स्त्रियों को अपनी जान की कुर्बानी देनी पड़ी है, इस मानसिकता के चलते वैसी परिस्थितियां अपने यहां भी बन सकती हैं।

ऐसा इसलिए भी कि मौजूदा वक्त में धर्म और संस्कृति को लेकर दुराग्रह देश में बढ़ता जा रहा है, उससे लगता है कि देर-सबेर स्त्रियों पर बंधन बढ़ेंगे ही नहीं, वे पहले से ज्यादा मजबूत भी होंगे और येन केन प्रकारेण उन्हें जायज भी ठहरा दिया जायेगा। लेकिन यह विश्वास किया जा सकता है कि स्त्रियों ने पितृसत्ता की बाधाओं को पार कर थोड़ी-बहुत जो जगह अपने लिये बनाई है, वे उसे यूं ही नहीं जाने देंगी। इसके लिये फिलाहाल एक उदाहरण काफी होगा। श्रीराम सेने के हमले के खिलाफ महिलाओं के एक समूह ने तब 'पिंक चड्डी अभियान' चलाया था। सर्वथा अनूठे और अहिंसक इस अभियान के तहत देशभर से बड़ी संख्या में महिलाओं के अधोवस्त्र श्रीराम सेने के दफ्तर को भेजे गये थे। उसके बाद फिर कभी उस घटना का दोहराव देखने-सुनने को नहीं मिला। वैंलैटाइड डे पर लड़के-लड़कियों के साथ पाए जाने पर उनकी शादी करवा देने की धमकी भी श्रीराम सेने को वापस लेनी पड़ी।

भारत में महिला श्रम शक्ति की हालत बताने वाला नोबेल पुरस्कार

इस साल अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार हावर्ड विश्वविद्यालय का प्राफसर क्लाउडिया गोल्डिन को दिया गया है। वे इस पुरस्कार को जीतने वाली इतिहास की तीसरी महिला हैं और स्वतंत्र रूप से सम्मानित होने वाली पहली हैं। एकल पुरस्कार विजेता के रूप में अर्थशास्त्र का नोबेल पाने वाली पहली महिला होना बहुत खास है। नोबेल प्रशस्ति पत्र में उनके पांच दशकों के काम का वर्णन करते हुए कहा गया है कि यह पुरस्कार 'महिलाओं के श्रम बाजार के परिणामों को हमारी समझ को उन्नत करने के लिए है।' उनके कुछ व्यावहारिक और मूल योगदान अब आम ज्ञान बन गए हैं। ये याद रखने योग्य हैं और जिनकी यहां चर्चा की जा रही है। उनका सबसे महत्वपूर्ण और निश्चित अध्ययन अमेरिकी इतिहास के 200 वर्षों में महिलाओं की श्रम शक्ति भागीदारी और परिणामों का है। अमेरिकी आंकड़ों से निकाले गए उनके कई नतीजे और निष्कर्ष सांस्कृतिक और भौगोलिक मतभेदों के बावजूद भारत सहित अधिकांश अन्य देशों पर लागू होते हैं।

उनमें से कुछ की जांच करें तो सबसे पहले यही ज्ञात होता है कि अर्थव्यवस्था के विकास के रूप में श्रम शक्ति में महिलाओं की भागीदारी का यू-शेप है। आर्थिक विकास के साथ अर्थव्यवस्था कृषि प्रधान से औद्योगिक और अंत में सेवा प्रभुत्व वाली हो गई है। कृषि चरण में महिलाएं अपने पुरुषों के साथ खेतों पर काम करती हैं।

औद्योगिकीकरण के साथ कारखानों और असेंबली लाइनों पर काम कम लचीला और अधिक कठिन है जिसके कारण महिलाओं की भागीदारी कम हो जाती है। अधिक आर्थिक प्रगति के साथ सेवा क्षेत्र हावी होता जा रहा है और जहां महिलाएं अधिक संख्या में भाग लेने में सक्षम हैं। यह यू-आकार (यू-शेप) है- प्रारंभिक चरण में उच्च भागीदारी, इसके बाद औद्योगिक चरण के दौरान कम तथा अधिक समृद्ध होने पर फिर से उच्च। अमेरिकी आर्थिक इतिहास की एक लंबी अवधि में यह क्रम देखा गया है। यह पैटर्न उन देशों में भी देखा जाता है जो इस समय विकास के विभिन्न चरणों में हैं। इस प्रकार समय के साथ-साथ दुनिया भर में यह एक पैटर्न है। आश्चर्य नहीं कि अधिकांश अमीर देश, जिनके पास बहुत बड़ा सेवा क्षेत्र है, उनमें उच्च महिला श्रम बल भागीदारी दर (फीमेल लैबर फोर्स पार्टिसिपेशन रेट-एफएलएफपीआर) भी होती है। स्वीडन जैसे देशों में यह भागीदारी 85 से 90 प्रतिशत तक हो सकती है। इसका मतलब है कि कामकाजी उम्र में उनकी 90 प्रतिशत महिलाएं या तो भुगतान वाले काम में कार्य कर रही हैं या नौकरी की तलाश में हैं। इसके विपरीत भारत में एफएलएफपीआर कम है। कुछ मामलों में यह 20 फीसदी से नीचे है और सभी जी-20 देशों में सबसे कम है। इस पर विवाद रहा है। भारत सरकार द्वारा प्रकाशित 2023 के आर्थिक सर्वेक्षण में एफएलएफपीआर को 27.7 प्रतिशत बताया गया है। लेकिन इसके बारे में अधिक जानकारी बाद में नीचे दी गई है।

महिला भागीदारी के यू-शेप का एक और पहलू पूरी अर्थव्यवस्था के आर्थिक विकास प्रक्षेप वक्र (इकोनॉमिक डेवलपमेंट ट्रेजेंट्री) के माध्यम से ही न देखते हुए परिवार की आय और सामाजिक रीति-रिवाजों के लेंस के जरिए से भी देखा जाना चाहिए। बहुत गरीब परिवारों की महिलाएं काम करने के लिए विवश हैं। इसलिए कार्यबल की भागीदारी दर अधिक है। जैसे-जैसे परिवार की आय बढ़ती है, महिलाएं पीछे हट जाती हैं और घर के काम और बच्चों की देखभाल करने लगती हैं। अमीर और बहुत अमीर परिवारों के लिए कार्यबल भागीदारी दर फिर से बढ़ जाती है। यह भी यू-आकार का है लेकिन घरेलू आय के संबंध में है। इस पैटर्न को सामाजिक रीति-रिवाजों द्वारा और अधिक विकृत किया गया है। यदि कोई महिला घर से बाहर वेतन के लिए काम कर रही है तो इसे एक सामाजिक कलंक से जुड़ा माना जाता है। इसका तात्पर्य यह है कि घर का '45 मी' या तो

आलसा ह या अपन पारवार क लए पयास कमान न असमथ ह। विभिन्न संस्कृतियों में यह धब्बा देखा गया है। इस प्रकार का सामाजिक कलंक भी विशेष रूप से मध्यम आय वाले परिवारों की महिलाओं की भागीदारी को रोक सकता है। यू-आकार को प्रदर्शित करने वाला जो एक अन्य कारक है वह है महिलाओं की शिक्षा। अनपढ़ या कम शिक्षा वाले लोगों के वर्ग में महिलाएं अधिक भागीदारी लेती हैं। अल्प शिक्षा (जैसे मिडिल स्कूल तक) के साथ उनकी भागीदारी दर गिर जाती है। उच्च शिक्षा (कॉलेज या स्नातकोत्तर) के साथ उनकी भागीदारी फिर से बढ़ जाती है। यह भी यू-शेप है। यह क्रम भारतीय आंकड़ों में भी देखा जाता है। यहां यू-आकार के लिए स्पष्टीकरण श्रम के आपूर्ति पक्ष से नहीं है या यह कि मध्यम शिक्षित महिलाएं काम नहीं करना चाहती हैं। यह वास्तव में श्रम की मांग की ओर से है। हाई स्कूल या मिडिल स्कूल तक शिक्षा प्राप्त महिलाओं के लिए पर्याप्त और उपयुक्त नौकरियां नहीं हैं। इसलिए नौकरियों के अभाव में वे श्रम बल से बाहर हो जाती हैं।

भारतीय संदर्भों में इस तरह की टिप्पणी सुनना काफी आम है कि 'मेरी बेटी एक अस्थायी नौकरी कर रही है लेकिन जैसे ही उसकी शादी हो जाएगी, वह नौकरी छोड़ देगी।' ऐसा लगता है जैसे नौकरी, शादी और मातृत्व से पहले की बस एक अस्थायी व्यवस्था है। दरअसल, गोल्डिन और अन्य लोगों के काम ने प्रमाणित किया है कि पुगने समय में किस तरह एक वयस्क महिला की प्रमुख कामकाजी उम्र का लगभग 60 प्रतिशत या तो गर्भवती होने या बच्चे का पालन पोषण कराने में खर्च हो जाता था। हमारे दादा-दादी की पीढ़ी को देखें जिसमें एक दर्जन भाई-बहनों वाले परिवार थे। उनकी माताओं की दुर्दशा की कल्पना करें। परिवार नियोजन, विवाह टालने और गर्भधारण के बीच अंतर के कारण यह सब बदल गया। इसके अलावा कुल प्रजनन दर

यानी प्राइम एज महिला से पैदा हुए बच्चों की औसत संख्या में तेजी से गिरावट आई है। गोल्डिन के काम से एफएलएफपीआर को बढ़ाने में गर्भनिरोधक की विशेष भूमिका भी उजागर होती है। उनका काम कार्यस्थल में भेदभाव के खिलाफ और समान वेतन के लिए महिलाओं के संघर्ष को भी कवर करता है। नोबेल पुरस्कार विजेता गोल्डिन के पूरे और समृद्ध काम को एक लेख में वर्णित नहीं किया जा सकता।

गोल्डिन को मिला नोबेल पुरस्कार भारत के लिए इससे अधिक समयानुकूल और प्रासंगिक नहीं हो सकता था। भारत में दो दशकों से एफएलएफपीआर लगातार गिर रहा है हालांकि हाल ही में इसमें कुछ वृद्धि हुई है। 2023 का आर्थिक सर्वेक्षण भी देश भर के उन 12 मिलियन स्वयं सहायता समूहों की मूक क्रांति का दस्तावेजीकरण करता है जो लगभग पूरी तरह से महिलाओं द्वारा चलाए जाते हैं। संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के आरक्षण के लिए हाल ही में लाया गया कानून भी बहुत जल्द नहीं आया है। सरकार के तीसरे स्तर में आरक्षण को धन्यवाद दिया जाना चाहिए जिसके कारण अधिकांश राज्यों में गांव, शहर और नगर परिषदों और निगमों में सभी निर्वाचित व्यक्तियों में से आधी महिलाएं हैं।

कई कंपनियां महिलाओं को उनकी पहली या दूसरी गर्भावस्था यानी मिड कैरियर के बाद फिर से भर्ती करने की कोशिश करने में सक्रिय हैं। दो कमियां दिखाई देती हैं जिन्हें भारत सरकार को तत्काल धरना चाहिए। पहला पुरुष और महिला श्रम भागीदारी दर (आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार 56 और 28 फीसदी) के बीच का अंतर है और दूसरा एक ही काम के लिए पुरुष और महिला कर्मचारियों के बीच का वेतन अंतर है। यदि इन दोनों अंतरों को समाप्त कर दिया जाता है तो भारत के सकल घरेलू उत्पाद में काफी वृद्धि हो सकती है। गोल्डिन को मिले पुरस्कार के कारण ये मुद्दे फिर फोकस में आ गए हैं।

(लेखक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री हैं। सिडिकेट : दी बिलियन प्रेस)



आदर्श युवा दुर्गा उत्सव समिति मुकामदमर्गज में विराजित माता रानी की सौम्य स्वरूप की प्रतिमा के दर्शन करने भक्त पहुंच रहे हैं।



नवयुवक हिंदू जागरण मंडल दुर्गा उत्सव समिति सिंधी कैम्प पुलिस चौकी में भैसे के सिर पर सवार देवी माता।



गोलबाजार एमएच क्लब में विराजित माता भगवती राक्षस का वध करती हुई।



जागृति युवा मंडल विश्वकर्मा मोहल्ला गढ़ा फाटक में जगदंबा माता रानी की आकर्षक प्रतिमा भक्तों का आकर्षण केंद्र बनी।

भाजपा के पक्ष में काम कर रहे अधिकारी, तुरंत हटाया जाये

जबलपुर, देशबन्धु। कांग्रेस ने जिले में जमे उन प्रशासनिक अधिकारियों को तुरंत हटाने की बात कही है जो पिछले पांच साल से ज्यादा समय से एक ही जगह जमे हुये हैं। निवारण आयोग से इस बाबत ध्यान देने की मांग की गई है।

उन्होंने पत्रकारों से यह भी कहा कि नियमानुसार अधिकारी किसी भी कार्यालय और जिले में 3 साल से अधिक समय तक नहीं रह सकता। लेकिन इसके बावजूद जिला पंचायत में अतिरिक्त मुख्य कार्यालय अधिकारी पिछले 6 सालों से लगातार एक ही जिले में पदस्थ है। वहीं दूसरी तरफ अधिकारी पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा। कार्यालय अधिकारी जिला परियोजना प्रबंधक के लिए संरक्षक का काम कर रहे हैं। इसिलिये जिला पंचायत पर



कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता आलोक शर्मा ने लगाये आरोप

इतनी शिकायतों के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है।

यह भी आरोप लगाये गये कि उक्त अधिकारी, कर्मचारी सत्ता दल के पक्ष में माहोल बनाने का काम कर रहे हैं। पत्रकार वार्ता के दौरान कांग्रेस राष्ट्रीय प्रवक्ता ने केन्द्र की भाजपा सरकार और जिले

सांसद व पश्चिम क्षेत्र के विधायक पद के उम्मीदवार राकेश सिंह पर जमकर निशाना साधा।

पत्रकार वार्ता के दौरान कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता आलोक शर्मा, जिलाध्यक्ष डॉ. दिनेश जैन, मनोज, आरिफ भाई, अजय दुबे सहित कांग्रेस के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

पनागर में राजेश पटेल तो केंट में अभिषेक चौकसे चिट्ठू संभालेंगे कांग्रेस की कमान



जबलपुर, देशबन्धु। कांग्रेस ने पनागर और केंट में अपने उम्मीदवारों का ऐलान किया, जिसमें राजेश पटेल और अभिषेक चौकसे चिट्ठू हैं। श्री पटेल पूर्व में जिला पंचायत अध्यक्ष रह चुके हैं। इस बार उन्हें पार्टी ने मौका दिया है। श्री पटेल के अनुसार पार्टी की जीत होगी और आम मतदाताओं का समर्थन मिलेगा, जिस तरह ग्रामीण अंचलों में किसान परेशान हैं, उन्हें खेती के दौरान बिजली और दूसरी तरह की व्यवहारिक



कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं दूसरी ओर केंट के प्रत्याशी घोषित होने वाले चिट्ठू चौकसे ने कहा है कि केंट की जनता का आशीर्वाद पार्टी को मिलेगा और क्षेत्र में कई तरह की समस्याओं को हल नहीं किया गया है। युवा बेरोजगारी से परेशान हैं, महंगाई के कारण हर वर्ग हलाकान है। चिट्ठू पूर्व में छावनी परिषद के उपाध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद को संभाल चुके हैं, इसका अनुभव भी उन्हें मिलेगा।

नुकड़ नाटक के दूसरे सेमीफाइनल में छ गए विद्यार्थी

जबलपुर, देशबन्धु। मतदाता जागरूकता के लिये चलाई जा रही स्वीप की गतिविधियों के अंतर्गत जिला स्तरीय नुकड़ नाटक प्रतियोगिता का दूसरा सेमीफाइनल शुकवार 20 अक्टूबर को राम इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित हुआ। प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालयों की टीमों ने भाग लिया। नुकड़ नाटक प्रतियोगिता के द्वितीय सेमीफाइनल में प्रथम स्थान श्रीराम कॉलेज, द्वितीय स्थान सेंट एलायसिस कॉलेज तथा तीसरा स्थान शासकीय विज्ञान महाविद्यालय ने पाया। मतदान के प्रति मतदाताओं खासकर युवा मतदाताओं में जागरूकता पैदा करने आयोजित की जा रही जिला स्तरीय नुकड़ नाटक प्रतियोगिता का फाइनल शनिवार 21 अक्टूबर को श्रीराम इंजीनियरिंग कॉलेज के थियेटर में सुबह 11 बजे से होगा।



जबलपुर, देशबन्धु। कंगारू किड्स इंटरनेशनल स्कूल में दशहरा कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने देवी देवताओं की आकर्षक झांकिया प्रस्तुत की। इसमें विशालकाय रावण भी बनाया गया था। संस्था की संस्थापिका अर्पिता मालपानी, प्राचार्य सोनिया कोचर ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

मतदाताओं में जागरूकता फैलाने स्कूल के बच्चों ने मतदान केन्द्र पर की चित्रकारी



जबलपुर, देशबन्धु। स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने मतदान केंद्रों की दीवारों पर पेंटिंग बनाकर श्रमदान किया, वहीं पेंटिंग के माध्यम से लोगों को अपने मत का प्रयोग करने के लिए जागरूकता का संदेश दिया। जिला प्रशासन द्वारा अनेक कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। जिला शिक्षा अधिकारी चनश्श्या सोनी ने बताया कि इसी कड़ी में स्कूलों के छात्र-छात्राओं से मतदान केंद्रों पर पेंटिंग बनाकर मतदाताओं को मत देने के लिए जागरूक कर रहे हैं। जिससे लोगों में अपने मत के प्रति जागरूकता आए और अधिक से अधिक संख्या में लोग मत देने जरूर जाएं। गुरुवार को 15 स्कूलों के बच्चों ने मतदान केन्द्र की दीवार पर पेंटिंग बनाकर श्रमदान किया। दूसरे स्कूलों के छात्र-छात्राएँ मतदान केंद्रों पर पेंटिंग बनाने का कार्य करेंगे। मतदाताओं को जागरूक करने के लिए मतदान केंद्रों पर श्रमदान कर मतदान केंद्रों को स्वच्छ आकर्षक सुंदर बनाने प्रयास किया जा रहा है।

नवयुग कालेज में फ्रेशर पार्टी का आयोजन



जबलपुर, देशबन्धु। नवयुग, कला-वार्णज्य कालेज में फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया। इस मौके पर मनमोहक प्रस्तुती पेश की गई। यूजी से मिस फ्रेशर युथिका, मिस्टर फ्रेशर सावन बघेल, पीजी से मिस फ्रेशर सोनिका राजपूत को चुना गया। समिति सचिव ज्योति चौबे, प्राचार्य डा. संजय तिवारी प्रमुख रूप से शामिल हुये। इस अवसर पर डा. अशोक नायक, डा. अनुजा तिवारी, डा. अनिता अवस्थी, डा. पुरोधा यादव, महेंद्र कु मार मिश्र, सौरभ गुप्ता, रामस्वरूप जाटव, डा. मधुलिका बाजपेयी, नेहा दवे, दीपिका तिवारी, डा. पुष्पलता पंचोरी, ओपी वाधवा, रूपकुमार भट्ट, आरएल विश्वकर्मा, प्रियंका साहू, प्रभात रंजन सिंह, वंदना कनौजिया, शशांक शर्मा की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

उम्मीदवार चुनावी खर्च का हिसाब आयोग के निर्देशानुसार रखें

जबलपुर, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव में उम्मीदवारों से चुनाव के दौरान होने वाले खर्च का हिसाब भी निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार रखे जाने के लिए कहा गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा उम्मीदवारों से कहा गया है कि वे स्वयं या अपने चुनाव एजेंट के पास चुनाव का खर्च रखें। यह खर्च उम्मीदवार के नाम-निर्देशन दाखिल करने की तारीख से चुनाव परिणाम की तारीख को शामिल करते हुए रखा जाएगा। निर्वाचन आयोग ने विधानसभा चुनाव में शामिल होने वाले उम्मीदवारों के लिए खर्च की अधिकतम सीमा 40 लाख रूपए तय की है। चुनावी खर्च के संबंध में भारत निर्वाचन आयोग ने लोक जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के प्रावधानों का उल्लेख किया है। प्रावधान के अनुसार राजनैतिक दल के स्टार प्रचारक अपने दल के प्रचार कार्यक्रम के लिए किसी साधन से आना-जाना करते हैं तो उसका खर्चा उम्मीदवार के चुनावी खर्च में नहीं जोड़ा जाएगा। यदि किसी राजनैतिक दल ने अपने उम्मीदवार को स्टार प्रचारक घोषित किया है तो वह अपने विधानसभा क्षेत्र में स्टार प्रचारक नेता नहीं माना जाएगा।

पूर्व विधानसभा में विधायक ने किया संघन जन संपर्क



जबलपुर, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव में पूर्व विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत महर्षि महेश योगी वार्ड में विधायक एवं कांग्रेस प्रत्याशी लखन घनघोरिया ने धनी की कुटिया से प्रारंभ झंडा चौक से सुराही बिल्डिंग से उमा नगर से आलोक नगर पार्क से पम्प हाऊस जनसंपर्क कर विधायक एवं कांग्रेस प्रत्याशी लखन घनघोरिया ने जनता से कहा कि पूर्व विधानसभा में किए जा रहे विकास कार्य को देखते हुए आपके दरबार आया हूँ। आने वाले समय में मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनी तो चौगुना विकास कराये जायेंगे। इस दौरान सोनू तिवारी, मिंटू पहारिया, कीर्ति सिंह ठाकुर, विशाल यादव, पीपी पटेल, राजू तोमर अनिल यादव, विकास विश्वकर्मा, अनुज यादव, आकाश तिवारी, सोनू लाला, रोशन बड्डा, तबस्सुम अंसारी, आकाश पाठक, मगन कोरी, बूज वर्मा, विवेक तिवारी, प्रिंस अति यादव, लक्ष्मी विश्वकर्मा, मीनू यादव, आयुष जायसवाल सैंकड़ों की तदाद में कांग्रेस कार्यकर्ता जनसंपर्क में मौजूद रहे।

भाजपा प्रत्याशी राकेश सिंह ने नरसिंह वार्ड में किया सघन जनसंपर्क



जबलपुर, देशबन्धु। जबलपुर की पश्चिम विधानसभा प्रदेश की विकसित, सुव्यवस्थित और सुंदर विधानसभा बनेगी इसका विश्वास आपको दिलाता हूँ, इसके लिए आपके आशीर्वाद को आकांक्षा है, यह बात पश्चिम विधानसभा प्रत्याशी राकेश सिंह ने नरसिंह वार्ड में जनसंपर्क के दौरान कही। श्री सिंह ने कहा यह चुनाव पश्चिम क्षेत्र के विकास की दिशा और दशा को तय करेगा और आपके आशीर्वाद से पश्चिम क्षेत्र में ऐसे अनेक कार्य होंगे जो पश्चिम को एक विकसित विधानसभा बनाएंगे। उन्होंने कहा यह चुनाव हम सबके लिए महत्वपूर्ण है 2024 लोकसभा चुनाव को भी संदेश देगा। कांग्रेस झूठे वादे करती है 2018 के विधानसभा चुनाव में कर्ज माफ़ी के नाम पर घोषणा पत्र लेकर आए एक भी घोषणा की गई। समाज के साथ वादा खिलाफ़ी की गई। इस मौके पर पार्टी नेता और कार्यकर्ता शामिल रहे।

बिना अनुमति के विज्ञापन जारी नहीं कर सकेंगे केबल ऑपरेटर

विधानसभा चुनाव-2023

जबलपुर, देशबन्धु। केबल टेलिविजन अधिनियम 1995 का संधी स्थानीय केबल ऑपरेटर्स को पालन करना अनिवार्य है। केबल ऑपरेटर बिना जिला मीडिया प्रमाणन एवं निगरानी समिति (एमसीएमसी) की अनुमति के चुनाव के दौरान कोई भी विज्ञापन जारी नहीं कर सकेंगे। केबल ऑपरेटर्स ऐसा कोई भी विज्ञापन जारी नहीं करेंगे जो कि विधि के प्रतिकूल हो। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत राष्ट्रीय और राज्यीय राजनैतिक दल तथा चुनाव लड़ने वाला प्रत्येक अर्थर्था जो टेलीविजन चैनल पर विज्ञापन प्रसारित करवाने का प्रस्ताव रखता है, उसे 3 दिन पूर्व जिला स्तरीय

नामांकन दाखिल करने कलेक्ट्रेट के गेट नम्बर एक से प्रवेश करना होगा उम्मीदवारों को

उम्मीदवार के साथ चार व्यक्ति ही प्रवेश कर सकेंगे रिटर्निंग अधिकारी के कक्ष में

जबलपुर, देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन हेतु नामांकन दाखिल के लिए अभ्यर्थियों को कलेक्टर कार्यालय के गेट नम्बर एक से प्रवेश की अनुमति होगी। नामांकन करते समय अभ्यर्थी सहित केवल पांच व्यक्ति ही रिटर्निंग अधिकारी के कक्ष में प्रवेश कर सकेंगे। अभ्यर्थियों द्वारा अपने नामांकन निर्वाचन की सूचना जारी होने के बाद नाम-निर्देशन पत्र जमा करने के तय दिनों में सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष दाखिल किये जा सकेंगे हैं। भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के मुताबिक नाम-निर्देशन पत्र भरते समय अभ्यर्थी के काफिले में शामिल तीन वाहनों को ही रिटर्निंग अधिकारी के कार्यालय के 100 मीटर के दायरे में प्रवेश की अनुमति होगी। नामांकन पत्र प्रस्तुत करने के लिए अभ्यर्थी का उसी राज्य का मतदाता होना जरूरी है और उसकी आयु नामांकन पत्रों की संवैधिका के लिए निर्धारित दिन को 25 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए। नामांकन पत्र अभ्यर्थी या उसके प्रस्तावक द्वारा ही प्रस्तुत किया जाना चाहिए। अभ्यर्थी को यदि वह किसी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दल की ओर से चुनाव लड़ रहा है तो उसे दल का अधिकृत प्रत्याशी होने से सम्बन्धित फार्म-ए एवं फार्म-बी नामांकन दाखिल करने के अंतिम दिन दोपहर 3 बजे तक रिटर्निंग अधिकारी को प्रस्तुत करना होगा। एक विधानसभा में निर्वाचन के लिए किसी अभ्यर्थी द्वारा एक से अधिक एवं अधिकतम चार नामांकन पत्र प्रस्तुत किये जा सकेंगे। नामांकन पत्र के सभी कालम भरे जाने होंगे लेकिन जो जानकारी प्रत्याशी से संबंधित न हो उन कालमों में भी शून्य या लागू नहीं लिखना होगा। नामांकन पत्र दाखिल करने के इच्छुक व्यक्ति को निक्षेप राशि जमा करनी होगी। निक्षेप राशि अनारक्षित वर्ग के अभ्यर्थी के लिए 10 हजार रूपए और अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए 5 हजार रूपए निर्धारित है। इसे संबंधित रिटर्निंग अधिकारी के कार्यालय में नगद भी जमा किया जा सकता है। इस मौके पर बताया गया

प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने संभाग मीडिया सेंटर का उद्घाटन किया

जबलपुर, देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने शुकवार को जबलपुर में संभागीय मीडिया सेंटर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री व सांसद कविता पाटीदार, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, सांसद और पार्टी प्रत्याशी राकेश सिंह, विधायक एवं प्रत्याशी अजय विश्वा, अशोक रोहाणी, प्रदेश मंत्री आशीष दुबे, प्रदेश प्रवक्ता शशिकांत शुक्ला, मिलन भागव, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी प्रशांत तिवारी, जिला मीडिया प्रभारी श्रीकांत साहू सहित पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस मौके पर बताया गया



कि मीडिया सेंटर से पत्रकारों को हर जानकारी मिलेगी। यह मीडिया सेंटर सिर्फ मीडिया सेंटर नहीं बल्कि प्रेहली सेंटर होगा। लोकतंत्र में मीडिया का अहम रोल है। भाजपा नेता ने कांग्रेस पर आरोप लगाये। पूर्व की सरकार मीडिया से कैसा व्यवहार करती थी, सबको पता है। कांग्रेस का मीडिया के प्रति व्यवहार अच्छा नहीं है। कहा गया कि केंद्र की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार और प्रदेश में भाजपा की सरकार में हर क्षेत्र में विकास ही विकास हुआ है। विकास की यह रफ्तार आगे भी जारी रहेगी। प्रधानमंत्री मोदी का एक ही मूलमंत्र है सबका साथ और सबका विकास। इसी मूलमंत्र को लेकर हर क्षेत्र में विकास किया जा रहा है।

शारदेय नवरात्र: आज सातमी को माँ काल रात्रि के स्वरूप का होगा पूजन

आज पंडालों में विराजमान माँ के दर्शन करने उमड़ेंगे भक्त



आईबीडी रॉयल सिटी चौकीताल जबलपुर

जबलपुर, देशबन्धु। नवरात्रि का सातवां दिन माँ कालरात्रि को समर्पित माना जाता है। देवी का यह रूप सबसे अक्रामक है। देवी के इस रूप से दुश्मन भयभीत हो जाते हैं। आज नवरात्र के सातवें दिन माँ कालरात्रि की पूजा अर्चना की जायेगी।

माँ कालरात्रि की पूजा करने से जीवन के आर्थिक के साथ-साथ कई अन्य कष्ट दूर होते हैं। देवी कालरात्रि की उपासना करने से नकारात्मक शक्तियाँ भाग जाती हैं। पूजा के बाद माता को गुड़ का भोग लगाने से अचानक आने वाले संकट दूर हो जाते हैं। आज सातवीं के दिन देवी कालरात्रि का पूजन के बाद गुड़ का भोग लगाएँ, माता को रंग-नीला एवं उनका जाप करने का मंत्र-ओम

रें ह्रीं क्लीं कल रत्रिया नमः। नवरात्रि में देवी दुर्गा की प्रतिमाएँ नगर के कई पंडालों में स्थापित की गई हैं। जिनका श्रद्धालु और समिति सदस्य विधि-विधान से माता शक्ति की उपासना कर मनोकामना सिद्धी की प्रार्थना कर रहे हैं।

आज नवरात्र की सप्तमी पर नगर और ग्रामीण अंचलों के श्रद्धालु माँ भगवती के दर्शन को सड़कों पर निकलेगें, तथा पंडालों में विराजमान प्रतिमाओं के दर्शन कर अराधना करेंगे। नगर में कई गणनाथ समितियों ने गर्बे का आयोजन किया है, जिसमें संस्कारधानी और आसपास के ग्रामीण अंचलों के श्रद्धालु डार्डियां नृत्य कर देवी माँ की उपासना में लीन है।

हनुमान ने लंका में लगाई आग, धू-धू जली लंका

हनुमानजी का पाठ देख श्रद्धालु हुए गदगद

जबलपुर, देशबन्धु। ये लंका शिव शंकर की थी, इस कारण ये फल खाए थे, क्या बाप तुम्हारे लंका में ये झाड़ू लगाने आए थे। हनुमंत लाल ने जब ये संवाद बोला, तो दर्शकों ने अपार तालियाँ बजाईं। गोविंदगंज रामलीला मंच पर गुरूवार को लंका दहन की लीला मंचित की गई। हनुमानजी का अभिनय करने वाले पलाश पाठक खूब जमे। वहीं रावण के रूप में पवन पांडे, अक्षय कुमार के रूप में मनीष



पाठक, मेघनाद के रूप में पवन तिवारी ने उमड़ी। पंचशील टॉकीज मैदान में बनी लंका जनाकर्षण का केंद्र रही। रामलीला में लंका दहन की लीला देखने भारी भीड़

गोविंदगंज रामलीला की मर्यादा और भव्यता देख प्रफुल्लित हो रहे हैं। समिति अध्यक्ष अनिल तिवारी ने बताया कि हर रोज गणमान्य जन रामलीला की आरती वंदन के लिए पहुंच रहे हैं।

आज होगा श्री रामेश्वर का पूजन-रामलीला में आज सेतुबंधु रामेश्वर पूजन की लीला होगी। भगवान श्रीराम-लक्ष्मण-श्री हनुमानजी अपने हाथों से स्वयंभू शिव का अभिषेक करेंगे। समिति के अध्यक्ष ने बताया भगवान भोलेनाथ का रुद्राभिषेक 21 ब्रह्मण्ड पुरोहितों द्वारा संपन्न कराया जाएगा। तिवारी ने बताया कि रामेश्वर पूजन के बाद अंगद-रावण संवाद की लीला होगी।

धनुष यज्ञ रामलीला में राम के हाथों हुआ खरदूषण वध



जबलपुर, देशबन्धु। पंचवटी में राम-लक्ष्मण को देख रावण की बहन सुपनखा मोहित हो जाती है। वह अपने आपको आकर्षक सुंदरी का रूप बनाकर राम के समक्ष स्वयं से विवाह करने का प्रस्ताव रखती है। जिसे राम यह कहते हुए अस्वीकार कर देते हैं, कि वह तो पहले से ही विवाहित है, इस वह उससे

विवाह नहीं कर सकते। इसके पश्चात सुपनखा लक्ष्मण के समक्ष भी स्वयं से विवाह करने को कहती है। लेकिन लक्ष्मण के समक्ष सुपनखा बार-बार विवाह का प्रस्ताव पेश करती है, जिससे लक्ष्मण क्रोधित हो जाते हैं, और सुपनखा के नाक-काट काटकर उसके अंग भंग कर देते हैं। इसी दशा में अपने भाई खरदूषण के पास जाती है। जिसके बाद खरदूषण अपनी लेकर राम से युद्ध करने पहुंच जाता है, जहां उसका राम के हाथों वध हो जाता है।

इसके बाद यह सारा वृत्तंत सुपनखा रावण से कहती है। जिसके बाद रावण साधु का धूप बनाकर छल करके सीता का हरण कर लेता है। इस अवसर पर सीताराम कुरचानिया, आकाश नायडू, रामस्वरूप श्रीवास, आरती मधुर तिवारी, डॉ. शंकर पांडे, नरेश तिवारी, शिवदत्त चौबे, संजय शुक्ला, आशीष पाठक, आज की लीला शबरी मिलन बालि वध की लीला का मंचन किया जाएगा।

घमापुर रामलीला में हुई राम-सुग्रीव की मित्रता

जबलपुर, देशबन्धु। घमापुर स्थित बाई का बगीचा में श्री गिरिजाशंकर मंदिर रामलीला में शबरी की नवधा भक्ति, राम सुग्रीव मैत्री, बाली वध एवं सीता की खोज लीला का मंचन हुआ। रावण के द्वारा घायल जटायु को भगवान राम ने गोद में उठाया और उन्हें पिता का सम्मान देते हुए गोध देह तज धरि हरि रूपा, भूषण बहूपट पीत अनूपा अपने धाम अपना स्वरूप देकर पहुंचा दिया। इसके बाद शबरी गुरु आज्ञा से दीर्घकाल तक भगवान श्री राम की प्रतीक्षा कर रही थी और भगवान स्वयं उनके आश्रम दर्शन देने पहुंच गए। इसके बाद राम सुग्रीव मित्रता और बाली वध, तारा विलाप की लीला का मंचन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय धर्मावलंबी नागरिकों के साथ रामलीला के पदाधिकारी अध्यक्ष डा.शिव मणि मिश्रा, महामंत्री पंकजलेश तिवारी, संचालक एड.बलराज सोनकर, एड.श्याम चन्द्र तिवारी, कोषाध्यक्ष-विष्णु दीक्षित, पं. बाबूलाल भारद्वाज, एड.सरमन राजपूत, राजेश सेन, संदीप सोनकर, एवं समस्त पदाधिकारियों की उपस्थिति में उद्घोषणीय रही। आज सीता की खोज अशोक वाटिका विन्धंस लंका दहन की लीला का मंचन किया जाएगा।

आईएमएम डॉक्टर विंग की महिला डॉक्टर्स ने किया गरबा



जबलपुर, देशबन्धु। नवरात्रि के मौके पर आईएमएम विंग डॉक्टर डॉक्टरों ने आयोजन किया गया। आम दिनों में चिकित्सा के क्षेत्र में दिन रात काम करके जिम्मेदारी निभाने वाली महिला डॉक्टरों ने सांस्कृतिक गतिविधियों में हवन दिखाया। कार्यक्रम आईएमएम हॉल में सम्पन्न हुआ। इस

मौके पर डॉ. कावेरी शां, डॉ. नीना श्रीवास्तव, डॉ. सोनल रिछारिया, डॉ. चित्रा जैन, डॉ. संगीता श्रीवास्तव, जॉर्जस अध्यक्ष डॉ. माणिक, डॉ. दीप्ति गुप्ता, डॉ. प्रजा धीरावाणी, डॉ. रिचा धीरावाणी, डॉ. अबोलती पान्से, डॉ. कमला लालवानी, शाश्वत पटेल, शनया पटेल, ख्याति, अभिजीत कार्यक्रम आईएमएम हॉल में सम्पन्न हुआ। इस

महाकोशल कॉलेज में प्रतियोगी परीक्षा के लिए लक्ष्य जरूरी



जबलपुर, देशबन्धु। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए आवश्यक है कि लक्ष्य निर्धारित किया जाए। शासकीय महाकोशल कॉलेज में स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन योजना के अंतर्गत ऑनलाइन काउंसिलिंग सेशन से छात्र जुड़े। कार्यक्रम में विशेषज्ञ लक्ष्मी शरण मिश्रा ने छात्रों को बताया कि प्रतियोगी परीक्षाओं में पहला प्रतियोगी व्यक्ति स्वयं होता है। टाइम मैनेजमेंट से सफलता मिल सकती है। संभागीय समन्वयक प्रो. अरुण शुक्ल ने बताया कि करियर काउंसिलिंग के जरिए युवाओं को काउंसिलिंग व्याख्यान दिया गया। प्राचार्य डॉ. एसी तिवारी, डॉ. महेन्द्र कुमार कुशवाहा, डॉ. नीलिमा, डॉ. सुनीता सिंह, डॉ. तरुणेंद्र साकेत मौजूद थे।

जबलपुर, देशबन्धु। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए आवश्यक है कि लक्ष्य निर्धारित किया जाए। शासकीय महाकोशल कॉलेज में स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन योजना के अंतर्गत ऑनलाइन काउंसिलिंग सेशन से छात्र जुड़े। कार्यक्रम में विशेषज्ञ लक्ष्मी शरण मिश्रा ने छात्रों को बताया कि प्रतियोगी परीक्षाओं में पहला प्रतियोगी व्यक्ति स्वयं होता है। टाइम मैनेजमेंट से सफलता मिल सकती है। संभागीय समन्वयक प्रो. अरुण शुक्ल ने बताया कि करियर काउंसिलिंग के जरिए युवाओं को काउंसिलिंग व्याख्यान दिया गया। प्राचार्य डॉ. एसी तिवारी, डॉ. महेन्द्र कुमार कुशवाहा, डॉ. नीलिमा, डॉ. सुनीता सिंह, डॉ. तरुणेंद्र साकेत मौजूद थे।

वनएमपी सिग्नल कम्पनी के कैडेट्स ने सीखे फायरिंग के गुण

जबलपुर, देशबन्धु। कैम्प एक्टिविटी में कैडेट्स को अनुशासन का पाठ पढ़ाया जा रहा है। ना सिर्फ कैडेट्स को अनुशासन बल्कि आर्मी ट्रेनिंग से भी रूबरू करवाया जा रहा है। वनएमपी सिग्नल कम्पनी एनसीसी के तत्वावधान में कैम्प आयोजित किया गया है। कैम्प में कैडेट्स को पीटी, ड्रिल, मैप रीडिंग के साथ फायरिंग के गुर भी सिखाए गए। इसके साथ ही आपदा प्रबंधन ने निष्पत्ते का हुनर भी कैडेट्स ने जाना। कैडेट्स का कहना था कि कैम्प एक्टिविटी में उन्हें हर दिन नई जानकारी प्राप्त हो रही है। इसके चलते वे मिलिट्री ट्रेनिंग प्राप्त कर रहे हैं। शिपिर में कैम्प कमाण्डेंट कर्नल अर्जुन विश्व, मेजर अनिल दावद मौजूद थे।



पंजाबी महासंघ आदिशक्ति की आराधना में लीन

जबलपुर, देशबन्धु। पंजाबी महासंघ जबलपुर के तत्वावधान में गरबा उत्सव का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में समाज के सदस्यों ने माता की आराधना करने के लिए गरबा रास किया। समारोह के अंतर्गत विविध राड्ड हुए। जिसमें विजेताओं को चुना गया। कार्यक्रम अखिल इंडिया मोल भाटिया ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में संजय भाटिया ने कलह एसे आयोजन समाज को जोड़ते हैं। गरबा कार्यक्रम की नृत्य निदेशिका कमल ओझा रहीं। इस मौके पर राष्ट्रीय अखिल निधिन भाटिया, अंकित गोवर, योगेश साहनी, राकेश महाजन, जसपाल कहर, जोगेश भाटिया, मनोज नारा, प्रवेश खेड़ा, अतुल अरोरा मौजूद थे।



दैनिक राशिफल

शनिवार 21 अक्टूबर 2023 का पंचांग विक्रम संवत् 2080, शक संवत् 1945 हिजरी 1444। आश्विन शुक्ल पक्ष की सप्तमी। नक्षत्र-पू.घा.।

मेष आज आप अस्वस्थता एवं चिंता का अनुभव करेंगे। शरीर में थकान और आलस्य एवं मन में अशांति रहेगी।	कर्क घर में शांति तथा आनंद का वातावरण रहेगा। सुखमय प्रसंग बनेंगे। आप जो भी काम करेंगे, उसमें यश प्राप्त होगा। आरोग्य अच्छा रहेगा।
तृषभ आज किसी भी प्रकार से कोई नया काम शुरू ना करें। आज आप का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। खान-पान में विशेष ध्यान रखना आपके लिए जरूरी है।	सिंह आज का दिन आनंद से गुजरने वाला है। आज आप अधिक कल्पनाशील बने रहेंगे। साहित्य-सृजन के तहत मौलिक रूप से काव्य रचना की प्रेरणा होगी।
मिथुन दोस्तों से मुलाकात हो सकती है। कहीं बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। वाहन सुख मिलेगा।	कन्या शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा। कई परेशानियों के कारण मन व्याकुल रहेगा। स्मृति का अभाव होगा।
तुला आप का दिन शुभ फलदायी होगा। बंधुओं के साथ अच्छे संबंध रहेंगे। उनके साथ बैठकर घर की समस्या पर चर्चा होगी।	मकर आपको स्वास्थ्य सम्बंधी शिकायत रहेगी। मानसिक भय हो सकता है। व्यवसाय में दूसरों की देखलंदाजी परेशान करेगी। कामों के पीछे पैसे खर्च होगा।
वृश्चिक आज साधारण लाभ का दिन है। व्यर्थ के खर्च पर रोक लगानी होगी। परिवार में झगड़े न हों, इसके लिए अपनी वाणी पर कंट्रोल रखें। सदस्यों के बीच की गलतफहमी को दूर रखें।	कुंभ आज का दिन शुभ मंगलकारी काम के लिए अच्छा है। अविवाहितों के लिए वैवाहिक योग है। संतान और पत्नी की तरफ से अच्छे समाचार मिलेंगे।
धनु आज का दिन काम और पढ़ाई में सफलता के लिए समय बहुत अनुकूल है। विदेश-व्यापार से लाभ हो सकता है। आप धार्मिक और शुभ काम कर सकेंगे।	मीन आपके सभी काम सरलता से पूरे होंगे। भाग्य आपके साथ है। व्यवसाय में पदोन्नति या वृद्धि हो सकती है।

क. 229-447
मा. 455-243
6,2,9,4,60,25,90,41,14,21,13,09

गढ़ा रामलीला : बलि वध के बाद सीता की खोज में निकले राम दूत



जबलपुर, देशबन्धु। गढ़ा रामलीला के 10 वें दिन सिद्ध मंच पर जटायु मुक्ति, शबरी की नवधा भक्ति, राम सुग्रीव मैत्री, बाली वध एवं सीता की खोज लीला का मंचन हुआ। रावण के द्वारा घायल जटायु को भगवान राम ने गोद में उठाया और उन्हें पिता का सम्मान देते हुए गोध

देह तज धरि हरि रूपा, भूषण बहूपट पीत अनूपा अपने धाम अपना स्वरूप देकर पहुंचा दिया। इसके बाद शबरी गुरु आज्ञा से दीर्घकाल तक भगवान श्री राम की प्रतीक्षा कर रही थी और भगवान स्वयं उनके आश्रम दर्शन देने पहुंच गए। शबरी स्वमेव भक्ति शिरोमणि हैं

परंतु श्री राम से भक्ति के प्रकार पृथकी हैं। भगवान राम ने भक्ति के 9 प्रकार बताते हुए शबरी से कहा है गज गामिनी आप में स्वयं नौ भक्ति विद्यमान हैं। आप तो भक्ति की प्रतिमूर्ति हैं आप मुझसे सुनना चाहती हैं इसलिए मैंने आपसे कहा। इसके उपरांत शबरी के बताए हुए मार्ग पर पंपापुर पहुंचे और हनुमान ने अंगिना को साक्षी कर सुग्रीव से मित्रता कराई। इस मौके पर माला सिंह, विजयश्री मिश्रा, राजेश खरे, नारायण पटेल, संजय सेन, उर्मिला यादव, अमृता शर्मा, प्रिया सोनी, अखिलेश शर्मा, जालम सिंह, आदित्य ठाकुर, सुधा यादव, कुमारी मानसी पटेल, राजेश मिश्रा, रमाशंकर काटोर, राजेन्द्र प्यासी, अनिता मिश्रा, इंदुलता प्यासी, अशोक मनोन्ध्याय, हरीश मनोन्ध्याय, राकेश पाठक, शरद दुबे कुररिया, निलेश चौबे, लोकेश कोरी, राजेश नेमा, कैलाश नेमा, अशोक बघेल, मुकेश मिश्रा, नरेश मिश्रा, डॉ. जनीश तिवारी, रामप्रसाद पटेल, डॉ. नीना उपाध्याय, राहुल तिवारी, ठाकुर प्रसाद दीक्षित, संजु झारिया, कान्हा मिश्रा, प्रदीप गोस्वामी, अनिल दुबे, आयुश झारिया, बबलू रजक, सम्राट पांडे, शिशिर तिवारी ने पदों के पीछे रहकर अपनी भूमिका अदा कर रहे हैं।

पंजाबी दशहरा में 60 फुट ऊँचे रावण, कुंभकर्ण और मेघनाथ के पुतलों का होगा दहन



जबलपुर, देशबन्धु। पंजाबी दशहरा में इस बार 60 फुट ऊँचे विशालकाय रावण एवं कुंभकर्ण के पुतलों का दहन होगा। वहीं दूसरी ओर रोमांचकारी आतिशबाजी का प्रदर्शन किया जायेगा। प्रख्यात शिवाकाशी, भारतीय अन्य आतिशबाजी का बेजोड़ प्रदर्शन किया जायेगा। पंजाबी हिन्दू एसोसिएशन के अध्यक्ष पूर्व मंत्री (म.प्र शासन) चन्द्रकुमार भनोत, सुधीर मेहता, सचिव राजीव ओबेराय एवं मीडिया प्रभारी उमेश शर्मा पप्पू एवं नवयुवक मंडल अध्यक्ष अंशुल मलिक ने इस तरह की जानकारी पत्रकार वार्ता में दी। आगामी 23 अक्टूबर सोमवार को ग्वारीघाट आयुर्वेदिक कालेज में शाम 4.30 बजे से श्रीराम के पूजन अर्चन वंदन के साथ पंजाबी दशहरे का शुभारंभ डॉ. स्वामी नरसिंहदास महाराज, नृसिंह पीठाधीश्वर के आशीर्वाचन से शुभारंभ होगा। इस मौके पर अशोक कपूर, नर्मदा जिलेटिन के डायरेक्टर तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। चन्द्रकुमार भनोत पूर्व मंत्री के द्वारा किया जायेगा। राजीव ओबेराय, कमलेश खत्री विमला वर्मा, ऊषा खुराना, अंशुल मलिक आदि पंजाबी दशहरा समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

निधन

ईश्वर अल्लाह तेरो नाम सबका सद्गति दे भगवान

श्री मुकेश कुमार चौरसिया- गढ़ाफाटक निवासी श्री चौरसिया ट्रांसपोर्ट के संचालक श्री मुकेश कुमार चौरसिया का निधन हो गया। वे बसंत व राकेश चौरसिया के भ्राता तथा देव चौरसिया के पिता थे। अंतिम संस्कार रानीताल मोक्षधाम में किया गया। श्री राजू अहिरवार- ललपुर नई बस्ती निवासी श्री राजू अहिरवार (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मोक्षधाम में संपन्न हुआ। श्रीमती दुर्गा बाई सुर्वे- गुप्तेश्वर निवासी श्री बाबूराव सुर्वे की धर्मपत्नी श्रीमती दुर्गा बाई सुर्वे (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया। श्री पतिराम- रामपुर निवासी श्री पतिराम का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मोक्षधाम में संपन्न हुआ। कु. गुंजन बेन- फूटाताल निवासी श्री शंभू बेन की पुत्री कु. गुंजन बेन (14) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशन भूमि में किया गया। श्रीमती लक्ष्मी ठाकुर- बादशाह हलवाई मंदिर मोड़ ग्वारीघाट रोड निवासी श्री रंजीत ठाकुर की धर्मपत्नी श्रीमती लक्ष्मी ठाकुर (36) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मोक्षधाम में संपन्न हुआ। श्री प्रदीप पटेल- राधाकृष्णन वार्ड भवानी चौक निवासी श्री

प्रदीप पटेल (38) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशन भूमि में किया गया। श्री शंकर लाल पासि- गली नं. 1 सदर निवासी श्री शंकर लाल पासि (56) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मोक्षधाम में संपन्न हुआ। श्री अनंत नारायण सोनकर- चंपालाल का बाड़ा घमापुर पाटिल की धर्मपत्नी श्रीमती अंजना पाटिल (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशन भूमि में किया गया। श्री जीवन दास गुप्ता- वसुंधरा कॉलोनी चैरीताल निवासी श्री जीवन दास गुप्ता (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मोक्षधाम में संपन्न हुआ। श्रीमती गुलाब बाई ताप्रकार- दीक्षित कॉलोनी माढ़ीताल निवासी श्रीमती गुलाब बाई ताप्रकार (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मोक्षधाम में किया गया। श्री संजय कुशवाहा- पंजाब बैंक कॉलोनी चैरीताल निवासी श्री अशोक कुशवाहा के पुत्र श्री संजय कुशवाहा (42) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

आचार संहिता का पालन कराने ताबड़तोड़ कार्रवाई

स्मैक के कारोबार में लिप्त 2 आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर, देशबन्धु। एसपी ने विधान सभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुये समस्त थाना प्रभारियों एवं राजपत्रित अधिकारियों को 19-10-23 को आदर्श आचरण संहिता का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कार्यवाही के साथ साथ शहर एवं देहात में प्रभावी चौकियां लगायी जाकर चैक किये जाने हेतु आदेशित किया गया।



आदेश के परिपालन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्रीमति सोनाली दुबे, एवं नगर पुलिस अधीक्षक अधरताल श्रीमति प्रियंका करचाम के मार्ग निर्देशन में थाना पनागर की टीम द्वारा मादक पदार्थ स्मैक के कारोबार में लिप्त 2 आरोपियों को पकड़ा जाकर 6.8 ग्राम स्मैक जब्त की गयी है।

थाना प्रभारी पनागर अजय बहादुर ने बताया कि शाम बम्हनाई वायपास रोड में वाहन चेकिंग के दौरान काले रंग की पल्सर मोटर सायकिल क्रमांक एमपी 20 जेड डी 1069 का चालक चैकिंग को देखकर मोटर सायकिल मोड़ कर बापस भागने लगा जिसे घेराबन्दी कर पकड़ा गया, नाम पता पूछने पर मोटर सायकिल चालक ने अपना नाम कान्हा विश्वकर्मा उम्र 22 वर्ष निवासी बड़े जैन मंदिर के पास भगत सिंह वाई थाना पनागर बताया, चैकिंग देखकर भागने के सम्बंध में पूछताछ करते

पर कोई संतोष जनक उत्तर नहीं दिया, संदेह होने पर तलाशी ली गयी जो नीले रंग के हाफलोअर के दाहिनी तरफ की जेब में पारदर्शी प्लास्टिक की पलीथिन में मादक पदार्थ स्मैक रखे मिला, एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों के तहत कार्यवाही करते हुये मादक पदार्थ स्मैक की तोल करने 6.8 ग्राम स्मैक कीमती लगभग 70 हजार रुपये की होना पायी गयी। आरोपी से उक्त स्मैक के संबंध में पूछताछ करने पर ग्राम बघेली मोड़ नेशनल हाईवे 30 के पास खड़े भरतीपुर ओमती निवासी पंकज सोनकर से एक हजार रुपये में खरीदना बताया, आरोपी की निशादेही पर बघेली वायपास के पास दबिश देते ही जहाँ मुखबिर के बतायेनुसार पंकज

सोनकर खड़ा दिखा जो पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया जिसने नाम पता पूछने पर अपना नाम पंकज सोनकर उर्फ प्रवीण उर्फ रवि सोनकर उम्र 33 वर्ष निवासी गुरदी बजार भरतीपुर थाना ओमती बताया, जो तलाशी लेने पर दाहिने जेब में एक हजार रुपये एवं अधजली तीली व सिल्वर रैपर रखे मिला। आरोपी कान्हा विश्वकर्मा के कब्जे से 6.8 ग्राम मादक पदार्थ स्मैक एवं मोटर सायकिल क्रमांक एमपी 20 जेड डी 1069 तथा पंकज सोनकर के कब्जे से एक हजार रुपये जप्त करते हुये दोनों आरोपियों के विरुद्ध धारा 8/21, 29 एन.डी.पी.एस. एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

संदेहास्पद स्थिति में संजीवनी नगर एवं खमरिया में मिले 2 व्यक्तियों के शव

जबलपुर, देशबन्धु। थाना संजीवनी नगर में जगदम्बा किराना दुकान के सामने नमन विहार कालोनी में एक व्यक्ति का शव पड़े होने की सूचना पर थाना प्रभारी संजीवनी नगर श्री रमेश कुमार नरें, चौकी प्रभारी धनवंतरी नगर उप निरीक्षक विनोद पाठक हमराह स्टाफके पहुंचे।

जहाँ राज बहादुर सिंह उम्र 36 वर्ष निवासी नमन विहार कालोनी ने बताया कि लगभग 2 माह पूर्व उसका साला तरुण उर्फगोलू पटेल अपने गांव से उसके पास आया था और उसके साथ रह रहा था, आज वह घर से नरसिंहपुर जाने के लिये निकल गया था, पत्नी कामिनी पटेल ने बताया कि तरुण उर्फ गोलू लगभग 7-30 बजे बाल्टी लेकर गोबर लेने गया था उसके बाद सूचना मिली कि तरुण उर्फ गोलू की जांच में चोट लगी है बेहोशी हालत में पड़ा है, पत्नी कामिनी ने तरुण उर्फ गोलू को अस्पताल महावीर में चैक कराया जहाँ डाक्टर ने तरुण उर्फ गोलू पटेल उम्र 32 वर्ष निवासी ग्राम बौछार थाना ठेमी जिला नरसिंहपुर के मृत घोषित कर दिया है, वह वापस आया और देखा कि तरुण उर्फ गोलू पटेल की जांच में चोट लगकर खून निकल रहा था, बेहोशी हालत में था पुनः जांच हेतु तरुण को लेकर मेडिकल कालेज लेकर पहुंचे जहाँ डाक्टर ने चैक कर तरुण को मृत घोषित कर दिया।

घटित हुई घटना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया, सूचना पर पुलिस अधीक्षक आदित्य प्रताप सिंह के निर्देश पर नगर पुलिस अधीक्षक गोरखपुर एच. आर. पाण्डेय, एम्प्लसएल अधिकारी डॉक्टर नीता जैन पहुंचे। मृतक की जांच में पीछे तरफगहरी चोट का निशान था। मार्ग कायम कर घटित हुई घटना की विस्तृत जांच की जा रही है।

इंडिस्ट्रियल ऑफ होटल मैनेजमेंट व केन्द्रीय जेल द्वारा प्रशिक्षण

जबलपुर, देशबन्धु। न्यायमूर्ति एवं अध्यक्ष उच्च न्यायालय विधिक सेवा के मार्गदर्शन में राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण स्टेट इंडिस्ट्रियल ऑफ होटल मैनेजमेंट एवं केन्द्रीय जेल के संयुक्त तत्वाधान में बंदि्यों के हितार्थ रोजगारपरक व्यवसायिक पाठ्यक्रम के अंतर्गत 40 दिवसीय ट्रेडिशनल स्नेक्स एंड सेवरी मैकर का प्रशिक्षण केन्द्रीय जेल जबलपुर के प्रांगण में प्रारंभ हुआ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में नामांकित 50 डॉट बंदि्यों को 40 व्यंजन संबंधी विधाओं का ज्ञान एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया जा कर दक्ष बनाया जायेगा ताकि वे जेल से मुक्त हो सार्थक रोजगार प्राप्त कर सकें साथ ही प्रशिक्षण प्राप्त बंदि्यों को प्रशिक्षण उपरांत स्टेट इंडिस्ट्रियल ऑफ होटल मैनेजमेंट एवं पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रमाण पत्र एवं मानदेय का भी भुगतान किया जायेगा। बंदि्यों को प्रशिक्षण स्टेट इंडिस्ट्रियल ऑफ होटल मैनेजमेंट जबलपुर से फैकल्टी श्री दीपक उग्रोती एवं श्री मयंक चौबे एवं अन्य द्वारा दिया जा रहा है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में दंडिंदर पाल सिंह सोढ़ी प्राचार्य स्टेट इंडिस्ट्रियल ऑफ होटल मैनेजमेंट का विशेष सहयोग रहा। अवगत होवे कि अध्यक्ष मप्र विधिक समिति, जबलपुर माननीय न्यायाधिपति मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल के निर्देशन में तथा प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के तत्वाधान में केन्द्रीय जेल में परिरूद्ध डॉट बंदि्यों के हितार्थ व्यवसायिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिसके अनुक्रम में ही औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के माध्यम से आर्क वेल्टिंग प्रशिक्षण शासकीय कलात्मिक तन पॉलीटेकनिक महाविद्यालय के माध्यम से डेस्कटॉप पब्लिशिंग प्रशिक्षण तथा शासकीय महिला कलात्मिक तन पॉलीटेकनिक महाविद्यालय जबलपुर के माध्यम से फेंशन डिजाइनिंग एवं फ्रेन्ड्रिक्शन प्रशिक्षण प्राप्त दिया गया है। साथ ही स्टेट इंडिस्ट्रियल ऑफ होटल मैनेजमेंट जबलपुर द्वारा 40 दिवसीय ट्रेडिशनल स्नेक्स एंड सेवरी मैकर प्रशिक्षण एवं 30 दिवसीय हलवाई प्रशिक्षण प्रदाय किया गया है।

प्रताड़ित करने वाले आरोपी पति के विरुद्ध प्रकरण दर्ज

जबलपुर, देशबन्धु। थाना अधरताल में शिवांगी साहू प उम्र 29 साल निवासी टेलीग्राम गेट नंम्बर 01 रानीताल थाना लार्डगंज वर्तमान पता जयप्रकाश नगर दुर्गा मंदिर के पास शांता विश्वकर्मा का मकान थाना अधरताल ने बताया कि उसकी शादी दिसम्बर 2016 में हुयी है पति कैमरे लगाने का काम करते हैं।

शादी के कुछ दिन बाद से ही पति प्रशांत साहू आये दिन घरलू बातों को लेकर झगडा विवाद करते हैं तथा बोलते हैं कि तेरे पिता ने शादी मे मुझे कुछ दहेज नहीं दिया है, आये दिन शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित

करते थे तब हम लोगों ने किराये का मकान लेकर जयप्रकाश नगर में रहने लगे। 14 अक्टूबर को शाम लगभग 4 बजे पति घर आये और बोले कि मायके से 50 हजार रुपये लेकर आओ उसने मना किया तो पति घर से जेवर एवं पुत्री याशिका साहू को लेकर घर रानीताल चले गये।

शिकायतकर्ता मां निर्मला साहू के साथ निवास करने की मजबूर हैं। करने आयी है रिपोर्ट पर आरोपी पति प्रशांत साहू के विरुद्ध धारा 498ए भादवि 3,4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

देशी पिस्टल, रिवाल्वर और कारतूस के साथ 2 गिरफ्तार

जबलपुर, देशबन्धु। चुनाव को देखते हुये अपराधियों की धरपकड़ शुरू कर दी है।

थाना प्रभारी मझौली कमलेश चौरिया ने बताया कि फ्राईम ब्रांच को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली थी, जिसमें सलमान खान निवासी पठानी मोहल्ला मझौली का कटंगी रोड मझौली में शनि मंदिर बोर्ड के सामने काले सफेद रंग की लाइन वाली शर्ट एवं जीन्स पहने अपनी कमर में एक देशी पिस्टल खोसे हुये खड़ा है। सूचना पर फ्राईम ब्रांच एवं थाना मझौली की संयुक्त टीम द्वारा कटंगी रोड मझौली में शनि मंदिर बोर्ड के पास दबिश दी जहाँ मुखबिर के बताये हुलिये का व्यक्ति खड़ा दिखा जो पुलिस को देखकर भागने लगा जिसे घेराबंदी कर पकड़ा एवं नाम पता पूछा जिसने अपना नाम सलमान खान उम्र 30 वर्ष निवासी पठानी मोहल्ला वार्ड 4 थाना मझौली बताया जो तलाशी लेने पर अपनी पैंट की कमर में 1 पिस्टल



फ्राईम ब्रांच तथा थाना मझौली एवं थाना लार्डगंज पुलिस की कार्यवाही

खोसे एवं पैंट के जेब में 1 कारतूस रखे मिला, सलमान खान द्वारा जिला दण्डाधिकारी के आदेश का उल्लंघन करना पाये जाने पर धारा 188 भादवि एवं धारा 25, 27 आरम्भ एक्ट के तहत कार्यवाही की गयी।

वहीं थाना प्रभारी लार्डगंज प्रतीक्षा मार्को ने बताया कि शताब्दीपुरम में एक ब्लाक में

एक व्यक्ति अवैध रूप से रिवाल्वर रखे है सूचना पर फ्राईम ब्रांच एवं थाना लार्डगंज की संयुक्त टीम द्वारा मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश दी गई जहाँ एक ब्लाक के फ्लोरो में टेबल में एक व्यक्ति बैठा मिला जो पुलिस को देखकर कुछ सामान टेबल के नीचे खिसकाते दिखा, जिसने नाम पता पूछने पर अपना नाम सुनील डहरवाल उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम बोरमारा तहसील कुरई थाना कुरई जिला सिवनी बताया एवं टेबल के नीचे खिसकाये हुये सामान को चैक करने पर गोल्डन रंग की रिवाल्वर होना पायी गयी।

तलाशी लेने पर एक रियलमी कम्पनी का मोबाइल रखे मिला जिसके व्हाटसअप नम्बर पर एक पिस्टल व्हाटसअप करना एवं विक्रय किये जाने के संबंध में चेट होना पाया गया रिवाल्वर जप्त करते हुये आरोपी के विरुद्ध थाना लार्डगंज में का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

जुए के फड़ पर छापा, 12 जुआड़ी गिरफ्तार, 87 हजार रुपये एवं 17 मोबाईल जप्त



जबलपुर, देशबन्धु। थाना प्रभारी लार्डगंज श्रीमति प्रतीक्षा मार्को ने बताया कि राज किराना स्टोर्स के पास स्ट्रीट लाइट के खम्बे के नीचे कुछ लोग ताश पत्तों पर हारजीत का दाव लगाकर जुआ खेल रहे हैं की जानकारी मिलने पर कोतवाली सभाग चेक रहते एवं ओमती सभागिय चेकगस्त एवं कंट्रोल रूम रिजर्व बल की संयुक्त टीम द्वारा मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश देते हुये घेराबंदी कर, जुआ मन्ना खेल रहे जुआरी विशाल खरे निवासी पुष्पनगर थाना लार्डगंज, निशांत उसरेटे निवासी झण्डा चौक थाना पानउमरिया कटनी, शैकी पटेल वर्ष निवासी न्यू आदर्श कालोनी थाना लार्डगंज, मयूर पटेल निवासी पूरन डेरी के सामने थाना लार्डगंज, रिक् टाकुर निवासी पार्क अपार्टमेंट थाना सिविल लाइन, यश जैन निवासी बड़ा फुहारा थाना कोतवाली, संतोष झारिया निवासी झारिया मोहल्ला थाना गढा, राहुल पटेल निवासी संजय नगर थाना लार्डगंज, अभिषेक पटेल निवासी मातेश्वरी मंदिर के पास जयनगर थाना लार्डगंज, आदित्य शर्मा निवासी कोश मोहल्ला हनुमानताल, आशीष विश्वकर्मा वर्ष निवासी जयनगर थाना लार्डगंज, अमन पटेल वर्ष निवासी छोटी उखरी मातेश्वरी मंदिर के पास पकड़ा गया। जुआरियों के पास एवं फड़ से ताश के 52 पते तथा 87000 रुपये एवं 17 नग मोबाइल जप्त करते हुये जुआड़ियों के विरुद्ध धारा 13 जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

रेलवे के स्काउट एवं गाइड ने प्रस्तुत किया नुकड़ नाटक धोखा सिंह



जबलपुर, देशबन्धु। पश्चिम मध्य रेलवे में जारी सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत आज शुक्रवार को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के प्रांगण में मंडल रेल प्रबंधक श्री विवेक शील के मुख्य अतिथि में रेलवे के स्काउट एवं गाइड के सदस्यों के द्वारा नुकड़ नाटक का मंचन किया गया।

रेलवे परिसर में आयोजित इस नुकड़ नाटक धोखा सिंह के माध्यम से प्रशासनिक तंत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार के संबंध में शानदार ढंग से संदेश दिया जा। कार्यक्रम में अरुण मंडल रेल प्रबंधक द्रय प्रदीप कुमार, आनंद कुमार, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी सुबोध विश्वकर्मा वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियरमनीष पटेल, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर जे. पी. सिंह, वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक यशवंत कुमार, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक राजेश शर्मा एवं सभी विभागों के विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारीगण बर्गी संख्या में उपस्थित थे नाटक में स्काउट एवं गाइड के आत्मानंद श्रीवास्तव, अनिल पाली, संजीव तिवारी, रजनीश यादव, कृष्णा उपाध्याय, ज्ञानेश, विनीता धाक, जगदीप पाण्डेय आदि की भूमिका प्रशान्नीय रही। नाटक के उपरांत अपने संबोधन में डी आर एम श्री शील ने इस नाटक को भ्रष्टाचार पर एक प्रहार बताते हुए इसकी प्रशंसा की।

भूमि-अधिग्रहण के बदले किसी और को नौकरी देने के आरोप में कोर्ट सरत



वैतन व अन्य भुगतान पर लगाई रोक, शपथपत्र पर मांगा जवाब

जबलपुर, देशबन्धु। मप्र हाईकोर्ट ने भूमि अधिग्रहण के बदले किसी और को नौकरी दिये जाने का आरोप लगाने वाले मामले को सरखी से लिया। जस्टिस विवेक अग्रवाल की एकलपौठ ने मामले में नार्दन कोल फोल्ड्स लिमिटेड को निर्देशित किया कि याचिका लंबित रहने तक तेज प्रताप सिंह नामक कर्मचारी को वैतन आदि का भुगतान न किया जाये। एकलपौठ ने एनसीएल को दो सप्ताह में शपथपत्र पर जवाब पेश करने के निर्देश दिये हैं। यह मामला सिंगरौली निवासी मोहन सिंह की ओर से दायर किया गया है। जिसमें कहा गया कि एनसीएल ने उनके पिता की जमीन

अधिग्रहीत की थी। जिसके बदले परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने का प्रबंधन किया गया था। आरोप है कि जमीन के मालिक के पुत्र याचिकाकर्ता मोहन सिंह को नौकरी न देकर अवैध रूप से तेज प्रताप सिंह को नौकरी दे दी गई। वहाँ एनसीएल के अधिकारियों का दावा है कि जमीन मालिक के सहमति पत्र के आधार पर तेज प्रताप सिंह को नौकरी दी गई थी। जिस पर आवेदक की ओर से मांग की गई थी एनसीएल के अधिकारी वह सहमति पत्र प्रस्तुत करें। लेकिन वे ऐसा नहीं कर पा रहे हैं। हाईकोर्ट ने पूर्व सुनवाई पर सख्त हिदायत दी थी कि यदि सहमति पत्र पेश नहीं किया गया तो एनसीएल के चीफ मैनेजिंग डायरेक्टर, महाप्रबंधक (भर्तौ राजस्व सेल) व महाप्रबंधक (भूमि व राजस्व सेल) के आचरण की जांच के लिए चीफ विजिलेंस कमिश्नर को निर्देश दिए जायेंगे। इससे पूर्व एनसीएल की ओर से कहा गया कि इस मामले में जांच की गई है और तेज प्रताप के खिलाफ कुछ भी गलत नहीं मिली है। जिसके बाद न्यायालय ने सीबीआई जांच के विकल्प को खुला रखते हुए दो सप्ताह में शपथ पत्र पर जवाब पेश करने के निर्देश दिये हैं। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अरविंद पाठक ने पक्ष रखा।

मुंग दाल घोटाले में एफआईआर के आदेश पर रोक

जबलपुर कलेक्टर सहित अन्य से मांगा जवाब

जबलपुर, देशबन्धु। हाईकोर्ट ने अपने अंतरिम आदेश से मुंग दाल घोटाले मामले में कलेक्टर के उस आदेश पर रोक लगा दी है, जिसमें दो लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किये जाने के निर्देश दिये थे। जस्टिस संजय द्विवेदी की एकलपौठ ने कहा कि मामले की आगामी सुनवाई तक कोई कार्रवाई न की जाये। इसके साथ ही एकलपौठ ने मामले में खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षक विभाग के प्रमुख सचिव, कलेक्टर जबलपुर व अन्य को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने के निर्देश दिये हैं। यह मामले में ज्वलपुर की ग्यारसपुर फार्म प्रोड्यूसर कंपनी के अनुपम अग्रवाल और सहकारी विपणन समिति सहोरा के नीलेश मिश्रा की ओर से दायर किये गये थे। जिनकी ओर से कहा गया कि मुंग दाल आपूर्ति में अनियमितता के आरोप में कलेक्टर ने 13 अक्टूबर 2023 को डिस्ट्रिक्ट मार्केटिंग ऑफीसर को उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए थे। आवेदकों की ओर से कहा गया कि याचिकाकर्ताओं ने कोई अनियमितता या गड़बड़ी नहीं की है। खाद्य सामग्री को बारिश से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखा था और उसकी जानकारी संबंधित अधिकारियों को भी दी गई थी। इसके बावजूद एफआईआर के आदेश देना अनुचित है। सुनवाई पश्चात् न्यायालय ने उक्त अंतरिम आदेश देते हुए अनवेदकों को जवाब पेश करने के निर्देश दिये हैं। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता आनंद ज्योतिषी ने पक्ष रखा।

छ: माह में पमरे की ऑरिजनेटिंग रेवेन्यू 4084 करोड़ 10 लाख रुपये

जबलपुर, देशबन्धु। पश्चिम मध्य रेल महाप्रबंधक के मार्गदर्शन में और प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक एवं प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक के निर्देशन में तथा वाणिज्य/परिचालन विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा कार्य करते हुए रेल राजस्व बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। इसी तारक्य में चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 के छः माह में पमरे को कुल रुपये 4084 करोड़ 10 लाख का राजस्व (ऑरिजनेटिंग रेवेन्यू) प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष की इसी अवधि में प्राप्त राजस्व रुपये 3780 करोड़ 21 लाख से 08 प्रतिशत से अधिक है। इस तरह यदि मद वाइस आय पर नजर डालें तो चालू वित्तीय वर्ष के छः माह यानी अप्रैल से सितम्बर 2023 तक पमरे की ऑरिजनेटिंग रेवेन्यू के अंतर्गत यात्री यातायात से रुपये 1207 करोड़ 90 लाख, माल यातायात से रुपये 2696 करोड़, अन्य कोचिंग मद में रुपये 76 करोड़ 64 लाख एवं विविध आय यानि सड़की से रुपये 103 करोड़ 56 लाख का रेलवे राजस्व प्राप्त किया है। इस प्रकार अकेले सितम्बर माह को वाक करे तो पमरे की ऑरिजनेटिंग रेवेन्यू के अंतर्गत यात्री यातायात से रुपये 199 करोड़ 24 लाख, माल यातायात से रुपये 393 करोड़ 24 लाख अन्य कोचिंग मद में रुपये 11 करोड़ 96 लाख एवं विविध आय यानि सड़की से रुपये 11 करोड़ 98 लाख का रेलवे राजस्व प्राप्त किया है।

लोकायुक्त ने पांच हजार की रिश्त लेते पटवारी को दबोचा

भूमि से नाम अलग न करने के एवज में मांगी थी 15 हजार की रिश्त



फरियादी आरोपी

रीवा, सतना देशबन्धु। लोकायुक्त रीवा पुलिस ने तस्सील रामपुर बाटोलान के डेप्युटी के पटवारी को शेर के पीके स्कूल के पीछे से पांच हजार रुपये की रिश्त लेते हुए धर दबोचा। शिकायतकर्ता की भूमि से नाम अलग न करने के एवज में 15 हजार की रिश्त मांगी गई थी। पांच हजार की रिश्त लेते अपने निवास में आरोपी पटवारी पकड़ा गया। जिसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर मामले को जांच में लाया गया है। तत्संबंध में मिली जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता अजय कुमार साहू पिता शेरिलाल साहू निवासी ग्राम उमरिल चोरमारी तस्सील रामपुर बाटोलान

पांच हजार के रूप में पत्नी किस्त ली जा रही थी। कार्यवाही का नेतृत्व डीएसपी राजेश खड़े, जिराईक जियाउल हक सहित 12 सदस्यीय टीम मौजूद रही। आरोपी पटवारी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर मामले को जांच में लाया गया है। पांच हजार लेते पटवारी गिरफ्तार: एसपी लोकायुक्त एसपी लोकायुक्त गोपाल सिंह धाकड़ ने बताया कि आरोपी पटवारी संतोष कुमार सतनामी ने शिकायतकर्ता से उसका नाम उसकी जमीन से हटाने का डर दिखाया और नाम न काटने के एवज में रिश्त की मांग की। 15 हजार रुपये मांगे थे और 5 हजार पत्नी किस्त रिश्त लेते हुए आरोपी पकड़ा गया है। जिसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

नगर में शंकर कॉलोनी की मनमोहक झांकी को देखने उमड़ रहे भक्त

गोसलपुर, देशबन्धु। सिहोरा तहसील के गोसलपुर कस्बे के अंतर्गत आने वाली शंकर कॉलोनी में स्थापित अष्टभुजी माता जगत जननी की प्रतिमा स्थापित करने का स्वरूप हर वर्ष आयोजन समिति द्वारा बदला जाता है। शंकर कॉलोनी में एकता की मिशाल के चलते मात्र एक ही दुर्गा प्रतिमा स्थापित की जाती है। यह निरंतर उन्तीस वर्षों से स्थापित की जाती है।

शंकर कॉलोनी निवासी समाजसेवी राजेंद्र सिंह परिहार ने बताया की 1994 से हमारे द्वारा छोटी सी इस कॉलोनी में मां जगत जननी की प्रतिमा स्थापित कर इसकी शुरुआत की गई थी। प्रथम वर्ष गोसलपुर में निर्मित जगत जननी की प्रतिमा 2100 रुपये में खरीदी गई थी उन्होंने यह भी बताया की पहले समिति के पदाधिकारियों द्वारा रामरागर तालाब में पानी के भीतर मंच लगाकर माता जगत जननी की स्थापित किया जाता था। पुल के माध्यम से श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचते थे जो गोसलपुर क्षेत्र में एक अनोखा आकर्षण का केंद्र कहलाता था फिर शिव मंदिर के बाजू से प्रतिमा स्थापित हुई, इसके बाद अब पुराने राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे भव्यता के साथ प्रतिमा स्थापित की गई है आपको बता दें की समिति द्वारा हर वर्ष कुछ अलग व नया कार्यक्रम किया जाता है। यहां पर माता जगत जननी की दो पहर यानि सुबह-शाम होने वाली आरती में शंकर कॉलोनी के हर घर से माताएं बहने बच्चे पुरुष शामिल होते हैं आरती



में उपस्थित जन समूह यहां की पहचान होती है शिवशक्ति दुर्गासव समिति शंकर कॉलोनी के पदाधिकारी ने अनुशासन व संस्कारित ढंग से प्रतिमा स्थापित करने व विसर्जन करने में अनेक सम्मान पत्र भी हासिल कर चुके हैं। पंचमी सप्तमी नवमी की महा आरती कुछ विशेष होती है। ढोल नगाड़ा गाजा बजा आतिशबाजी के साथ होने वाली है महा आरती अपने आप में एक चर्चा का विषय रहती है, जहां अपार जन समूह इस महा आरती में उमड़ता है समिति द्वारा दिल खोलकर प्रसाद वितरण किया जाता है।

इनका रहता है विशेष सहयोग इस पर्व में प्रारंभ से बहादुर सिंह परिहार रामकुमार साहू रवि तिवारी जयकुमार राय दीपक खटीक राजकुमार राय प्रदीप तिवारी गुड्डा ठाकुर पंडा राजेंद्र तिवारी शिवम सिंह राजपूत अंकित सिंह राजपूत रोहन सिंह जमुना साहू मोहनलाल साहू गणेश राय अबधभूषण दुबे जतिन नरेश खटीक बलू सोनी रोहित सेन सुरेश तंतुवाय बिहारी लाल रजक बलराम पटेल चनश्याम उपाध्याय सुरेंद्र पाटसकर झलत् पाठक मनीष राय पवन वर्मन गनेश राय का सराहनीय योगदान रहता है।

सार-समाचार



हाईटेंशन लाइन को छू रहा पेड़ शिकायत करने के बाद भी नहीं जाग रहा बिजली विभाग

बरेला, देशबन्धु। दुर्घटनाओं के बाद ही शासकीय अमला जागृत होता है शिकायत करने के पश्चात भी आम आदमी यहां वहां भटकता रहता है और शासकीय विभाग दुर्घटना का इंतजार करता रहता है इसका प्रत्यक्ष प्रमाण वार्ड नंबर 10 स्थित संजु साहू के मकान के पास लगा हुआ एक पेड़ जो की. हाई टेंशन लाइन को सपर्श रहा है जिसके कारण इस पेड़ में करंट आने की आशंका बनी रहती है तथा लोगों को बड़ी दुर्घटना होने की भी आशंका बनी हुई है। स्थानीय निवासियों संजु साहू, सुरेंद्र पाठक, राजकुमार विश्वकर्मा का कहना है कि इस संबंध में उन्होंने विद्युत मंडल के लाइनमैन से लेकर जे ई तक. सभी लोगों को इस समस्या से अवगत कराया है किंतु अभी तक अधिकारियों कान में जू तक नहीं रेंगी है जिसके कारण स्थानीय लोगों के मन में शंका का वातावरण बना हुआ है। शायद विद्युत मंडल के आला अधिकारी भी किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रहे हैं. तब कहीं जाकर वह कुंभकरण निद्रा से जाएंगे. इस संबंध में जब विद्युत मंडल के जे ई पी पी सिंह से संपर्क किया गया तो उन्होंने फोन ही रिसीव नहीं किया।

प्राथमिक शाला माल्हा स्कूल के बच्चों ने की मातारानी की आरती और पूजन



गांधीग्राम, देशबन्धु। वर्तमान में नवरात्रि के अवसर पर तेरी मां की भक्ति की शंभू धूम मची हुई है लोग सुबह और शाम के समय माता रानी की आरती के लिए वह पूजन के लिए एकत्रित हो रहे हैं इसी क्रम में ग्राम पंचायत गांधी ग्राम के अंतर्गत आने वाली शासकीय प्राथमिक शाला माल्हा के बालक बालिकाओं ने ग्राम वासियों के सहयोग से रखी गई गांव में अष्टभुजी माता रानी की के दर्शन पूजन अर्चन किया। इसका अवसर पर शाला के प्रधानाध्यापक उत्तम तिवारी शिक्षिका श्रीमती शशि लखेरा आरती दुबे उपस्थित रहे।

नवरात्र पर हो रहे विविध आयोजन

पनागर, देशबन्धु। नगर में नवरात्रि के पावन पर्व पर धर्मयु वातावरण बना हुआ है दुर्गा समितियों द्वारा विविध कार्यक्रम भी किया जा रहे हैं अपनी परंपरा के अनुसार नगर में लगभग 25 स्थान पर विशाल प्रथम स्थापित की गई है उपरोक्त प्रतिमा बस स्टैंड स्थित वाहेगुरु समिति के द्वारा विशाल शेरवाली माता की स्थापना की गई है जो नगर में दर्शनार्थियों का केंद्र बिंदु बनी हुई है वहीं विद्यासागर वार्ड स्थित गुडहाय तिराहा में शेरवाली माता की भव्य प्रतिमा स्थापना की गई जो नगर में जनता के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है भक्ता दर्शन कर पुण्य लाभ ले रहे हैं नगर में भरपूर सजावट की गई है

पन्नालाल चौबे का निधन

गांधीग्राम, देशबन्धु। ग्राम देवनगर निवासी प्रतिष्ठित चौबे परिवार की पन्नालाल चौबे का लगभग 98 वर्ष की आयु में निधन हो गया। अंतिम संस्कार उनके पुत्र नरेंद्र चौबे ने किया। अन्त्येष्टि मुक्तिधाम देवनगर में हुई। आप नरेंद्र, कुंजबिहारी, अवध बिहारी चौबे के पिता थे।

गोसलपुर में कांग्रेस प्रत्याशी का आगमन, कार्यकर्ताओं की हुई बैठक

गोसलपुर, देशबन्धु। शुक्रवार को गोसलपुर में कांग्रेस की सिहोरा विधानसभा प्रत्याशी एकता ठाकुर का आगमन हुआ जिसमें सभी वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के साथ बैठक का आयोजन किया गया सभी ने जीत का संकल्प लिया एवं एकता ठाकुर विधायक बना कर सिहोरा विधानसभा की आवाज मध्य प्रदेश के विधानसभा पटल में पहुंचाने का संकल्प लिया एवं कमलनाथ को मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लिया जिसमें जिला अध्यक्ष नीलेश जैन ने उद्बोधन के दौरान भावपा सरकार पर आरोप लगाया की हर आदमी हर वर्ग कर्म में चला जा रहा है आने वाली पीढ़ियों को इसका नुकसान झेलना पड़ेगा। हम सबको, जिसमें एकता ठाकुर ने आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार की इतनी कुरीतिया हैं की दिन भर कम पड जाएगा जनता एवं कर्ताओं से रूबरू हो कर हम कार्य में लग जाये हमारी जीत सुनिश्चित है हम सब मिलकर जनता की सेवा करेंगे। इस अवसर पर पार्टी के वरिष्ठ नेता पार्षद राजेश चौबे मोहन चौरसिया जिला महासचिव युथ कांग्रेस सत्येंद्र पांडेय राजीव तिवारी अग्रवाल अशोक विष्कर्मा मुकेश तिवारी रिकू श्रीवास् विनोद पटेल मोहित मिश्रा एवं समस्त नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



पूर्व महापौर विश्वनाथ दुबे की पुण्यतिथि पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

पनागर, देशबन्धु। शहर के विकास पुरुष पूर्व महापौर विश्वनाथ दुबे जी की पुण्य तिथि पर युवा सेवा संगठन द्वारा पंडित कुंजी लाल दुबे सरस्वती शिशु मंदिर सुंदरपुर में बृहद स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय बच्चों के साथ सेकड़ों ग्रामीणों का दंत परीक्षण किया गया। संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष सुमित भाई यादव ने कहा की परम श्रद्धेय दुबे जी ने शहर में अनेकों विकास कार्य किए जो आज मौल का पत्थर साबित हो रहे हैं। दुबे जी का हमेशा प्रयास गरीब, मध्यम वर्ग के बच्चों से एक विशेषण लगाव रहा वे हमेशा शिक्षा और स्वास्थ्य पर ध्यान देते थे उनका मानना था की अगर देश को बदलना है। तो सिर्फ शिक्षा और स्वास्थ्य के माध्यम से ही बदला जा सकता है। इस अवसर पर हितकारिणी डेंटल कालेज से निदेशक डॉ. धीरावाणी एवं डीन डॉ. रोहित मिश्रा के मार्गदर्शन में डॉ. सिद्धि हाथीवाला, डॉ. निहारिका बेंजामिन और डॉ. अविनाश बोस व अन्य डॉक्टर की टीम ने छत्र छात्राओं का दंत परीक्षण किया विद्यालय व्यवस्थापक भरत भाई पटेल, नारायण प्रसाद यादव, विद्यालय प्राचार्य विक्रम सिंह के साथ विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।

64 लीटर अवैध शराब जप्त, अवैध मदिरा के 5 प्रकरण दर्ज

नरसिंहपुर, देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन-2023 के मद्देनजर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री श्रजु ऋजू बाफना के निर्देशानुसार आबकारी विभाग द्वारा जिले में अवैध मदिरा के संग्रहण, परिवहन व विक्रय के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत 19 अक्टूबर को जिले में 7 स्थानों पर आबकारी विभाग द्वारा छापेमारी की कार्यवाही की गई। इस दौरान 64 लीटर अवैध शराब जप्त की गई। जप्त की गई सामग्री का अनुमानित मूल्य 20 हजार 945 रुपये हैं। अभियान के दौरान अवैध मदिरा से संबंधित 5 आपराधिक प्रकरण दर्ज किये गये। ये प्रकरण मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 के प्रावधानों के तहत दर्ज किये गये। विधानसभा नरसिंहपुर के अंतर्गत 2 स्थानों से 3 हजार रुपये की कुल 30 लीटर अवैध शराब जप्त की गई। इस दौरान एक आपराधिक प्रकरण दर्ज किया गया। इसी तरह विधानसभा क्षेत्र गोटेगांव के अंतर्गत 3 स्थानों से 7065 रुपये की कुल 16 लीटर अवैध शराब जप्त की गई। इस दौरान 2 आपराधिक प्रकरण दर्ज किया गया। विधानसभा क्षेत्र गाडवारा के अंतर्गत 2 स्थानों से 10 हजार 880 रुपये की कुल 18 लीटर अवैध शराब जप्त की गई। इस दौरान 2 आपराधिक प्रकरण दर्ज किया गया।

शराब पीने से मना करने पर पति ने पत्नी पर किया प्राण घातक हमला

पति को आजीवन कारावास अनूपपुर, देशबन्धु। द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश अनूपपुर आरण्णीपेवेतिया की न्यायालय ने थाना जैतहरी के अपराध की धारा 307ए 325 भादवि के 50 वर्षीय आरोपी राम सिंह गोंड निवासी खोडरी टिकराटोला को दोषी पाते हुए आजीवन कारावास एवं पांच हजार रूप्य अर्धदण्ड की सजा सुनाई। पैरवी लोक अभियोजक पुष्पेन्द्र कुमार मिश्रा ने की। लोक अभियोजक ने शुक्रवार को बताया कि घटना 24 जून 2022 को ग्राम टिकरी टोला खोडरी निवासी श्याम बाई पुत्री सुनीता बाई एवं पुत्र भवर सिंह रोज की तरह रात में सुनीता बाई एवं भवर सिंह अपने कमरे में सोने चले गये और उसी समय उसका पति आरोपित मंदिरा सेवन कर घर आया जिस पर श्याम बाई ने पति को मदिरा पीकर न आने के संबंध में कहा। इसी बात को लेकर पति ने जान से मारने की नियत से टिंगिया उठाकर उस पर प्रहार किया। जिससे सिर जबड़े और कान के पास चोट आने पर श्याम बाई ने आवाज लगाई और बेहोश हो गई। आवाज सुनकर पुत्री सुनीता बाई एवं उसका पुत्र भवर सिंह मौके पर आये तो मां श्याम बाई चोट ग्रस्त देखते हुए चाचा को सूचना देते हुए मां को लेकर पुलिस चौकी वेंकटनगर पहुंचे जहां पर पुत्री सुनीता बाई उसको मां के साथ घटित घटना की शिकायत दर्ज करायी जिसके आधार पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लीते हुए सबूत जमा कर आहत एवं साक्ष्यों के कथन लेकर आरोपित को अभिरक्षा में लेकर अनुसंधान पूर्ण होने के पश्चात अभियोग पत्र न्यायालय में पेश किया गया।



असंतुष्ट कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रत्याशी पर लगाए उपेक्षा के आरोप

पाटन, देशबन्धु। उपेक्षा के शिकार पाटन विधानसभा के कांग्रेस कार्यकर्ताओं के द्वारा नाहन देवी में एक बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें विधानसभा टिकट मांग रहे वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजेश तिवारी (गुरु) डा. विक्रम सिंह, दुर्गेश पटेल, अधिवक्ता वबू यादव, प्रदीप पटेल, दिनेश पटेल उक्त बैठक में मौजूद रहे। बैठक में राजेश तिवारी ने बताया कि हम सभी कांग्रेस पार्टी के सच्चे सिपाही हैं और हम सभी ने पार्टी के लिए अपना जीवन खपा दिया है, लेकिन वर्तमान कांग्रेस प्रत्याशी नीलेश अवस्थी ने अभी तक किसी भी कार्यकर्ता एवं कांग्रेस के नेताओं से संपर्क नहीं किया है। कार्यकर्ताओं के साथ वरिष्ठ नेताओं की भी उपेक्षा की जा रही है, वहीं दुर्गेश पटेल ने बैठक में कहा कि हम कांग्रेस प्रत्याशी के धन के भूखे नहीं हैं। यदि कांग्रेस प्रत्याशी का यही गैर जिम्मेदार बवैया रहा तो कांग्रेस पार्टी का निष्ठावान कार्यकर्ता अपने घर में बैठ जाएगा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डा. विक्रम सिंह ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में किसका कितना प्रभाव है इसका आकलन जनता जनार्दन को करने दीजिए, रही बात प्रभाव की तो आप अपने मझौली क्षेत्र में कितना प्रभाव है यह आपकी पिछली हार से साफ है कि हम सम्मान के



भूखे हैं। उन्होंने कहा कि मैं तीन दशकों से राजनीति में हूँ। राजनीति मेरा पेशा नहीं है। मैं किसान हूँ और मेहनत करके अपना और अपने परिवार का जीवन यापन कर रहा हूँ आपके द्वारा इसी तरह कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं की उपेक्षा होती रहेगी तो सभी अपने-अपने घरों में बैठ जाएंगे, इसलिए विचार आपको करना है। हम जैसे कांग्रेस के निष्ठावान कार्यकर्ता को नहीं करना है। उक्त बैठक में विधानसभा क्षेत्र के लगभग एक हजार कार्यकर्ता बैठक में उपस्थित रहे।

पनागर में विराजी मां जगतजननी की मनमोहक प्रतिमा



गाजा युद्ध में भी भारत को अपने पुराने स्टैंड पर कायम रहना चाहिए: मायावती

इजरायल ने गाजा के पास तैनात किए एंटी-ड्रोन केज से लैस टैंक

तेल अवीव, (एजेंसिया)। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि संभावित जमीनी हमले से पहले गाजा के बाहर इकट्ठा हो रहे इजरायली टैंकों को एंटी-ड्रोन केज से लैस किया गया है, जिसका रूस-यूक्रेन युद्ध में बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया गया था। यरूशलम पोस्ट को रिपोर्ट के अनुसार, वाशिंगटन पोस्ट ने संशोधित कवरींग वाले इजरायली टैंकों को तस्वीरें साझा की हैं, जिनका उद्देश्य वाहन के अंदर सैनिकों को ड्रोन से गिराए गए किसी भी विस्फोटक से बचना है। सेंटर फॉर स्ट्रेटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज के एक



फुटबॉलर मोहम्मद सलाह ने किया 'नरसंहार' खत्म करने का आह्वान

काहिरा। मिस्र और लिबरियल कप्तान फुटबॉलर मोहम्मद सलाह ने गाजा में 'नरसंहार' खत्म करने का आह्वान करते हुए कहा है कि इजरायल को ओर से घेरे गए फिलिस्तीनी क्षेत्र में मानवीय सहायता तुरंत पहुंचानी जानी चाहिए। गौरतलब है कि गाजा शहर के अल-अहली अरब अस्पताल में रॉकेट विस्फोट में लगभग 500 लोगों की मौत के बाद बढ़ते आक्रोश के बीच 31 वर्षीय लिबरियल फारवर्ड ने बुधवार को गहराते इजरायल-गाजा संघर्ष पर अपनी बात रखी। फिलिस्तीनी अधिकारियों का हालांकि यह कहना है कि यह रॉकेट विस्फोट इजरायली हवाई हमले के कारण हुआ था। इस पर इजरायल ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह विस्फोट फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद (पीआईजे) सशस्त्र समूह द्वारा लॉन्च किए गए रॉकेट के लक्ष्य भेदने में विफल रहने के कारण हुआ था।

सार संक्षेप

मद्रास हाई कोर्ट से सेंथिल बालाजी की जमानत याचिका खारिज

चेन्नई। मद्रास हाई कोर्ट ने गुरुवार को जेल में बंद तमिलनाडु के विना विभाग के मंत्री सेंथिल बालाजी की जमानत याचिका खारिज कर दी। बालाजी को 14 जून को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया था। बालाजी ने स्वास्थ्य आधार पर जमानत के लिए आवेदन किया था। न्यायमूर्ति जी. जयचंद्रन ने ईडी की इस दलील के आधार पर जमानत देने से इनकार कर दिया कि वो एक प्रभावशाली व्यक्ति हैं और अगर उन्हें जमानत दी गई तो वो सबूतों के साथ छेड़छाड़ कर सकते हैं और गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं। जज ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ए.आर.एल. सुंदरेशन और विशेष लोक अभियोजक एन. रमेश की दलील पर भी विचार किया जो ईडी की ओर से पेश हुए थे। उन्होंने बताया कि सेंथिल बालाजी चार महीने की कैद के बाद भी राज्य कैबिनेट में मंत्री हैं और यह अपने आप में स्पष्ट प्रमाण है कि वो अत्यधिक प्रभावशाली हैं।

तेलंगाना कांग्रेस ने सिंगरेनी कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करने का किया वादा

भूपालपल्ली (तेलंगाना)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को वादा किया कि अगर अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव में पार्टी सत्ता में आई तो राज्य सरकार के स्वामित्व वाली सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के कर्मचारियों की सभी समस्याओं का समाधान करेगी। यहां सिंगरेनी के मजदूरों को संबोधित करते हुए उन्होंने उनकी समस्याओं के लिए राज्य की सत्तारूढ़ भारत राष्ट्रसमिति (बीआरएस) को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव तेलंगाना राज्य के गठन के लिए दिये गये सिंगरेनी कर्मचारियों के बलिदान को भूल गए हैं। रेवंत रेड्डी ने कहा कि बीआरएस केंद्र द्वारा सिंगरेनी खदानों के निजीकरण के लिए सहमत हो गया है। उन्होंने कहा, बीआरएस ने संसद में खान विधेयक का समर्थन किया।

टीकमगढ़ में कांग्रेस उम्मीदवार के घर पर असम पुलिस की दबिश

टीकमगढ़। मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ जिले में असम पुलिस बल के दल ने कांग्रेस के उम्मीदवार यादवेंद्र सिंह बुंदेला के घर पर दबिश दी है। असम पुलिस एक फॉंड केस के मामले में यहां पहुंची है। मिली जानकारी के अनुसार, गुरुवार की सुबह असम पुलिस का एक दल पूर्व मंत्री और टीकमगढ़ से कांग्रेस के घोषित उम्मीदवार यादवेंद्र सिंह बुंदेला के घर पहुंची और इस दल ने वहां जांच शुरू कर दी। साय ही परिवार के सदस्यों से पूछताछ भी की जा रही है। इस मामले में स्थानीय पुलिस की मदद ली गई है और बुंदेला के घर को छावनी में बदल दिया गया है। स्थानीय पुलिस की मानें तो असम के एक न्यायालय ने धोखाधड़ी के मामले की जांच के आदेश दिए हैं और इस शिलसिले में असम की पुलिस यहां आई हुई है और पूछताछ कर रही है। पूर्व मंत्री बुंदेला के पुत्र शाश्वत सिंह बुंदेला से जांच दल एक बंद कमरे में पूछताछ कर रहा है, आखिर यह पूरा मामला है क्या, इसका खुलासा अब तक नहीं हो पाया है।

जानकारी एडीआर की रिपोर्ट में खुलासा

मध्य प्रदेश के 230 मौजूदा विधायकों में से 93 पर दर्ज हैं आपराधिक मामले, 52 कांग्रेस से

नई दिल्ली, (एजेंसिया)। मध्य प्रदेश के 230 विधायकों में से कम से कम 93 के खिलाफ आपराधिक मामले हैं, जिनमें से 52 कांग्रेस के और 39 सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म (एडीआर) और मध्य प्रदेश इलेक्शन वॉच ने सभी 230 मौजूदा विधायकों के आपराधिक, विधायक और अन्य पृष्ठभूमि विवरणों के विश्लेषण के आधार पर गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी।



रिपोर्ट में कहा गया है, 'विश्लेषण किए गए 230 मौजूदा विधायकों में से 93 (40 प्रतिशत) ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित

किए हैं, जिनमें से 47 (20 प्रतिशत) मौजूदा विधायकों ने गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं।' एक मौजूदा विधायक ने आईपीसी की

धारा 302 के तहत हत्या से संबंधित मामले की घोषणा की है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि छह मौजूदा विधायकों ने आईपीसी की धारा 307 के तहत हत्या के प्रयास से संबंधित मामलों की घोषणा की है। महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित विधायकों के खिलाफ मामलों पर प्रकाश डालते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि दो मौजूदा विधायकों ने आर्म्ड और चार्ज्ड गैंग के तहत मामले घोषित किए हैं। इसमें यह भी कहा गया है कि भाजपा के 129 विधायकों में से 39 (30 फीसदी), कांग्रेस के 97

40 प्रतिशत विधायकों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए
छह मौजूदा विधायकों ने आईपीसी की धारा 307 के तहत हत्या के प्रयास से संबंधित मामलों की घोषणा की

विधायकों में से 52 (54 फीसदी), बसपा के एकमात्र विधायक और तीन निर्दलीय विधायकों में से एक (33 फीसदी) ने अपने हलफनामे में उनके खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले चलने की बात स्वीकार की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सत्तारूढ़ भाजपा के 129 विधायकों में से 20 (16 प्रतिशत), कांग्रेस के 97

विधायकों में से 25 (26 प्रतिशत), बसपा के एकमात्र विधायक और तीन निर्दलीय विधायकों में से एक ने खुद अपने हलफनामे में उनके खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा की है। 1230 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान 17 नवंबर को होना है और वोटों की गिनती 3 दिसंबर को होगी।

लखनऊ, (एजेंसिया)। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कहा कि गाजा युद्ध में भी भारत को अपने पुराने स्टैंड पर कायम रहना चाहिए। भारत अपनी आजादी के बाद से ही विश्व में शान्ति, सौहार्द, स्वतंत्रता के लिए और नस्लभेद आदि के विरुद्ध अति गंभीर व सक्रिय रहा है। नया युद्ध मानवता के लिए विनाशकारी साबित होगा। मायावती ने गुरुवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि 'यूक्रेन युद्ध को लेकर पीएम नरेन्द्र मोदी ने जब यह कहा कि दिस इज नॉट एन इरा ऑफ वार' अर्थात् आज का युग युद्ध का नहीं है तो इसकी प्रशंसा परिषदी नेताओं ने खूब की। अब गाजा युद्ध को लेकर भी भारत को अपने इस स्टैंड पर ऐसी मजबूती से खड़े रहने की जरूरत है, जो सबका अनुभव हो।' उन्होंने कहा कि युद्ध दुनिया में कहीं भी हो आज के ग्लोबल वर्ल्ड में अधिकतर देशों की अर्थव्यवस्था एक-दूसरे पर काफी हद तक जुड़ी/निर्भर है। 'यूक्रेन युद्ध लगातार जारी है व दुनिया इससे प्रभावित है। इसीलिए विश्व में कहीं भी नया युद्ध मानवता के लिए कितना विनाशकारी होगा, इसका अन्दाजा लगाना मुश्किल नहीं।'

ब्रिटेन के पीएम ऋषि सुनक इजराइल पहुंचे

तेल अवीव। इजरायल-हमास संघर्ष के बीच, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक गुरुवार को तेल अवीव पहुंचे। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के बाद युद्धग्रस्त देश का दौरा करने वाले वे दूसरे बड़े नेता बन गए हैं। एक्स पर एक पोस्ट में सुनक ने कहा मैं इजराइल में हूँ, एक देश शोक में है। मैं आपके साथ शोक मनाता हूँ और आतंकवाद जैसी बुराई के खिलाफ हमेशा आपके साथ खड़ा हूँ। बीबीसी न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, सुनक सबसे पहले अपने इजरायली समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात करेंगे, जिसके बाद ब्रिटिश नेता अन्य क्षेत्रीय राजधानियों की यात्रा करेंगे।



वरिष्ठ सलाहकार मार्क कैसिनयन ने अखबार को बताया, मेरी धारणा यह है कि हमास के हमलों ने इजराइल को केज का अधिक व्यापक इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहन दिया।

शायद यह कुछ ऐसा था जिसके बारे में वे पहले से सोच रहे थे क्योंकि हर कोई यूक्रेन में युद्ध को करीब से देख रहा है। कैसिनयन ने कहा, एक दिलचस्प सवाल यह है कि क्या ये संरचनाएं संघर्ष में बख़तरबंद बाहनों के लिए मानक बन जाएंगी। संयुक्त राज्य अमेरिका ने अपने

टैंकों को केज से सुसज्जित नहीं किया है, लेकिन यह एक सबक हो सकता है जिसे सेनाओं को कठिन तरीके से सीखने की जरूरत है।

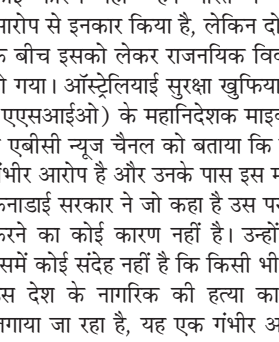
यरूशलम पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, 7 अक्टूबर को हमास के हमलों के वीडियो फुटेज में दिखाया गया है कि कैसे आतंकवादी समूह ने इजरायली संचार प्रविधियों पर विस्फोटक गिराने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया, जिससे आईडीएफ की तीव्र प्रतिक्रिया को रोकने में मदद मिली।

निज्जर की हत्या पर ऑस्ट्रेलियाई खुफिया प्रमुख बोले

टूडो के दावे पर विवाद का कोई कारण नहीं

मेलबर्न, (एजेंसिया)। ऑस्ट्रेलिया के खुफिया प्रमुख ने कहा है कि इस साल जून में सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत सरकार की भूमिका के कनाडाई पीएम जस्टिन टूरडो के दावे पर विवाद करने का कोई कारण नहीं है। भारत ने आरोप से इनकार किया है, लेकिन दोनों देशों के बीच इसको लेकर राजनयिक विवाद पैदा हो गया। ऑस्ट्रेलियाई सुरक्षा खुफिया संगठन (एसआईओ) के महानिदेशक माइक बर्गेंस ने एबीसी न्यूज चैनल को बताया कि यह एक गंभीर आरोप है और उनके पास इस मामले में कनाडाई सरकार ने जो कहा है उस पर विवाद करने का कोई कारण नहीं है। उन्होंने कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि किसी भी देश पर उस देश के नागरिक की हत्या का आरोप लगाया जा रहा है, यह एक गंभीर आरोप है,

और कुछ ऐसा है जो हम नहीं करते हैं और कुछ ऐसा है जो नहीं करना चाहिए। बर्गेंस ने ये टिप्पणी कैलिफोर्निया में की। वो यहां फाइव आइज खुफिया साझेदारों की एक सार्वजनिक सभा में मौजूद थे। इसके सदस्य देशों में ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और न्यूजीलैंड हैं। खुफिया प्रमुख ने इस बात की पुष्टि नहीं की कि सभा में इस मुद्दे पर चर्चा की गई या नहीं, लेकिन एक राष्ट्रीय सुरक्षा सूत्र ने एबीसी को बताया कि बर्गेंस को पिछले महीने नई दिल्ली में 20 शिखर सम्मेलन से पहले इस मामले पर जानकारी दी गई थी। न्यूयॉर्क टाइम्स ने पिछले महीने रिपोर्ट दी थी कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने जानकारी दी जिसके बाद कनाडा ने निज्जर की हत्या के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराया।



ब्रिटेन, कनाडा और न्यूजीलैंड हैं। खुफिया प्रमुख ने इस बात की पुष्टि नहीं की कि सभा में इस मुद्दे पर चर्चा की गई या नहीं, लेकिन एक राष्ट्रीय सुरक्षा सूत्र ने एबीसी को बताया कि बर्गेंस को पिछले महीने नई दिल्ली में 20 शिखर सम्मेलन से पहले इस मामले पर जानकारी दी गई थी। न्यूयॉर्क टाइम्स ने पिछले महीने रिपोर्ट दी थी कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने जानकारी दी जिसके बाद कनाडा ने निज्जर की हत्या के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराया।

मध्य क्षेत्र के विकास को बढ़ावा मध्य चीन का व्यापार मेला

बौजिंग, (एजेंसिया)। चीन का मध्य क्षेत्र शान शी, हनान, आन्हुई, हुपेई, च्यांगशी और हनान आदि छह प्रांतों से मिलकर बना है, जिसमें सबसे बड़ा शहर वूहान है। महत्वपूर्ण आर्थिक विकास ध्रुवों में से एक के रूप में मध्य चीन के विकास और परिवर्तनों ने बहुत ध्यान आकर्षित किया है। मध्य क्षेत्र में विकास की भारी संभावनाएं और बढ़ी श्रेष्ठताएं हैं। मध्य क्षेत्र में कम लागत का लाभ और समृद्ध प्राकृतिक और मानव संसाधन हैं। यहां चीन का एक महत्वपूर्ण परिवहन केंद्र भी है, इससे क्षेत्रीय विकास में निवेश भी अधिक आकर्षक हो जाता है। मध्य क्षेत्र के छह प्रांतों में मजबूत हवाई परिवहन क्षमताएं भी मौजूद हैं, जिनमें कुल 30 से अधिक हवाई अड्डे हैं, जो सीधे चीन के महत्वपूर्ण विभिन्न शहरों तक पहुंच सकते हैं और जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, मलेशिया, पेरिस, मॉस्को, लॉस एंजिल्स, फ्रैंकफर्ट, वैंकूवर और अन्य देशों और क्षेत्र के लिए सीधी उड़ानें हैं। मध्य चीन का निवेश और व्यापार मेला मध्य चीन के उत्थान को बढ़ावा देने के लिए आयोजित एक बड़े और उच्च-स्तरीय क्षेत्रीय आर्थिक और व्यापार कार्यक्रम है। यह बाहरी दुनिया के लिए अपने खुलेपन का विस्तार करने, क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय आदान-प्रदान और सहयोग को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है।

पर्सिवरेंस रोवर के बेली से जुड़ा हुआ था। यह पहली बार किसी अन्य ग्रह पर संचालित स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) अपना मार्स हेलीकॉप्टर को इस सप्ताह मंगल ग्रह (लाल ग्रह) भेजने की योजना बना रहा है। नासा ने बुधवार को यह जानकारी दी। नासा ने बताया कि लाल ग्रह की 63वीं नई उड़ान 19 अक्टूबर से पहले निर्धारित नहीं है। नासा ने उम्मीद जतायी है कि उसका मार्स हेलिकॉप्टर लाल ग्रह में एक नए हवाई क्षेत्र में खुद को स्थापित करने के लिए 137 सेकंड के लिए लागभग 574 मीटर की उड़ान भरेगा। प्रास आंकड़ों के मुताबिक अब तक हेलीकॉप्टर ने 62 उड़ानें भरी हैं और मंगल ग्रह पर कुल 113 मिनट के समय में 13.9 किलोमीटर की कुल दूरी तय की है। नासा के मुताबिक इन्जन्यूइटी का हेलिकॉप्टर 18 फरवरी, 2021 को मंगल ग्रह के जेज़ेरो क्रेटर पर पहुंचा, जो नासा के

उड़ान का परीक्षण करने के लिए एक प्रौद्योगिकी प्रदर्शन है। नासा के अनुसार हेलिकॉप्टर को एक बार में लगभग 300 मीटर की दूरी और जमीन से लगभग तीन से 4.5 मीटर की दूरी तक 90 सेकंड तक उड़ान भरने के लिए डिज़ाइन किया गया था। नासा का मंगल ग्रह पर परसिवरेंस का एक बड़ा लक्ष्य खगोल जीव विज्ञान के बारे में सीखना है, जो प्राचीन छोटे जीवन रूपों के संकेत खोजने के बारे में है। नासा ने बताया वो ऐसे चीजों की तलाश कर रहे हैं जो केवल जीवत चीजों द्वारा बनायी जा सकती हैं। अब तक इस बात का कोई सबूत नहीं है कि लाल ग्रह पर जीवन मौजूद था, लेकिन छिपी हुई गुफाओं में या सतह के बहुत नीचे सरल जीवन रूप रहे होंगे।

आज का इतिहास

1296-अलाउद्दीन खिलजी ने दिल्ली को गद्दी संभाली थी।
1555-इंग्लैंड के संसद ने फिलिप को स्पेन के राजा मानने से इनकार किया।
1577-गुरु रामदास ने अमृतसर नगर की स्थापना की।
1727-रूस और चीन ने सीमाओं को सही करने के लिए समझौते किये।
1797-अमेरिकी नौसेना के लिए बनाए गए पहले मालवाहक जहाजों में से एक द कस्टीच्यूशंस का बोस्टन में जलावतरण किया गया।
1805-स्पेन के तट पर ट्राफालगर की लड़ाई में फ्रांस और स्पेन की 33 पोत के बेड़े वाली संयुक्त नौसेना को ब्रिटेन की 27 पोत के बेड़े वाली नौसेना ने पराजित किया।
1833-स्वीडन के स्टॉकहोम में अल्फ्रेड नोबेल का जन्म हुआ जिन्हें डायनामाइट के खोजकर्ता के तौर पर जाना जाता है। उनके नाम पर कुल 355 पेटेंट हैं। नोबेल पुरस्कार के नाम से दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान स्थापित करने का श्रेय उन्हें जाता है।
1934-जयप्रकाश नारायण ने काँग्रेस सोशलिस्ट पार्टी की स्थापना की।

सुडोकू 6353

	5		2		
6	2		4		9
			7		
7			3	1	8
	3				5
	4	2	8		
6			2		
	9		5		3
		3			4

: नियम :

- कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
- हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
- बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम, कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6353

१	२	३	४		
			५		
६			७		
			९		
	१०			११	१२
१३			१४	१५	
			१६		
१७				१८	१९
		२०		२१	
२२				२३	

बायेंसे बायें:-

- प्यार भरी बातचीत
- निच्छावर
- अस्तित्व (उर्दू)
- गाने वाला
- शाक, सब्जी
- चंद्रमा
- मेहनत
- आईना
- लुंगी
- प्रण
- जुड़वा, मिला हुआ, सहित
- प्रार्थना के योग्य
- मामूली
- सूर्य

ऊपर से नीचे:-

- दर्शक दीर्घ
- फायदेमंद
- बहुत ही बुरा (उर्दू)
- भय-दुख या पीड़ा से पीड़ित होकर जोर से रोना-चिल्लाना
- भारी (उर्दू)
- तकलीफ, झंझट (उर्दू)
- अंत, अवसान, नतीजा
- लज्जत, जायका
- उत्सव, जिसने कर्ज से छुटकारा पा लिया हो
- आय (उर्दू)
- तारीफ
- जवान, तरुण
- जान, जी, दम
- अगर

वर्ग पहेली-6352

१	२	३	४	५	६	७
नि	बं	ह	न	कु	प्र	बं
			५			६
६	फं	म		भ	मि	त
७	ट	का	सा		म	र
		८	९		१	२
क		या	द	र	ख	ना
	१०					११
१३	ल		र		१४	१५
ज	ग	दं	वा		का	ध
			१६			१७
१८	भ		न	शे	म	
२०	आ	ग	त		या	व
			२०		२१	२२
कं		धै	गं	ब	र	मां
२२					२३	
ठ	न	क	ना		त	म

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

खेल जगत्

लसिय मलिंगा को मुंबई इंडियंस ने नियुक्त किया गया गेंदबाजी कोच

मुंबई। मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2024 सीजन से पहले श्रीलंका के तेज गेंदबाजी दिग्गज लसिय मलिंगा को अपना नया गेंदबाजी कोच घोषित किया है। मलिंगा, जो पहले 2022 और 2023 सीजन के लिए आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स के गेंदबाजी कोच थे। जो मार्क वाउचर के नेतृत्व वाली मुंबई इंडियंस कोचिंग टीम में शामिल हो गए हैं और उनके पूर्व साथी कौरोन पोलाद, जो बल्लेबाजी कोच के रूप में कार्यरत हैं उनके साथ टीम से जुड़ेंगे। मलिंगा ने कहा, मुंबई इंडियंस का गेंदबाजी कोच नियुक्त किया जाना मेरे लिए वास्तव में सम्मान की बात है। एमआई न्यूयॉर्क और एमआई केप्टाउन के बाद वनडेमिली में मेरी यात्रा जारी है। मैं मार्क, पॉली, रोहित शर्मा और बाकी टीम के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूँ।



वॉर्नर और मिचेल मार्श के तूफानी शतकों से ऑस्ट्रेलिया ने बनाए 9 विकेट पर 367 रन

पाक के अफरीदी ने चटकाए पांच और रफ़ ने तीन विकेट

नई दिल्ली। अनुभवी सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर और मिचेल मार्श के तूफानी शतकों की बदैलत ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान के खिलाफ बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईसीसी वन डे क्रिकेट विश्व कप के अहम मैच में शुक्रवार को पहले बल्लेबाजी की दावत पाकर निर्धारित 50 ओवर में नौ विकेट पर 367 रन का मजबूत स्कोर खड़ा। वॉर्नर (163 रन, 124 गेंद, 9 छक्के, 15 चौके) और मिचेल मार्श (121रन, 108 गेंद, 10 चौके, 9 छक्के) की 33.5 ओवर में पहले विकेट की 259 रन की तूफानी भागीदारी ने ऑस्ट्रेलिया के मजबूत स्कोर की नींव रखी। पाकिस्तान के सबसे कामयाब बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी (5/54) ने अपने दूसरे स्पेल के पहले ओवर में मार्श को आउट कर उनकी और वॉर्नर की बड़ी भागीदारी को तोड़ने के बाद अगली गेंद पर ग्लेन मैक्सवेल को आउट किया और पारी के आखिरी के ओवर की शुरु की दो गेंदों में मिचेल स्टार्क (2) और अगली पर जोश हेजलवुड को आउट कर पांच विकेट चटकाए। पाकिस्तान के शाहीन शाह अफरीदी और और हैरिस उर रउफ (3/83) ने लेग स्पिनर उस्मा मीर (1/82) के साथ मिलकर ऑस्ट्रेलिया का पहला विकेट 259 रन पर गिरने के बाद अंतिम 16ओवर में उसके अगले आठ विकेट 108 रन निकाल कर उसे निश्चित रूप से पहाड़ का स्कोर खड़ा करने से रोक दिया। शाहीन शाह अफरीदी ने अपने ससुर शाहिद अफरीदी की तरह वन डे विश्व कप में दो बारा पांच विकेट लेने के कारनामे की बराबरी कर ली। ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी के सात ओवर में 42 रन के पांच विकेट खोए।

वॉर्नर और मार्श ने पारी के 31 वें बाएं हाथ के स्पिनर मोहम्मद नवाज सातवें ओवर में दो गेंदों के भीतर शतक पूरे किए। वॉर्नर ने नवाज



की गेंद को ड्राइव कर लॉग ऑन पर खेल एक रन दौड़ कर 85 गेंद खेल छह छक्कों और सात चौकों की मदद से पाकिस्तान के खिलाफ लगातार चौथा शतक पूरा किया और वन डे विश्व कप में अपना पांचवां शतक जड़ रिकी पॉन्टिंग (चार शतक) के ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे शतक जड़ने के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। बर्थ डे ब्रॉय मिचेल मार्श ने नवाज की गेंद पर

चौका जड़ 101 गेंद खेल छह छक्कों और दस चौकों की मदद से वन डे विश्व कप में अपना पहला शतक पूरा किया। तीन ओवर बाद पाकिस्तान के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी के दूसरे स्पेल के लिए गेंद संभालने पर मार्श ने उनकी शुरु की चार गेंदों में दो छक्के जड़ने के बाद मार्श के फिर उनकी गेंद को उड़ाने के फेर में शॉर्ट फाइन लेग स्पिनर

उस्मा मीर को कैच थमाने से उनकी और वॉर्नर की 259 रन की बड़ी भागीदारी आखिर टूट गई। अफरीदी ने अपनी अगली ही गेंद पर नए बल्लेबाज ग्लेन मैक्सवेल (0) को कप्तान बाबर आजम के हाथों मिड ऑन पर कैच करा आउट कर पाकिस्तान को बहुत राहत दिलाई। अफरीदी ने अपने इस चौथे ओवर में दो छक्कों सहित 13 रन देकर मार्श और मैक्सवेल के अहम विकेट

वॉर्नर-मार्श ने ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे बड़ी ओपनिंग साझेदारी का रिकॉर्ड बनाया

बेंगलुरु। ऑस्ट्रेलिया की सलामी जोड़ी डेविड वॉर्नर और मिशेल मार्श ने पाकिस्तान के गेंदबाजी आक्रमण को धराशायी कर दिया और यहां एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के लिए 259 रनों की सबसे बड़ी विश्व कप की शुरुआती साझेदारी दर्ज की। इस धुआंधार बल्लेबाजी ने उन्हें 2011 विश्व कप में कनाडा के खिलाफ शेन वॉटसन और ब्रेड हेडिन के 183 रनों के रिकॉर्ड को पार करने में मदद की। शाहीन शाह अफरीदी ने मिशेल मार्श का विकेट लेकर 259 रन की शुरुआती साझेदारी का अंत किया। मैदान के चारों ओर पाकिस्तानी गेंदबाजों की पिटाई करने के बाद मार्श पवेलियन लौट गए, उन्होंने 108 गेंदों पर 121 रन बनाए, जिसमें 10 चौके और 9 छक्के लगाए। वॉर्नर ने 124 गेंदों पर 163 रन में 14 चौके और नौ छक्के लगाए। किसी भी बल्लेबाजी क्रम में ऑस्ट्रेलियाई टीम द्वारा अब तक की सबसे बड़ी वनडे साझेदारी 2015 में हुई जब डेविड वॉर्नर और स्टीव स्मिथ ने अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे विकेट के लिए 260 रन जोड़े। मार्श और वॉर्नर ने 259 रनों के अपने प्रयास के साथ दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी दर्ज की। तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी 2003 में रिकी पॉन्टिंग और डेमियन मार्टिन के बीच बनी थी और 234 रन की थी। लखनऊ में श्रीलंका के खिलाफ बड़ी जीत के बाद ऑस्ट्रेलिया ने फिर से लय हासिल कर ली है और पाकिस्तान पर पूरी तरह हावी दिख रहा है।

चटकाए। पारी के 35वें और लेग स्पिनर उस्मा मीर के सातवें ओवर की पांचवां गेंद पर कप्तान बाबर आजम ने स्टीव स्मिथ (2) का आसान कैच टपका दिया अन्यथा पाकिस्तान को दो रन के भीतर तीसरा विकेट मिल जाता और वह मैच में वापसी कर सकता था। उस्मा मीर ने पारी के अपने अगले ओवर पारी के 39 वें ओवर में स्टीव स्मिथ (7) को ड्राइव करने के मजबूर खुद ही उनका कैच लपक कर ऑस्ट्रेलिया का स्कोर तीसरा विकेट पर 284 कर दिया। वॉर्नर ने तेज गेंदबाज हैरिस रउफ के दूसरे स्पेल के पहले ओवर में उनकी कट पर तेज प्रहार करने की कोशिश में स्थानापन्न फील्डर शादाब खान को पारी के 43 वें ओवर कैच थमा दिया और ऑस्ट्रेलिया ने अपना चौथा विकेट 325 रन पर खो दिया। ऑस्ट्रेलिया के स्कोर में 14 रन और

जुड़े कि रउफ ने अपने अगले ओवर में जोश इंग्लिश (13) को विकेटकोपर मोहम्मद रिजवान के हाथों कैच कराया। शाहीन शाह अफरीदी ने मरकस स्टोइनस (21 रन, 24 गेंद, एक छक्का, एक चौका) को एलबीडब्ल्यू आउट कराया अपना तीसरा विकेट चटकाया। हैरिस रउफ के बाउंसर पर मरनस लुबुशेन (8) ने डीप मिडविकेट पर स्थानापन्न फील्डर शादाब को कैच थमा दिया और ऑस्ट्रेलिया ने सातवां विकेट 360 रन पर खो दिया। शाहीन शाह अफरीदी ने अपने और पारी के 50 वें अंतिम ओवर की पहली गेंद पर मिचेल स्टार्क (2) सौद शकील के हाथों कैच कराया और अगली गेंद पर जोश हेजलवुड (0) के हाथों कैच करा उसका स्कोर नौ विकेट पर 363 कर दिया।

परिस्थिति देख कर खेलते हैं कोहली, इसीलिये शानदार रन चेजर : हुसैन

नई दिल्ली। बांग्लादेश के खिलाफ विश्व कप मुकाबले में शतकीय पारी खेलने वाले विराट कोहली की तारीफ करते हुये इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने कहा कि कोहली हमेशा परिस्थिति से खेलते हैं और यही कारण है कि वह रन चेजर में शानदार हैं।

स्टर स्पॉट्स के शो 'फॉलो द ब्लूज़' में हुसैन ने कहा कोहली हमेशा परिस्थिति से खेलते हैं और यही कारण है कि वह रन चेजर में शानदार हैं। वह मैदान पर टीम की स्थिति को अपने सामने देखते हैं, उनका स्ट्राइक रेट ज्यादा पीछे कभी नहीं रहा क्योंकि वह हर गेंद पर रन बनाना चाहते हैं। बांग्लादेश के खिलाफ अगर वह 350 रन का पीछा कर रहे होते, तो दूसरे गिग्य में चले गए होते, लेकिन वह सिर्फ यह सुनिश्चित कर रहे थे कि भारत जीत के करीब पहुंच जाए जैसा कि वह अक्सर करते हैं।

रोहित शर्मा की आक्रामक कप्तानी के साथ-साथ विराट कोहली के शानदार शतक ने भारत को वनडे विश्व कप में बांग्लादेश पर छह विकेट से जीत दिलाई थी। हुसैन ने रोहित शर्मा की कप्तानी और बल्लेबाजी की सराहना की। उन्होंने कहा रोहित सफेद गेंद के अब तक के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक हैं। उनका रिकॉर्ड सर्वश्रेष्ठ है, उन्होंने विश्व कप में ऐसा किया है। बांग्लादेश के खिलाफ उनका रिकॉर्ड शानदार है, उनका पुल शॉट लाजवाब है। पिछले कुछ वर्षों में पुल शॉट में उनका औसत 400 था। उन्होंने कहा सबसे महत्वपूर्ण चीज जो मुझे परमंद है वह है इरादा, वास्तविक इरादा है, कुछ समय के लिए उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप में थोड़ा डर कर क्रिकेट खेला जिसके कारण वे उस सेमीफाइनल में एंडिलेड में इंग्लैंड से हार गए। भारत का शीर्ष क्रम अलग दिखता है।

केएल राहुल ने बताई विराट कोहली के शतक की सच्चाई

पुणे। विराट कोहली ने बांग्लादेश के खिलाफ विजयी छक्का लगाकर अपना 48वां वनडे शतक पूरा किया, जिसमें दूसरे छोर पर केएल राहुल ने उनकी काफी मदद की क्योंकि इस जोड़ी ने आसान सिंगल्स को ठुकरा दिया था, जिससे कोहली इस मुकाम तक पहुंच सके। वनडे फॉर्मेट में कोहली के 48वें शतक का मतलब है कि वह भारत में विश्व कप 2023 के दौरान सचिन के 49 के सर्वाधिक रिकॉर्ड से आगे निकल सकते हैं। 34 वर्षीय खिलाड़ी का शतक आईसीसी क्रिकेट विश्व कप में उनका तीसरा और वनडे करियर का 48वां शतक है। यह शतक इसलिए भी खास है क्योंकि जब भारत को बांग्लादेश के खिलाफ जीत के लिए 19 रनों की जरूरत थी, तब कोहली भी शतक से 19 रन दूर थे। लेकिन, दूसरे छोर पर राहुल ने उनका भरपूर साथ दिया और विराट का शतक पूरा करने में अहम भूमिका निभाई। मैच के बाद, जिसे भारत



ने 51 गेंद शेष रहते हुए सात विकेट से जीता, राहुल ने खुलासा किया कि सिंगल लेने से बचना उनका विचार था ताकि कोहली स्ट्राइक बनाए रख सकें और इस तरह शतक तक पहुंचने की उनकी संभावनाएं बढ़ सकें। राहुल ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो के हवाले से स्टर स्पॉट्स को बताया, वह असमंजस में थे, उन्होंने

कहा कि हम सिंगल नहीं लेंगे तो यह अच्छा नहीं लगेगा। मैं ऐसा नहीं दिखना चाहता कि मैं सिर्फ अपना रिकॉर्ड हासिल करने की कोशिश कर रहा हूँ। लेकिन इसकी मदद मैंने उन्हें कहा कि हम आसानी से मैच जीत रहे हैं, साथ ही आप अपना शतक पूरा कर सकते हैं। फिर विराट कोहली मान गए। इसके बाद विराट कोहली ने छक्का लगाकर शतक पूरा किया। साथ ही भारतीय टीम को लगातार चौथी जीत दिलाई। अपने शतक तक पहुंचने की प्रक्रिया में, भारतीय स्तर अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पुरुषों के खेल के इतिहास में सबसे तेज 26,000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। गुरुवार को बांग्लादेश के खिलाफ कोहली की नाबाद 103 रनों की पारी का मतलब है कि केवल भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने विश्व कप 2023 में अब तक अधिक रन बनाए हैं। यह जोड़ी सर्वाधिक रन तालिका में शीर्ष दो पर है।

अगर स्टोक्स फिट हैं तो उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलना होगा : माइकल आर्थर्टन

मुंबई। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल आर्थर्टन का मानना है कि अगर करिश्माई ऑलराउंडर बेन स्टोक्स मैदान पर उतरने के लिए फिट हैं तो उन्हें शनिवार को वानखेडे स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले विश्व कप मुकाबले में खेलना होगा। टेस्ट कप्तान स्टोक्स, इंग्लैंड के घरेलू धरती पर 2019 में जीते गए पुरुष वनडे विश्व कप खिताब का बचाव करने में मदद करने के लिए वनडे संन्यास से वापस आ गए हैं। लेकिन कूल्हे की चोट के कारण वह अभी तक खेल नहीं सके हैं, क्योंकि इंग्लैंड ने बांग्लादेश के खिलाफ जीत हासिल की, लेकिन न्यूजीलैंड और अफगानिस्तान से हार गई, जिससे उनके अभियान और सेमीफाइनल की उम्मीदें खतरे में पड़ गईं।

हमारी समझ यह थी कि स्टोक्स अफगानिस्तान के खिलाफ मैच के लिए फिटनेस के बहुत करीब थे, लेकिन इंग्लैंड काफ़ी सतर्क था। अगर वह फिट हैं तो उन्हें अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलना होगा। आर्थर्टन ने स्टाई स्पॉट्स से कहा, वह सही है कि वह मसीहा नहीं हैं, वह इसे सिर्फ अपने आसपास नहीं बदल सकता है, लेकिन वह एक बहुत बड़ी उपस्थिति है और उसके साथ इंग्लैंड एक बेहतर टीम है।



आखिरी बार जब वह एकदिवसीय क्रिकेट में खेला था तो उन्होंने इंग्लैंड की तरफ से उच्चतम स्कोर (पिछले महीने किया था) वनडे में न्यूजीलैंड के खिलाफ 182) बनाया था।

इंग्लैंड की अफगानिस्तान से आश्चर्यजनक हार में हैरी ब्रूक ने 61 गेंदों में 66 रनों की पारी खेलकर शीर्ष स्कोर बनाया, इसका मतलब है कि स्टोक्स एक ऑलराउंडर के रूप में आएंगे। इसका मतलब यह भी है कि इंग्लैंड के पास गेंदबाजी विकल्पों की कमी होगी क्योंकि स्टोक्स इस

दुर्नाम में एक विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में खेल रहे हैं, एक समस्या जिसकी आर्थर्टन को आशंका है। मैं अपने मन में निश्चित हूँ कि मैं हैरी ब्रूक को भी खिलाऊंगा, इसलिए इंग्लैंड को जिस समस्या का समाधान करना है वह टीम के संतुलन पर है। क्या वे पांच गेंदबाजों में से एक के रूप में लियाम लिविंगस्टोन को 7वें नंबर पर और जो रूट को छठे गेंदबाज के रूप में खिलाएंगे या क्या वे रिस टॉपले, आदिल रशीद और मार्क वुड के साथ दो आउट-एंड-आउट गेंदबाज चुनते हैं? इसके अलावा, ऑलराउंडर क्रिस वोक्स और सैम करेन का अच्छा प्रदर्शन न होना भी इंग्लैंड की चिंताओं को बढ़ाता है। वोक्स ने अफगानिस्तान के खिलाफ अपने चार ओवरों में 41 रन दिए जबकि करेन ने नई दिल्ली में उसी मैच में अपने चार ओवरों में 46 रन दिए। आर्थर्टन ने कहा, क्रिस वोक्स और सैम करेन का फॉर्म वास्तविक चिंता का विषय है और वे दोनों बहुत कमजोर हैं। करेन प्रति ओवर आठ रन से अधिक रन दे रहे हैं, वोक्स साढ़े सात रन प्रति ओवर की दर से रन दे रहे हैं और उन्होंने केवल दो-दो विकेट लिए हैं। करेन बीच के ओवरों में और वोक्स पावरप्ले में महंगे रहे।

रन रेट को भी ध्यान में रखना चाहिए : पुजारा

नई दिल्ली। भारतीय टेस्ट बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने बांग्लादेश के खिलाफ अपना 48वां वनडे शतक बनाने की विराट कोहली की उपलब्धि के बाद अपनी राय दी, जिसे उन्होंने रणनीतिक रूप से रन चेज के अंतिम ओवरों में सिंगल लेने से परहेज करके पूरा किया।

प्रशंसकों के एक वर्ग ने केएल राहुल के साथ साझेदारी करते हुए सिंगल लेने से परहेज करने के कोहली के फैसले के बारे में सोशल मीडिया पर अपनी राय व्यक्त की। 257 रन तक पहुंचने के भारतीय लक्ष्य के अंतिम चरण में कोहली मुख्य रूप से स्ट्राइक अपने पास रखकर अंतिम 30 रन बनाने में सफल रहे। इस दौरान कोहली ने आखिरी 21 गेंदों में 8 डॉट बॉल का सामना किया।

चेतेश्वर पुजारा ने ईएसपीएन क्रिकइन्फो को बताया, जितना मैं चाहता था कि विराट कोहली वह शतक बनाएं, उतना ही वे भी सोच रहा था कि हमें खेल को जल्द से जल्द खत्म करना चाहिए। आप चाहते हैं कि आपका नेट रन रेट शीर्ष पर रहे।

यही वह जगह है जहां मुझे लगता है कि



सामूहिक निर्णय के रूप में शायद आपको थोड़ा त्याग करना होगा। आप टीम को देखना चाहते हैं, आप टीम को पहले रखना चाहते हैं, मैं इसे इसी तरह देखता हूँ। आप अपना रिकॉर्ड देखिए लेकिन टीम की कीमत पर नहीं। एक खिलाड़ी के रूप में, आपके पास हमेशा एक विकल्प होता है। लेकिन कुछ खिलाड़ियों को लगता है कि अगर वे शतक बनाते हैं, तो इससे उन्हें अगले मैच में मदद मिलती है। इसलिए यह इस पर निर्भर करता है कि आपको मानसिकता किस तरह की है।

इस बीच, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर मैथ्यू हेडन ने टीम को विश्व कप जैसे बड़े दुर्नामों में नेट रन रेट (एनआरआर) का ध्यान रखने की सलाह दी है क्योंकि यह अंत में टीमों को परेशान कर सकता है।

हार्दिक टखने की चोट के चलते न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच से भारतीय टीम से बाहर

नई दिल्ली। भारत के उपकप्तान ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या पुणे में बांग्लादेश के खिलाफ मैच में अपना बाएं टखने में आई चोट के चलते धर्मशाला में रविवार को आईसीसी वन डे क्रिकेट विश्व कप 2023 के न्यूजीलैंड के खिलाफ खेल जाने वाले अहम मैच से बाहर हो गए। भारत और न्यूजीलैंड की टीमों अपने अपने शुरू के चार चार मैच जीत चुकी है। न्यूजीलैंड अपने बेहतर नेट रन रेट के कारण फिनाल फिनाल शीर्ष पर है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के मानद सचिव जय शाह ने शुक्रवार को कहा, हार्दिक भारतीय टीम के साथ धर्मशाला नहीं जाएंगे। हार्दिकअब लखनऊ में भारतीय टीम से जुड़ेंगे जहां उसे 29 अक्टूबर को मौजूदा चैंपियन इंग्लैंड से भिड़ना है। हार्दिक को आराम की सलाह दी गई है और वह बराबर बीसीसीआई की



मेडिकल टीम की निगरानी में रहेंगे। वह अपने टखने के इलाज से एनसीए (बेंगलुरु) जाएंगे।

हार्दिक ने पुणे में बृहस्पतिवार को अपने पहले और बांग्लादेश की पारी के नौवें ओवर

में तीसरी गेंद पर बांग्लादेश के लिटन दास के शॉट को पैर रोकने की कोशिश और इसमें उनका टखना मुड़ गया था। इसके बाद हार्दिक को उनके टखने स्कैन के लिए अस्पताल ले जाया गया और इसके बाद

■ हार्दिक की जगह बतौर तेज गेंदबाज शमी हो सकते हैं ज्यादा कारगर
■ अब हार्दिक पांड्या सीधे लखनऊ पहुंच भारतीय टीम से जुड़ेंगे

उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ मैच में आगे शिरकत नहीं की। हार्दिक को आराम की सलाह दी गई है। हार्दिक पांड्या भारतीय एकादश के संतुलन के लिहाज से बेहद अहम कड़ी हैं। अब तक शुरू के तीन मैचों में हार्दिक पांड्या ने सही वक्त पर विकेट चटकाने की कृत्व दिखाकर कुल पांच विकेट चटकाए हैं। साथ ही अपने बल्ले से दे दनाकर अकेले ही प्रतिद्वंद्वी टीम के हौसल पस्त कर सकते हैं। भारत के पास हार्दिक पांड्या की जगह उनकी तरह गेंद और बल्ले से अपने दम मैच का रुख पलटने वाला कोई खिलाड़ी नहीं है।

ऐसे में भारतीय टीम को प्रबंधन को मजबूरन टीम संयोजन में बदलाव करना पड़ेगा। ऐसे में भारत अपनी गेंदबाजी को मजबूत करने के लिए अब तक शुरू के चार में से एक भी मैच न खेल पाने वाले तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को भारत अपनी एकादश में शामिल कर सकता है। बहुत मुमकिन है कि भारत खासतौर पर बीच के ओवर में अपनी बल्लेबाजी को जरूरी मजबूती देने के लिए शार्दूल ठाकुर को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपनी एकादश में शामिल करने की बाबत सोच सकता है। इसका बड़ा कारण यह है कि धर्मशाला का ठंडा मौसम भारत की बजाय न्यूजीलैंड की टीम के लिए ज्यादा मुफ़िद है ऐसे में तब भारत के पास केवल पांच खालिस गेंदबाज ही उपलब्ध होंगे। बावजूद इसके धर्मशाला के ठंडे मौसम और पिच में नमी के चलते स्पिनर की बजाय तेज गेंदबाज ज्यादातर कारगर साबित हो सकता है।

सुडोकू 6353 का हल

4	7	5	9	1	2	6	8	3
1	6	2	8	4	3	5	9	7
3	8	9	6	7	5	2	1	4
7	2	6	5	3	1	8	4	9
9	3	8	7	6	4	1	5	2
5	1	4	2	8	9	7	3	6
6	4	3	1	2	8	9	7	5
8	9	7	4	5	6	3	2	1
2	5	1	3	9	7	4	6	8

अर्थ जगत

विदेशी मुद्रा भंडार 1.153 अरब डॉलर बढ़ा

नई दिल्ली | देश का विदेशी मुद्रा भंडार 13 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह के दौरान 1.153 अरब डॉलर बढ़कर 585.895 अरब डॉलर हो गया। आरबीआई ने शुक्रवार को इससे जुड़े आंकड़े जारी किए। इससे पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 2.166 अरब डॉलर घटकर 584.742 अरब डॉलर रह गया था। अक्टूबर 2021 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के सर्वाधिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। केंद्रीय बैंक ने पिछले साल से वैश्विक घटनाक्रमों के कारण बढ़े दबाव के बीच रुपये को बचाने के लिए मुद्रा भंडार का इस्तेमाल किया, जिससे इसमें कमी दर्ज की गई।



इजरायल-हमास युद्ध का असर



निवेशकों के एक दिन में 2 लाख करोड़ डूबे

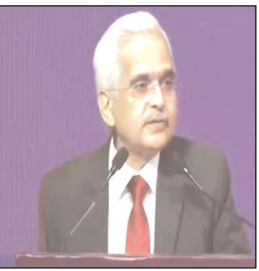
बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैप आज 20 अक्टूबर को घटकर 318.90 लाख करोड़ रुपये पर आ गया, जो इसके पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार 19 अक्टूबर को 320.96 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप आज करीब 2.06 लाख करोड़ रुपये घटा है। ऐसे में निवेशकों की संपत्ति में करीब 2.06 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई है।

मुंबई | भारतीय शेयर बाजार पर इजरायल और हमास के बीच जारी जंग का असर लगातार दिख रहा है। इसकी वजह से लगातार तीसरे दिन शुक्रवार को भी शेयर बाजार खुलते ही धराशायी नजर आया। बीएसई का सेंसेक्स 300 अंक से ज्यादा गिर गया, तो वहीं निफ्टी भी 19,600 के नीचे आया हुआ। इससे पहले गुरुवार को भी शेयर मार्केट के दोनों इंडेक्स ने पूरे दिन लाल निशान पर कारोबार किया था। शुक्रवार को

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 231.62 अंक फिसलकर 65,397.62 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी इंडेक्स 82.05 अंक टूटकर 19,542.65 के लेवल पर बंद हुआ।

ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। लंबी खिंच रही इस जंग का असर दुनियाभर की इकोनॉमी पर पड़ता हुआ नजर आ रहा है और शेयर बाजारों में इसका असर लगातार दिख रहा है। भारतीय शेयर बाजार की बात करें तो युद्ध की शुरुआत के साथ ये प्रभावित होने लगा था और बीते लगातार तीन दिनों से इसमें गिरावट का दौर जारी है।

ब्याज दर अभी ऊंची बनी रहेंगी : आरबीआई गवर्नर दास



नयी दिल्ली | भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को कहा कि ब्याज दर फिलहाल ऊंची बनी रहेंगी और केवल समय ही बताएगा कि यह कितने समय तक ऊंचे स्तर पर रहेगी।

से नीतिगत दर में कोई बढ़ोतरी नहीं की है। यह 6.5 प्रतिशत पर बरकरार है। इससे पहले पिछले साल मई से लेकर कुल छह बार में रेपो दर में 2.50 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी। कौटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव 2023 में एक सवाल के जवाब में गवर्नर ने कहा, ब्याज दर फिलहाल ऊंची रहेगी, (कब तक) यह तो समय ही बताएगा। दास ने शुक्रवार को कॉन्क्लेव में इस बात पर भी जोर दिया कि मौद्रिक नीति को सक्रिय रूप से मुद्रास्फीति पर लगाम लगाने वाली होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके ऐसा होने से ही जुलाई में 7.44 प्रतिशत के उच्चतम स्तर से मुद्रास्फीति में गिरावट सुचारू रूप से जारी रही। दास ने कहा कि मौद्रिक नीति हमेशा चुनौतीपूर्ण रहती है और इसमें आत्मसंतुष्ट होने की कोई बात नहीं है।

सोने के दाम चार महीने की ऊंचाई पर इजरायल-हमास युद्ध और डॉलर के रेट गिरने का असर

नयी दिल्ली | सोने और चांदी के दाम में आज उछाल के साथ कारोबार देखा जा रहा है जबकि कल इनके रेट में गिरावट देखी गई थी। इजरायल-हमास युद्ध के चलते यूएस फेडरल रिजर्व को ब्याज दरों पर कड़े फैसले लेने पड़ सकते हैं और इसके असर से डॉलर के रेट पर निगेटिव इफेक्ट आने की आशंका जताई जा रही है।



फेडरल रिजर्व अभी ब्याज दरों को लेकर सतर्क बना रहेगा और इसके असर से डॉलर के रेट में भी उतार-चढ़ाव देखा जा सकता है। लिहाजा निवेशक सेफ निवेश की ओर जा रहे हैं और सोना-चांदी को इसी का फायदा मिल रहा है। कर्मांडो बाजार में एमसीएक्स पर सोना 4 महीने के उच्च स्तर पर आ चुका है और सोना आज जबरदस्त तेजी दिखा रहा है। चांदी के दाम में भी मजबूती के साथ

ट्रेड हो रहा है। मल्टी क्मोडिटी एक्सचेंज पर आज सोना 4 महीने के उच्च स्तर पर आ गया है। सोने के रेट में 277 रुपये या 0.46 फीसदी की उछाल देखी जा रही है और ये 60595 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। आज सोने के रेट ऊपर में 60660 रुपये प्रति 10 ग्राम तक गए थे। सोने के ये दाम इसके दिसंबर वायदा के लिए हैं। मल्टी क्मोडिटी एक्सचेंज पर आज चांदी भी अच्छी उछाल पर कारोबार कर रही है। चांदी के रेट

283 रुपये या 0.40 फीसदी की बढ़त के साथ 71899 रुपये प्रति किलोग्राम तक आ गए हैं। आज ऊपर में चांदी के दाम 72164 रुपये प्रति किलो तक गए थे। चांदी के ये दाम इसके दिसंबर वायदा के लिए हैं। रिटेल बाजार में भी सोना जबरदस्त उछाल के साथ कारोबार कर रहा है और इसमें 820 रुपये तक के उछाल देखे जा रहे हैं जो इसे 62,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक ले जा सकते हैं।

दिल्ली: 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 780 रुपये प्रति 10 ग्राम के उछाल के साथ 61690 रुपये पर है। मुंबई: 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 770 रुपये प्रति 10 ग्राम के उछाल के साथ 61530 रुपये पर है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 1976 डॉलर प्रति औंस के रेट के आगे जा रहा है और इसके निरपट्ट में 1980 डॉलर प्रति औंस के दाम देखे जाने की उम्मीद है।

त्यौहारी सीजन में गाड़ी खरीदने की प्लानिंग, कौन सा बैंक दे रहा सबसे सस्ता कार लोन ?



नयी दिल्ली | अगर आप कार लोन लेने की प्लानिंग कर रहे हैं तो आप अपने कार लोन से जुड़ी सभी जानकारी जैसे कितना लोन चाहिए, दस्तावेज और टेन्चर आदि के बारे में जान लें। सभी बैंक कार लोन पर अलग अलग ब्याज वसूल करते हैं। यहां सबसे सस्ता कार लोन दे रहा है, इसकी जानकारी दी गई है। भारतीय स्टेट बैंक कार लोन पर 8.65 से लेकर 9.75 फीसदी का ब्याज वसूल कर रहा है। हालांकि प्रोसेसिंग फीस शून्य होगा। वहीं आईसीआईसीआई

बैंक 8.95 फीसदी या उससे ज्यादा का ब्याज लेगा। प्रोसेसिंग फीस 999 रुपये से 8,500 रुपये के बीच होगा। एचडीएफसी बैंक कार लोन पर 8.75 फीसदी का ब्याज वसूलगा। प्रोसेसिंग फीस 3,500 रुपये से लेकर 8,000 रुपये या कुल राशि का 0.50 फीसदी होगा। वहीं पंजाब नेशनल बैंक होम लोन पर 8.75 फीसदी से लेकर 9.60 फीसदी का ब्याज वसूल करेगा। ये बैंक कुल अमाउंट का 0.25 फीसदी या फिर 1000 रुपये से लेकर 1,500 रुपये के बीच प्रोसेसिंग फीस लेगा। केनरा बैंक कार लोन पर 8.80 फीसदी से लेकर 11.95 फीसदी तक का ब्याज ले रहा है। वहीं प्रोसेसिंग फीस इस बैंक में 31 दिसंबर तक माफ है।

सूखे के बाद बारिश ने जान फूंकी है केसर की फसल में

जम्मू | चाहे कश्मीर में एक लंबे सूखे के दौर के बाद हुई बारिश ने अन्य फसलों को क्षति पहुंचाई हो या फिर लोगों की मुसीबत को बढ़ाया हो पर सितंबर और अक्टूबर में समय पर हुई बारिश से इस साल केसर की बंपर फसल होने की उम्मीद जगा दी है।

कारोबारी कहते थे कि इस साल घाटी में लंबे समय तक शुष्क मौसम रहा। सौभाग्य से, इस सप्ताह हमें प्रचुर बारिश हुई। जो केसर की फसल के लिए बहुत जरूरी थी। हमें इस साल अच्छी फसल की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि इस सीजन में फसलें बेहतर हैं, जो इस साल बंपर फसल का संकेत देता है। वानी कहते थे कि 24 अक्टूबर के बाद केसर का फूल आना शुरू हो जाएगा। बारिश के कारण फूल आने में देरी हुई। फिर भी, फसल स्वस्थ दिख रही है और हम इस साल अपने अनुमानित उत्पादन को जानने के लिए केसर के फूल आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। पिछले साल, केसर का कुल उत्पादन 16.34



मीट्रिक टन था, जो पिछले 27 वर्षों में इस फसल का सबसे अधिक उत्पादन था। जबकि वर्ष 2021 में केसर का उत्पादन 15.04 मीट्रिक टन

दर्ज किया गया। जबकि वर्ष 2022 में प्रति हेक्टेयर उत्पादन 4.4 किलोग्राम दर्ज किया गया। केसर के उत्पादक किसान कहते थे कि जोआई टैग के बाद उन्होंने फसल से बेहतर रिटर्न पाने के लिए अपनी खेती के तरीकों को उन्नत किया है। एक अन्य केसर उत्पादक बशीर अहमद कहते थे कि अब इसमें केसर की इनडोर खेती शामिल है जो फसल खराब होने की कम से कम संभावना के साथ बेहतर उपज देती है। इसी तरह, किसानों ने खरपतार और कृंतक नियंत्रण के लिए एक तंत्र स्थापित किया है, जिससे प्रति हेक्टेयर उत्पादन बढ़ता है। इस बीच, अब अधिक से अधिक किसान केसर की इनडोर खेती की

कोशिश कर रहे हैं, जिसे 2021 में श्रे कश्मीर यूनियर्सिटी द्वारा पेश किया गया था। अहमद कहते थे कि आने वाले वर्षों में हम देखेंगे कि अधिक किसान अपने केसर उत्पादन को बढ़ाने के लिए इस नवीन पद्धति को आजमाएंगे। प्रासंगिक रूप से, वैश्विक मानचित्र पर घाटी की विरासत फसल को बढ़ावा देने के लिए जुलाई 2020 में कश्मीरी केसर को जोआई टैग दिया गया था। इस साल राज्य सरकार अपनी नई निर्यात नीति के साथ केसर उत्पादन को और बढ़ावा देने पर विचार कर रही है। सरकार ने 60 देशों को शार्टलिस्ट किया है जहां केसर का निर्यात किया जाएगा।

जन-धन योजना : 'जीरो बैलेंस' खाते बने वित्तीय समावेशन लाने का सबसे बड़ा साधन : सीतारमण



नयी दिल्ली | वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि 2014 में शुरू की गई प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) देश में वित्तीय समावेशन लाने का सबसे बड़ा साधन बनकर उभरी है।

कोटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव 2023 के उद्घाटन के बाद मंत्री ने कहा कि 50 से अधिक सरकारी योजनाओं के तहत लाभ (राशि) सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में स्थानांतरित किए जा रहे हैं और पीएमजेडीवाई है एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

त्यौहारी सीजन में एसबीआई कार्ड का ऑफर, खरीदारी पर डिस्काउंट के साथ कैशबैक भी

नयी दिल्ली | एसबीआई कार्ड का नाम क्रेडिट कार्ड की दुनिया में खासा पॉपुलर है। एसबीआई कार्ड भारत का सबसे बड़ा प्योर-प्ले क्रेडिट कार्ड जारीकर्ता है। हाल ही में एसबीआई कार्ड ने अपने कार्डहोल्डर्स के लिए देश भर में कई शानदार ऑफर निकाले हैं जो कि फेस्टिव सीजन 2023 के लिए लाए गए हैं।



एसबीआई कार्ड कस्टमर्स को करीब 2200 मंचेंट के जरिए अच्छे ऑफर मिल सकते हैं और इनके अलावा भी प्रमुख शहरों में ऑनलाइन और ऑफलाइन ऑफर्स का फायदा लेने का मौका मिल सकता है। खास बात ये है कि इनमें टियर 2 और टियर 3 शहरों के नाम भी शामिल हैं।

किन-किन प्रोडक्ट्स पर मिल सकता है ऑफर्स का फायदा - कन्यूमर ड्यूरेबल्स, मोबाइल्स, लैपटॉप, फैन, फर्नीचर, ज्वेलरी और गैरसरी आइटम्स पर आप एसबीआई कार्ड के कैशबैक और अन्य ऑफर्स का लाभ ले सकते हैं। एसबीआई कार्ड ने कई ईएमआई फोकस्ड ऑफर्स लॉन्च किए हैं जिनके जरिए वो ये तय करना चाहता है कि कार्डहोल्डर्स आसानी से खरीदारी कर सकें।

व्या है एसबीआई कार्ड का फेस्टिव ऑफर - फेस्टिव ऑफर 2023 के तहत एसबीआई कार्ड कस्टमर करीब 600 राष्ट्रीय स्तर के ऑफर दे रहा है। इसके अलावा 1500 क्षेत्रीय और हाइपरलोकल ऑफर होंगे जो कि 15 नवंबर 2023 तक के लिए वैलिड होंगे। इस फेस्टिव ऑफर के तहत एसबीआई कार्ड कस्टमर्स को 2700 शहरों में 27.5 फीसदी तक का कैशबैक मिलेगा और कई तरह के ब्रांड्स पर डिस्काउंट ऑफर लाया जाएगा जैसे फ्लिपकार्ट, अमेज़न, मित्रा, रिलायंस रिटेल ग्रुप, वेस्टसाइड, पेंटालून, मैक्स, तनिष्क और टीबीजेड के साथ अन्य ब्रांड्स इसमें शामिल रहेंगे।

देशबन्धु

ग्राहक सेवा

रैमण्ड से ट्रेनिंग प्राप्त फ्यूजिंग सूट, ट्राइजर शर्ट स्पेशलिस्ट

100 प्रतिशत गारंटेड इलाज क्या आपको गुन रोह है? अंडकोष, बवासीर, सेक्स से संबंधित रोगों के स्थायी इलाज के लिए मिलें

बिद्युत ऑपरेटर

टेलर्स वारिस

शां.नं. 3 आनंद टांकी शांति कायलेक्स, जलपुर पिन: 2405596

मो.- 9424392281, 9425152707

देग्रासे सी 30/7/2022

डॉ. विश्वास

राइट टाउन, प्रेम मंदिर, होटल पंकज पेटेश के पीछे

मो: 9827042596

देग्रासे-सी-30/7/2022

नोट- पाठकों को सूचना दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्यवाही जैसे पैसा भेजना, कोई खर्च करना या प्रकाशित विज्ञापन के विश्वास पर किसी प्रकार संबंध बनाना आदि करने से पूर्व आवश्यक/संपूर्ण जानकारी कर लें। देशबन्धु यह भी घोषित करता है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले किसी भी राजनैतिक, सामाजिक अथवा अन्य प्रकार के विज्ञापनों से देशबन्धु का कोई संबंध नहीं है। अतः विज्ञापनदाता द्वारा जारी किये गये किसी भी प्रकार के दावे/ प्रस्तुतिकरण के लिये जिम्मेदार नहीं हैं।

महावर ट्रेडिंग कंपनी, गांधीगंज

फोन- 4067270, 9826035338
 प्रति लिब्रेट - राह दाल एवरेज 13000-14000, मॉडिफ़म बोर्ड 15000-16000, फाइज 16000-17000, एकस्ट्रा बोर्ड 17500-18000, चना दाल एवरेज 7500-7800 चना दाल मार्का 7800-8000, मसूर दाल एवरेज 7600-7800, मसूर दाल फाइज 8000-8200, उड़द छिलका 8000-9000, फाइज 9000-10000, उड़द धुली 11000-11500, फाइज 11500-12000, मूंग दाल छिलका 9000-9500, मूंग दाल फाइज 9500-10000, मूंगदाल धुली 10500-11000, फाइज 11000-11500।

चावल - पुराना चावल सरना चालू 3000-3100, बेरट 3200-3300, बीघौटी चालू 3400-3500, फ ट 3 4000-4200, एचएमटी-5000-5200 फाइज-5200-5500 दुबाराज भादपापार 5000-5100, जेजेएल चालू 5200-5300, फाइज 5800-6000, बासमती कनकी चालू 2800-3000, बासमती कनकी मॉडिफ़म 3500-3700, बेरट 4000-4500, मोगना-5000-5200, दुबारा- 5500-6000, तिबारा- 7000-8000, बासमती 9000-10000, बेरट 11000-11500 मोहा-4100-4300, फाइज 4300-4400, मुसुफ़ा-5500-6000, फाइज-7000-7500, रु।।

सोहन लाल एण्ड संस
 रसल चौक फोन- 9425156095
 सोना बुलियन (प्रति 10 ग्राम) फाइज भाव- 62000 चांदी टंच-71300 चांदी रिफाइज-72300

दुल्हन श्री आभूषण
 कमनिया गेट, सरफा बाजार-मो. 9425860998, 9826307100
 सोना बुलियन (प्रति 10 ग्राम) फाइज भाव- 62000 चांदी टंच-71300 चांदी रिफाइज-72300

मुद्रा	रुपया
एक अमेरिकी डॉलर	83.12
एक यूरो	87.93
एक ब्रिटिश पाउंड	100.88
एक आस्ट्रेलियन डॉलर	52.44
एक जापानी टैन	00.55

परफेक्ट हैचरी एंड पोल्ट्री प्रोडक्ट इंडिया प्रा. लि.

864 मारुति शोरूम के सामने फोन- 2412223, 9329428085
 बिंदु बाबलस बड़ा- फार्म रेट 106 प्रति कि. बिंदु बाबलस मॉडिफ़म- फार्म रेट 116 प्रति कि. बिंदु बाबलस छोटा- फार्म रेट-126 प्रति कि. बिंदु मुर्गा लेयर कल्स- 75 रेट प्रति किलो बिंदु काकरेल-मुर्गा- 150 र. कि लो (बिंदु थोक फार्म रेट)

अग्रवाल आयरन ट्रेडर्स
 शास्त्री-फ़िज 4004070, 2402070 भाव प्रति लिब्रेट- 5.5 एम एम 6900, 6 एम एम 6900, 8 एम एम 6400, 10 एम एम 6250, 12 एम एम, 6200 किलो 16 एम 6200 रु. 1 तर- 78 रु. किलो।

संस्कारधानी के मास्टर प्लान पर सियासी ग्रहण

देशबन्धु पड़ताल

जबलपुर, देशबन्धु। शहर के मास्टर प्लान के भोपाल में अटक जाने के कारण शहर के विकास की रफ्तार बुरी तरह से लड़खड़ा गयी है, न केवल बड़े प्रोजेक्ट धीमे हो गये हैं, बल्कि नए निवेशकों के आने की संभावना भी कम होती जा रही है। ऐसा कहा जा रहा है कि मास्टर प्लान को चुनाव के कारण ब्रेक दे दिया गया है। अब चुनाव के बाद ही इस पर विचार किया जाएगा, लेकिन तब तक कितना नुकसान हो जाएगा, इसका अनुमान लगाने कोई तैयार नहीं है।



गौरतलब है कि टाउन एंड कंट्री प्लानिंग के लोकल ऑफिस से मास्टर प्लान तैयार करके काफी दिनों पहले ही भोपाल मुख्यालय भेजा जा चुका है। कुछ एक दस्तावेज और मांगे गये थे, जो यहाँ से तुरंत ही रवाना किए गये, लेकिन इसके बाद से अभी तक मास्टर प्लान को लेकर किसी तरह की कोई बात नहीं की गयी है।

उम्मीद थी कि चुनाव के पहले मास्टर प्लान लागू कर दिया जाएगा लेकिन ऐसा नहीं दिख रहा है। यहाँ पर पदस्थ रहने वाले संयुक्त संचालक भी कुछ दिनों पहले ही सेवानिवृत्त हो चुके हैं।

देरी से नगर-ग्रामीण क्षेत्र का विकास प्रभावित

शहर का विस्तार पहले विजय नगर, ग्वारीघाट, तिलवाराघाट, लम्हेटाघाट, तिलहरी की ओर हो रहा है लेकिन नगर की परिधि तिलहरी से लेकर मंगेली, मानेगांव, न्यू भेड़ाघाट छोर, भेड़ाघाट, पनागर के कुसनेर, डिफेंस लैंड से आगे का हिस्सा, अमझर, पाटन छोर पर नुनसर, झागरा, खैरी की ओर भी तेजी से हो रहा है।

शहर के गौर तिराहा से बरगी मार्ग, तिलवाराघाट के पार, पाटन बायपास, कटंगी बायपास, पिपरिया समेत अन्य इलाकों में तेजी से बसाहट बस रही है। विशेषज्ञों के अनुसार नया मास्टर प्लान आने में देर होने से मौजूदा निवेश एरिया के बाहर की बसाहट को सड़क, बिजली, पानी, ड्रेनेज, उद्यान, स्कूल, अस्पताल जैसे आधार भूत अधोसंरचना के लिए जूझना होगा।

इससे होने वाले नुकसान इस शहर को उठाने होंगे। शहर की 9 प्रस्तावित सड़कों के ज्यादातर क्षेत्र में बसाहट बस गई। इससे पुरानी सड़कों पर दबाव बढ़ा। यातायात व्यवस्था चौपट हो रही है। शहर का चारों ओर बेतरतीब विकास हो रहा है।



जबलपुर, देशबन्धु। नगर में इन दिनों शारदेय नवरात्र महापर्व की धूम है। मां के विविध स्वरूपों के दर्शन करने भक्त पंडालों में पहुंच रहे हैं। विजय नगर के मां आदिशक्ति पूजा समिति के पंडाल में मां के साथ ही देवी देवताओं की मनमोहक प्रतिमाएं श्रद्धालुओं का मन मोह रही हैं। शाम ढलते ही यहां पर भक्तों की भीड़ उमड़ रही है, इस मौके पर चहुंओर आदिशक्ति की जयकारा गूंज रहे हैं।

37 जिलों से करीब 2100 अग्निवीरों का चयन

जबलपुर, देशबन्धु। भर्ती वर्ष 2023-24 के लिए पहला भर्ती चक्र अपने संबंधित रेजिमेंट/प्रशिक्षण केंद्रों में चयनित अग्निवीरों को भेजने की शुरुआत के साथ अपनी समाप्ति के करीब है।

पहले चक्र में अग्निवीर (सभी श्रेणी) के रूप में शामिल होने के लिए, सेना भर्ती कार्यालय जबलपुर, भोपाल और ग्वालियर के अंतर्गत आने वाले, मध्य प्रदेश के 37 जिलों से लगभग 2100 उम्मीदवारों का चयन किया गया है। यह चक्र अप्रैल 2023 के महीने में सामान्य प्रवेश परीक्षा के आयोजन के साथ शुरू हुआ था, जिसके बाद जुलाई से सितंबर 2023 के महीनों में भर्ती रैलियां हुईं। अंतिम मेरिट सूची 25 सितंबर 2023 को घोषित की गई थी, जिसके बाद संबंधित प्रशिक्षण केंद्रों में भेजने से पहले योग्य उम्मीदवारों के दस्तावेजों की विस्तृत जांच की गई थी।

मुख्यालय भर्ती जोन (मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़) के तत्वावधान में, वर्ष के पहले चक्र में भर्ती के लिए मध्य प्रदेश के कुल 37 जिलों को अभी तक कवर किया गया था। रिज रोड पर बहुत हलचल दिखाई देती है।

दूसरे राज्य के उम्मीदवारों को एनआरआई कोटे में प्रवेश दिये जाने को चुनौती

हाईकोर्ट ने चिकित्सा शिक्षा विभाग के पीएस सहित अन्य से मांगा जवाब

जबलपुर, देशबन्धु। नीट पीजी में एनआरआई कोटे के तहत नियम विरुद्ध तरीके से दूसरे राज्य के अभ्यर्थियों को स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश दिये जाने को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। चीफ जस्टिस रवि विजय मल्लिमथ व जस्टिस विशाल मिश्रा की युगलपीठ ने मामले में प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा विभाग व डायरेक्टर मेडिकल एजुकेशन सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने के निर्देश दिये हैं।

यह प्रावधान है कि यदि एनआरआई कोटे में प्रदेश का मूल निवासी उपलब्ध है तो अन्य राज्य के अभ्यर्थी को प्रवेश नहीं दिया जायेगा। आरोप है कि नियम के खिलाफ जाकर अधिक अंक का हवाला देते हुए बाहरी राज्य के उम्मीदवार को उक्त कोटे में प्रवेश दिया गया है। याचिका में कहा गया कि पोर्टल में उपलब्ध नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जाम्स के दस्तावेजों में फलक बगमा दिल्ली, निशांत मिश्रवाल हरियाणा, ईशाना हिंदग और यतिका पसरिका राजस्थान के मूल निवासी हैं। इन उम्मीदवारों को एनआरआई कोटे में प्रवेश दिया गया है, जो कि अनुचित है। मामले की सुनवाई पश्चात् न्यायालय ने अनावेदकों को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब पेश करने के निर्देश दिये हैं।

निशा बांगरे के इस्तीफे पर सोमवार तक हो जायेगा निर्णय

सरकार ने हाईकोर्ट में दी अंडरटेकिंग

जबलपुर, देशबन्धु। डिप्टी कलेक्टर निशा बांगरे के खिलाफ लंबित विभागीय जांच तथा उनके इस्तीफे पर सरकार सोमवार तक निर्णय लेगी। चीफ जस्टिस रवि विजय मल्लिमथ व जस्टिस विशाल मिश्रा की युगलपीठ के समक्ष शुक्रवार को सुनवाई दौरान सरकार की ओर से उक्त अंडरटेकिंग दी गई है। जिसके बाद न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई दशहरा अवकाश के बाद निर्धारित की है। उल्लेखनीय है कि छतरपुर के लवकुश नगर में एसडीएम के पद पर पदस्थ डिप्टी कलेक्टर निशा बांगरे ने 22 जून 2023 को सामान्य प्रशासन विभाग को अपना इस्तीफा भेजा था। इस्तीफे पर सरकार की ओर से कोई निर्णय न लिये जाने पर निशा बांगरे ने हाईकोर्ट की शरण ली थी। दायर मामले में कहा गया था कि सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा 24 जनवरी 1973 को पारित मेमो के अंतर्गत सरकार को अधिकारी के इस्तीफे पर तत्काल निर्णय लेना चाहिए। याचिका की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट की एकलपीठ ने 30 दिनों के अंदर इस्तीफे पर निर्णय लेने के आदेश जारी किये थे। निर्धारित समयवाधि गुजर जान के बावजूद भी निर्णय न होने पर पुनः हाईकोर्ट की शरण ली गई थी। जिसमें कहा गया था कि सरकार ने विभागीय जांच के लिए उन्हें नोटिस जारी किया है। मामले में बताया गया था कि विभागीय आरोपों को याचिकाकर्ता ने स्वीकार कर लिये हैं। इसके बावजूद भी उनका

फर्जी दस्तावेजों से होम लोन लेने वाले को जमानत नहीं

जबलपुर, देशबन्धु। हाईकोर्ट के जस्टिस डीके पालीवाल की एकलपीठ ने फर्जी दस्तावेजों से होम लोन लेने वाले आरोपी विजय थदानी की जमानत अर्जी निरस्त कर दी।

आपत्तिकर्ता कोर्ट महिंद्रा बैंक की ओर से अधिवक्ता अमित कुमार जायसवाल ने पक्ष रखा। जिन्होंने बताया कि जबलपुर निवासी आरोपी विजय ने राशि न लौटाने के उद्देश्य से बैंक में फर्जी दस्तावेज जमा किये और होम लोन प्राप्त किया। उसके ऊपर 95 लाख, 47 हजार, 875 रुपये की देनदारी है। इस तरह के आरोपी को जमानत का लाभ देने से समाज में गलत संदेश जायेगा। इससे पहले एडीजे कोर्ट ने भी आरोपी को जमानत देने से इंकार कर दिया है। सुनवाई पश्चात् अदालत ने आरोपी की जमानत अर्जी निरस्त कर दी।

उमरिया एसएसटी पोस्ट पर पकड़ाए 3 लाख 95 हजार

छिंदवाड़ा, देशबन्धु। आदर्श आचार संहिता पूरे जिले में प्रभावी हो गई है, जिससे चुनाव की तैयारियों के चलते बाईस सील कर दी गई है और अंतराज्यीय जांच चौकी बनाकर वार्डों की सज्जता से पड़ताल की जा रही है। समत-समत पर एडवाईजरी भी जारी की जा रही है, ऐसी ही एक सूचना पिछले दिनों चुनाव आयोग ने जारी की थी कि आप एक वक्त में एक साथ पचास हजार रूप से अधिक रकम लेकर ना चलें, यदि बहुत आवश्यक है तो कागजात और कारण तत्काल बता दें, अन्यथा पैसा जप्त हो जाएगा, लेकिन इसके बाद भी लोग नहीं मान रहे हैं। आज इसी के चलते चौथे दिन भी पुलिस के द्वारा बनाए गए जांच नाके में 3 लाख 95 हजार रूपए की नगदी पकड़ी गई जिससे पुलिस ने जप्त करके हुए मामले की जांच शुरू कर दी है।



सतर्क रहें, कहीं कोई गड़बड़ी ना होने पाये : अनुपम राजन

जबलपुर, देशबन्धु। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी निर्वाचन के लिये शिकायतों के निराकरण की व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने तथा निर्वाचन संबंधी अपराधों पर सख्ती से रोक लगाने के निर्देश दिये हैं। श्री राजन शुक्रवार को होटल कल्चर में आयोजित बैठक में संभाग के जिलों में चल रही विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे।



मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने रीवा, शहडोल और जबलपुर संभाग की चुनावी तैयारियों पर अधिकारियों को निर्देश दिये

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राजन ने बैठक में आदर्श आचरण संहिता सहित निर्वाचन नियमों के उल्लंघन के मामलों में सख्त कार्यवाही करने पर जोर दिया उन्होंने ऐसे प्रत्येक तत्व पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करने की हिदायत भी दी जो चुनावी प्रक्रिया के दौरान अशांति पैदा करने का प्रयास कर सकते हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने संवेदनशील और वलन्टेबल क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त करने पर जोर दिया। उन्होंने पचास प्रतिशत मतदान केंद्रों की वेबकास्टिंग के निर्देश देते हुये कहा कि संवेदनशीलता के लिहाज से यदि आवश्यकता हो तो मतदान केंद्रों की संख्या और बढ़ाई जा सकती है।

राजन ने संभाग के प्रत्येक जिले में निर्वाचन नियमों के उल्लंघन के अभी तक दर्ज हुये प्रकरणों, आपराधिक तत्वों के विरुद्ध की गई प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की जानकारी भी ली। उन्होंने निर्वाचन की प्रक्रिया के दौरान बड़ी मात्रा में नकदी, बहुमूल्य धातुओं और निषिद्ध वस्तुओं के परिवहन को रोकने के चेक पोस्ट पर वाहनों की सघन तलाशी लेने पर बल दिया।

सोनू पोल्ट्री
बड़ा ब्रायलर - ₹. 102
मीडियम ब्रायलर - ₹. 112
छोटा ब्रायलर - ₹. 122
मोबाइल नं. 9300692405

घरेलू विवाद पर पति ने डंडे से पीटकर की पत्नी की हत्या

अनुपपुर, देशबन्धु। कोतवाली थाना अनुपपुर से 25 किमी दूर स्थित बड़हर गांव में शुक्रवार को शराब के नशे में पति ने चरित्र संदेह पर डंडे से पीट कर पत्नी की हत्या कर भाग गया। घटना की सूचना पर कोतवाली ने पुलिस मौके पर पहुंचकर मृतिका के शव का परीक्षण कराया और जांच शुरू की।

घटना के संबंध में अब तक मिली जानकारी के अनुसार, कोतवाली थाना अनुपपुर के बड़हर गांव निवासी रमेश सिंह श्याम ने अपनी 40 वर्षीय पत्नी नीमकली सिंह जो कुदरारोला में रहती है। अक्सर शराब के नशे में पति-पत्नी के बीच वाद-विवाद होता था। शुक्रवार को रमेश ने पत्नी पर चरित्र संदेह को लेकर वाद-विवाद होने पर मारपीट करते हुए डंडे से हमला किया, इससे नीमकली के सिर एवं शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोट आने पर मौत हो गई। जिसकी सूचना बड़हर गांव के पूर्व सरपंच एवं मृतिका के देवर सूरज सिंह ने कोतवाली थाना अनुपपुर में दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीओपी अनुपपुर सुमित केरकेट्टा, कोतवाली निरीक्षक अमर वर्मा, उपनिरीक्षक संजय खलखो, सहायक उप निरीक्षक संतोष वर्मा के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर मृतिका के शव का पंचनामा कर जिला चिकित्सालय अनुपपुर पीएम के लिए भिजवाया।



आसान किस्तों में उपलब्ध मिश्रा इन्टरप्राइजेज
सभी ब्रांडेड कम्पनियों के टी.वी. एल.सी.डी. फ्रिज, डी.बी.डी. बुटन फर्नीचर, स्टील फर्नीचर उपलब्ध है
1. उपभोक्ता को संपूर्ण टी.वी. सफाई की सुविधा है।
2. उपभोक्ता सेवा ही जीवन का लक्ष्य है।
एल.जी. सेमसन, फिलिप्स, बी.पी. एल. सोनी, वेल्सन व अन्य कम्पनियों के उपलब्ध है।
441, सरकारी कुआ, शीतलामाई बाई पश्चिमी घमापुर, जबलपुर
मो. 9200000162 फोन- 2626496

FOR ENQUIRY CALL 0761-4069888
FOLLOW BY SAMDAREEYA CINEMAS
MORNING SHOW OFFER RS. @ 100/- (CONDITION APPLY)
YARIYAN-2 10:00 AM 03:30 PM 09:30 PM
GHOST IN HINDI 12:45 PM
GANAPATH 10:00 AM 12:30 PM 03:00 PM 04:30 PM 05:45 PM 07:00 PM 08:15 PM 09:30 PM 10:55 PM
TIGER NAGESWARA RAO 10:15 AM 06:15 PM
LEO IN HINDI 10:00 AM 01:00 PM 04:00 PM 07:30 PM 10:30 PM
JAWAN 01:30 PM

J.B.F.A.
जबलपुर बॉयलर फार्मस एसोसियेशन
मुर्गा छोटा - ₹. 126
मुर्गा मीडियम - ₹. 116
मुर्गा बड़ा - ₹. 106
मुर्गा जम्बो - ₹. 106
मो. 9039925000, 9425800409

14 आयुर्वेदिक दर्दनाशक तेलों का मिश्रण
मामजैसिक
तीव्र दर्दनाशक तेल/क्रीम
कमर, पीठ, गर्दन, जोड़ों एवं घुटने का दर्द, कोपे एवं कूहों का दर्द, अंदरूनी वाद, गोंब-सूजन, मांसपेशियों में खिंचाव-तकलाना, पिंडलियों, पंजों, हड्डियों एवं पसलियों में दर्द, हाथ-पैर में बुलबुली, कम्पन, कमजोरी, जोड़ों में दर्द हटाने के प्रभावशाली एवं गहवाई तक असरकारक लकवा रोगियों हेतु अत्यंत आवश्यक
निर्णायक तिल
मामजैसिक
सभी मेडीकल स्टोर्स में उपलब्ध
व्यवसायिक पूछताछ 9826035091